राष्ट्रीय संस्करण

# दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 323

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, बुधवार, 1 मई, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

शत्रुओं से निपटने के लिए नौसेना को हर समय रहना चाहिए तैयार >>6

## जागरण विशेष

### सीमा की निगरानी करेगा ओईएफ का सर्विलांस ड्रोन

**कानपुर :** फीरोजाबाद के ओईएफ में तैयार ड्रोन से अब 40 किमी के दायरे में नजर रखी जा सकेगी। यह सीमा पर निगरानी के लिए मुफीद है। साथ ही एंबुलेंस ड्रोन पर भी काम शुरू हो चुका है। यह दुर्गम क्षेत्रों में घायल जवानों की जान बचाएगा। ● पेज-7

## संपादकीय

**भारतीय लोकतंत्र को लांछित करने का अभियान :** भारत में चुनाव प्रक्रिया एवं

शासन व्यवस्था में कुछ सुधार आवश्यक हैं, पर हमारी उपलब्धियों को अनदेखा कर मनगढ़ंत आरोप लगाना एक सुनियोजित षड्यंत्र है। **श्रीराम चौलिया** का दृष्टिकोण।

**मनचाहे आरोपों की राजनीति :** कांग्रेस के घोषणा पत्र के साथ भाजपा वही कर रही, जो उसने सीएए और कृषि कानूनों को लेकर किया था। **राजीव सचान** का आलेख। ● पेज-8

## विमर्श

**खाद्य पदार्थों में मिलावट चिंताजनक :** मसालों, बेबी फूड से लेकर दवाओं तक में सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों की मिलावट ने देश-दुनिया में चिंता का माहौल बना दिया है। अभिषेक कुमार सिंह का विश्लेषण।

**सिंधु जल बंटवारे पर पुनर्विचार की जरूरत :** पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को करारा जवाब देने के लिए भारत सिंधु जल संधि का कूटनीतिक अस्त्र के रूप में करे इस्तेमाल। प्रमोद भार्गव का सुझाव। ● पेज-9

आइपीएल
आज का मैच
चेन्नई सुपरकिंग्स vs पंजाब किंग्स
शाम 7:30 बजे | स्थान : चेन्नई
प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

दैनिक जागरण सप्तरंग
सेहत भरे जीवन का
सतर्कता से अस्थमा रहेगा नियंत्रित
अच्छे स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या में लाएं परिवर्तन
● पेज-13

महासमर 2024

भाजपा प्रदर्शन दोहराने, कांग्रेस साख बचाने के दबाव में पेज>>3
विकास के बीच जातीय समीकरण का दांव पेज>>3
अमेठी-रायबरेली सीट को लेकर कांग्रेस में रहस्य बरकरार पेज>>4
बंगाल को हिंदू विहीन करने की हो रही साजिश : योगी पेज>>5

# मोहब्बत की दुकान में बेचे जा रहे फर्जी वीडियो : मोदी

## पीएम बोले- मुकाबले में असहाय कांग्रेस कर रही तकनीक का दुरुपयोग

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- कहा- आतंकी गतिविधियों पर अब डोजियर नहीं भेजते, हम उन्हें घर में घुसकर मारते हैं
- किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से मुकाबला नहीं कर पा रही है और तकनीक का दुरुपयोग कर इंटरनेट मीडिया पर फर्जी वीडियो प्रसारित कर रही है। अपनी 'मोहब्बत की दुकान' में फर्जी वीडियो बेच रही है। यही नहीं, उन्होंने कहा कि कांग्रेस नीत संप्रग सरकार में आतंकी हमला करके भाग जाते थे तो सरकार केवल बचाओ-बचाओ चिल्लाती थी लेकिन अब हालात बदल गए, अब हम आतंकी गतिविधियों पर डोजियर नहीं भेजते बल्कि उन्हें घर में घुसकर मारते हैं।

मोदी महाराष्ट्र के लातूर, धाराशिव और माढ़ा में चुनावी रैलियों को सबोधित कर रहे थे। उन्होंने विकसित भारत के मार्ग में बाधा डालने वाले विपक्ष के घृणित इरादों के प्रति लोगों को आगाह किया। धाराशिव में पीएम बोले- 'अब विपक्षियों की स्थिति ऐसी हो गई है कि उनके झूठ भी काम नहीं कर रहे हैं। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के जरिये मेरे चेहरे का उपयोग कर रहे हैं। फर्जी वीडियो बनाकर प्रसारित कर रहे हैं। झूठ की यह दुकान बंद होनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि विरोधी मेरे जैसे नेताओं के भाषणों को तोड़-मरोड़कर पेश करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के धाराशिव में मंगलवार को आयोजित चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन त्रिशूल भेंट कर किया गया। प्रेट्र

मोदी ने कहा कि 2008 के मुंबई हमलों के बाद कांग्रेस शासन के दौरान पाकिस्तान को डोजियर भेजने की प्रथा के विपरीत भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवादियों से सीधे निपटती है। उन्होंने सवाल किया कि एक कमजोर सरकार देश को कैसे मजबूत कर सकती है? उन्होंने कहा कि मोदी आपके जीवन को बदलने के लिए दिन-रात अथक प्रयास कर रहा है जबकि आइएनडीआइए के लोग मोदी को बदलने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि जिनके घोटाले मैंने रोके, क्या वे मोदी से नाराज नहीं होंगे? वे आपको डराने में लगे हैं। कभी लोकतंत्र के नाम पर, कभी संविधान के नाम पर तो कभी आरक्षण के नाम पर। आपको इनसे सचेत रहना है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की योजना पांच साल में पांच प्रधानमंत्री बनाने की है और यह देश को लूटने के एक व्यवस्थित प्रयास का संकेत है। यह देश को अस्थिरता की ओर ढकेल सकता है। क्या हम उन्हें थोड़ा-सा भी मौका दे सकते हैं? खासकर इस चुनौतीपूर्ण समय में?

पांच साल में दो लाख सहकारी संस्थाएं स्थापित होंगी पेज>>4

# शाह का फेक वीडियो वायरल करने के मामले में दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● अहमदाबाद

- कांग्रेस विधायक का निजी सहायक एवं आप पदाधिकारी आरोपित
- आरक्षण खत्म करने की बात जोड़कर वीडियो किया था वायरल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संपादित किए हुए फेक वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर वायरल करने के मामले में अहमदाबाद साइबर क्राइम सेल ने कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी के निजी सहायक एवं आम आदमी पार्टी के एक पदाधिकारी को गिरफ्तार किया है।

अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस उपायुक्त डा. लवीना सिन्हा ने बताया कि आरोपित सतीश वसोणी एवं आरबी बारैया ने अपने इंटरनेट मीडिया हैंडल से अमित शाह के संपादित किए हुए फेक वीडियो को फेसबुक पर पोस्ट किया था। उन्हें यह वीडियो वाट्सएप पर मिला था। शाह का यह वीडियो गुजरात के पालनपुर और लीमखेड़ा की जनसभा का है जिसे संपादित कर एससी, एसटी व ओबीसी का आरक्षण खत्म करने की बात जोड़कर वायरल किया गया था। डा. लवीना ने बताया कि वीडियो किसने संपादित किया, इसकी जांच की जा रही है।

आरोपित वसोणी गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक जिग्नेश मेवाणी का पिछले छह वर्षों से निजी सहायक (पीए) है। वसोणी बनासकांठा जिला कांग्रेस का महासचिव भी है और दलित समुदाय से है। जबकि बारैया आम आदमी पार्टी (आप) का पिछले चार वर्षों से दाहोद जिला अध्यक्ष है।

वहीं, इस मामले में दिल्ली पुलिस (स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक आपरेशंस यूनिट) ने अब तक आठ राज्यों के 16 लोगों को पूछताछ में शामिल होने का नोटिस भेजा है।

तेलंगाना के सीएम समेत पांच से आज हो सकती है पूछताछ पेज>>2

### महाराष्ट्र युवा कांग्रेस के इंटरनेट मीडिया हैंडल के विरुद्ध केस

**मुंबई, प्रेट्र :** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एससी, एसटी एवं ओबीसी आरक्षण खत्म करने की घोषणा संबंधी एक डीप फेक वीडियो कथित रूप से साझा करने के लिए मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र युवा कांग्रेस के इंटरनेट मीडिया हैंडल और 16 अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। मुंबई भाजपा के पदाधिकारी प्रतीक करपे ने इस संबंध में बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। उक्त अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

### पतंजलि मामले में लाइसेंसिंग प्राधिकरण को फटकार

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि के खिलाफ कार्रवाई में ढिलाई पर मंगलवार को उत्तराखंड के लाइसेंसिंग अथारिटी को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही अधिकारियों की ओर से दाखिल हलफनामों पर असंतोष जताते हुए कहा प्रतीत होता है कि लाइसेंसिंग अथारिटी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सक्रिय हुई और उसने कार्रवाई की। (पेज-6)

### कोविशील्ड के दुष्प्रभाव को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क

**नई दिल्ली :** कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के दुष्प्रभाव को लेकर वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका की स्वीकारोक्ति को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क हो गया है। लेकिन किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के पहले एस्ट्राजेनेका की लंदन में अदालत में दिए गए हलफनामे को देखना चाहता है। अधिकारी ने सक्रिय वैक्सीन विरोधी लाबी का हवाला देते हुए कहा कि हलफनामे के तथ्यों को जानना जरूरी है। (पेज-7)

### मणिपुर में महिलाओं को पुलिस ने ही किया था भीड़ के हवाले

**नई दिल्ली :** पिछले साल मणिपुर हिंसा के दौरान भीड़ से बचने के लिए मदद की गुहार लगाने वाली कुकी-जोमी समुदाय की दो महिलाओं को पुलिस ने ही दंगाइयों को सौंप दिया था। इसके बाद भीड़ ने दोनों महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया और उनका यौन उत्पीड़न भी किया था। यह बात सीबीआइ ने अपने आरोपपत्र में कही है। (पेज-7)

# ईडी से केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय पर स्पष्टीकरण तलब

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- स्वतंत्रता बहुत महत्वपूर्ण है और आप इससे इन्कार नहीं कर सकते
- केजरीवाल की ओर से कहा गया- इस समय गिरफ्तारी की क्या थी जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मनी लांड्रिंग के आरोप में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव के दौरान गिरफ्तार किए जाने पर ईडी से सवाल किया है। कहा कि स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है और ईडी को गिरफ्तारी के समय पर जवाब देना होगा। साथ ही गिरफ्तारी और जब्ती व उससे केजरीवाल के संबंध पर भी अपना पक्ष रखने को कहा है। केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए गिरफ्तारी को वैध ठहराया था। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने मंगलवार को केजरीवाल की ओर से बहस पूरी होने के बाद ईडी के वकील से पांच सवाल पूछे और कहा कि शुक्रवार को वे इन पर तैयारी के साथ बहस के लिए आएं। मंगलवार को केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन गवाहियों और सामग्री को आधार बनाते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी की गई है, वह ईडी के पास पिछले नौ महीने से थी तो फिर इस समय गिरफ्तारी की क्या जरूरत थी? सिंघवी ने जब उनके खिलाफ गवाही देने वाले दो गवाहों के राजनैतिक संबंध बताते हुए कहा कि एक टीडीपी पार्टी से चुनाव लड़ रहा है तो दूसरा भाजपा से लड़ रहा है, इस पर कोर्ट ने कहा कि इन दलों का गठबंधन बहुत बाद में हुआ है और इन दलीलों का यहां कोई मतलब नहीं है। पीठ ने आगे सुनवाई के लिए शुक्रवार

की तिथि तय की और ईडी की ओर से पेश एडिशनल सालिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू से पांच सवालों का जवाब देने को कहा है।

कोर्ट ने ईडी से पूछा कि बिना किसी न्यायिक कार्यवाही के क्या आपराधिक कार्यवाही शुरू की जा सकती है? केजरीवाल के मामले में अभी तक जब्ती की कार्रवाई नहीं हुई है और अगर हुई भी है तो उसका केजरीवाल से क्या संबंध है। ईडी को गिरफ्तारी और जब्ती का केजरीवाल से संबंध बताना होगा। कोर्ट ने इस संबंध में अन्य फैसलों में दिए गए निर्णयों का उल्लेख किया और उसे देखते हुए जवाब देने को कहा है। इसके अलावा कोर्ट ने ईडी से सवाल किया कि मनीष सिसोदिया के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के दो भाग हैं। एक पक्ष में और दूसरा जो पक्ष में नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि केजरीवाल का मामला किस भाग में आता है।

कोर्ट ने पूछा, पीएमएलए की धारा 19 की व्याख्या कैसे की जाए पेज>>2

### सेक्स स्कैंडल में घिरे सांसद प्रज्वल जदएस से निलंबित

**बेंगलुरु :** जनता दल सेक्युलर (जदएस) ने कथित सेक्स स्कैंडल में संलिप्तता के लिए हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना को मंगलवार को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। आदेश में कहा गया है, 'प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के कथित उत्पीड़न के वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिससे पार्टी और आलाकमान को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है।' (पेज-6)

### खोदाई में भोजशाला की नींव तक पहुंची एएसआइ की टीम

**धार (मप्र) :** भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआइ) की टीम ने सर्वे के 40वें दिन मंगलवार को बाहरी और भीतरी परिसरों में कार्य किया। टीम ने दक्षिण व पश्चिम भाग में मिट्टी हटाई। दक्षिण क्षेत्र में टीम भोजशाला की नींव तक पहुंच गई है। कोर्ट के आदेश के बाद भोजशाला के 50 मीटर के वृत्ताकार क्षेत्र में सर्वे किया जा रहा है। (पेज-7)

# 'पन्नू मामले में अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट निराधार'

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भारत ने सोमवार को अमेरिकी मीडिया में प्रकाशित उस रिपोर्ट को पूरी तरह निराधार और अवांछित बताया है, जिसमें खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने के कथित प्रयास में रा के एक अधिकारी की संलिप्तता बताई गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह रिपोर्ट अटकलबाजी पर आधारित है और पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना है।

अमेरिकी दैनिक अखबार 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने अज्ञात सूत्रों के हवाले से पन्नू की कथित हत्या की साजिश के संबंध में भारतीय रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रा) के एक अधिकारी का नाम लिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा- 'रिपोर्ट में एक गंभीर मामले में अवांछित और निराधार आरोप लगाए गए हैं। भारत सरकार ने संगठित अपराधियों, आतंकवादियों तथा अन्य के नेटवर्क को लेकर अमेरिकी सरकार द्वारा साझा की गईं सुरक्षा चिंताओं की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की है, जिसकी जांच जारी है। इस पर काल्पनिक और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों की जरूरत नहीं है।'

पिछले साल नवंबर में अमेरिका ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर अमेरिका में सिख अलगाववादी पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में भारत सरकार के एक आधिकारी के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया था। भारत में वांछित आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सात दिसंबर को संसद में कहा था कि भारत ने इस मामले में अमेरिका से प्राप्त सूचना की जांच के लिए एक समिति गठित की है, क्योंकि इस मामले से देश के राष्ट्रीय हित भी जुड़े हैं। बता दें कि गुप्ता फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं और उन पर पैसे के बदले हत्या करने की कोशिश का आरोप लगाया गया है, जिसमें अधिकतम 10 साल की कैद का प्रविधान है। चेक गणराज्य के अधिकारियों ने अमेरिका और चेक गणराज्य के बीच द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत बीते 30 जून को गुप्ता को पकड़ा था।

- भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा- खबर में एक गंभीर मामले में अवांछित आरोप लगाए गए, यह गैर-जिम्मेदाराना है
- द वाशिंगटन पोस्ट ने सिख आतंकी की हत्या की कथित साजिश में रा के एक अधिकारी का बताया है हाथ

रणधीर जायसवाल। फाइल

# छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दस नक्सली ढेर

नईदुनिया न्यूज, नारायणपुर

- सुरक्षा बलों ने 45 किलोमीटर पैदल चलकर नक्सलियों को घेरा
- मुठभेड़ स्थल से एक एके 47 के साथ भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

### मुख्यधारा में शामिल हों नक्सली : गृह मंत्री विजय शर्मा

छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों और भटके लोगों से आग्रह किया है कि वे बातचीत के माध्यम से पुनर्वास की योजना का लाभ लेते हुए मुख्यधारा में शामिल हों। बस्तर की शांति में अपनी भूमिका निभाएं।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और कांकेर जिले के सीमावर्ती इलाके के अबुझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए। अबुझमाड़ में सोमवार की रात से सर्चिंग आपरेशन चलाया जा रहा था। इसी दौरान इलाके में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई।

डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने रातभर 45 किलोमीटर पैदल चलकर नक्सलियों की घेराबंदी की, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में ये नक्सली ढेर कर दिए गए। इनमें तीन महिला नक्सली भी शामिल हैं। मृत नक्सलियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पूरे अभियान में सुरक्षा बल का कोई भी जवान हताहत नहीं हुआ है। घटनास्थल से एक एके 47 रायफल, गोला बारूद और नक्सल सामग्री बरामद की गई है। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाके में भी सपोर्टिंग पार्टी भेजी गई है। बता दें कि इसी महीने सुरक्षा बलों ने कांकेर जिले के छोटे बेठिया में 29 नक्सलियों को मार गिराया था।

पुलिस ने बताया कि जहां-जहां नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी उन जगहों पर सुरक्षा बलों की टीमें अभियान पर निकली हैं। नक्सलियों के सुरक्षा बलों पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में 10 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। खबर लिखे जाने तक जवानों और नक्सलियों की मुठभेड़ जारी थी।

नारायणपुर एवं कांकेर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाकर्मी। एएनआइ

## दोहरी खुशी

दिल्ली के डाक्टरों ने 11वीं बार में कराया आइवीएफ से सफल गर्भाधान, महिला ने जुड़वा बच्चों को दिया जन्म

# दस बार आइवीएफ विफल रहने के बाद घर में गूंजी किलकारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- शादी के आठ साल बाद उत्तर प्रदेश की महिला को मिला संतान सुख

इसे धैर्य कहें या भाग्य, शादी के आठ वर्ष में 10 बार आइवीएफ विफल रहने के बाद उत्तर प्रदेश के वाराणसी की 33 वर्षीय महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। महिला 10 बार आइवीएफ में फेल होने के बाद वह गर्भवती हुई। दिल्ली के लाजपत नगर स्थित एक इन्फर्टिलिटी एवं आइवीएफ सेंटर के डाक्टरों ने महिला का 11वीं बार आइवीएफ कराया। इसके बाद महिला ने मार्च में जुड़वा बच्चों को जन्म दिया।

बिड़ला फर्टिलिटी एवं आइवीएफ सेंटर के अनुसार महिला आठ वर्षों से संतान के लिए संघर्ष कर रही थी। इलाज के लिए उन्होंने कई डाक्टरों से संपर्क किया। ज्यादातर महिलाओं को एक साइकिल आइवीएफ में चार से छह सप्ताह समय लगता है। 10 बार आइवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) फेल होने और शादी के आठ वर्षों बाद भी संतान नहीं होने के कारण भावनात्मक रूप से वह परेशान थीं। इसके बाद वह बिड़ला फर्टिलिटी एवं आइवीएफ सेंटर में अंतिम प्रयास के लिए पहुंचीं। अस्पताल की गायनी व आइवीएफ विशेषज्ञ डा. मुस्कान चोपड़ा ने बताया कि 11वीं बार आइवीएफ करने से पहले बांझपन और बार-बार आइवीएफ साइकिल फेल होने के कारणों का पता लगाने के लिए पति-पत्नी दोनों की कई तरह की जांचें कराई गईं।

प्रतीकात्मक

जांच में पाया गया कि महिला के गर्भाशय की लाइनिंग में खराबी थी। इसी कारण आइवीएफ के माध्यम से भ्रूण इंप्लांट के बाद भी गर्भधारण नहीं हो पा रहा था। इसके अलावा उसके पति के डीएनए में फ्रेगमेंटेशन इंडेक्स अधिक था। शुक्राणु की जांच करने पर संक्रमण का पता चला। इसलिए एंटीबायोटिक दी गई। इसके अलावा दंपती के जीवनशैली व खानपान में बदलाव कराया गया। उन्हें पर्याप्त मात्रा में विटामिन व पौष्टिक आहार का सेवन करने के निर्देश दिए गए। पूरा समय लेकर आइवीएफ कराया गया।

आइवीएफ से पहले हिस्टेरोस्कोपी कर गर्भाशय की जांच की गई। इसके अलावा एरा जेनटिक जांच की गई। इससे पता चलता है कि भ्रूण स्थानांतरण का सही वक्त क्या हो सकता है, इससे आइवीएफ सफल होने की संभावना बढ़ जाती है। इस आइवीएफ के लिए डोनर एग का इस्तेमाल किया गया। एरा जांच में गर्भधारण के लिए पाजिटिव पाए जाने के 15 दिन बाद उपयुक्त समय पर दो भ्रूण यूटेरस में स्थानांतरित किए गए। इसके बाद महिला ने गर्भधारण किया और एक लड़के और एक लड़की को जन्म दिया है।

### यह है आइवीएफ तकनीक

आइवीएफ तकनीक प्राकृतिक गर्भधारण की प्रक्रिया से थोड़ी अलग है। इसमें महिला के अंडाशय से अंडों को निकाल कर लैब में पुरुष के शुक्राणुओं के साथ निषेचित किया जाता है। निषेचन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद महिला के गर्भाशय में भ्रूण को प्रत्यारोपित किया जाता है, इसके बाद सारी प्रक्रिया सामान्य गर्भधारण जैसी ही है, इस तकनीक से पैदा होने वाली संतानों और प्राकृतिक रूप से जन्मी संतानों में कोई फर्क नहीं होता। इनका मानसिक और शारीरिक विकास बिल्कुल सामान्य गर्भधारण से जन्मी संतानों की तरह ही होता है।

********

# सैमसन, चहल खेलेंगे टी-20 विश्व कप, केएल राहुल को जगह नहीं

**नई दिल्ली, जेएनएन :** जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और लेग स्पिनर युजवेंद्रा सिंह चहल को 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है, जबकि केएल राहुल का पत्ता कट गया है। कार दुर्घटना के बाद फिट होकर आइपीएल में लौटे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की भी भारतीय टीम में वापसी हुई है। वहीं, युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और रिंकू सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है।

बीसीसीआइ ने मंगलवार को अहमदाबाद में बोर्ड सचिव जय शाह और मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर के बीच हुई बैठक के बाद टीम की घोषणा की। रोहित टीम के कप्तान होंगे, जबकि हालिया खराब फार्म के बावजूद हार्दिक पांड्या को उपकप्तान बनाया गया है। चयनकर्ताओं ने यशस्वी जायसवाल पर भरोसा जताया है और आइपीएल में अच्छे प्रदर्शन के चलते शिवम दुबे को भी टीम में जगह दी गई है।

(विस्तृत खबर पेज-12 पर)

- रोहित शर्मा होंगे कप्तान, हार्दिक पांड्या उपकप्तान
- पंत की वापसी, शुभमन और रिंकू रिजर्व खिलाड़ियों में

रोहित शर्मा। फाइल/एएफपी

**1** से 29 जून तक अमेरिका-वेस्टइंडीज में होगा आयोजन

**4** जून को आयरलैंड के विरुद्ध पहला मैच खेलेगी भारतीय टीम

78 कम्पिटेंस एन्हांसमेंट कोर्स डा. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) में नवीन सत्र से शुरू किए जा रहे हैं। इसमें विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों के साथ नौकरीपेशा भी प्रवेश ले पाएंगे। हर कोर्स की अवधि छह माह होगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 1 मई, 2024

## आज का मौसम

बुधवार को आसमान साफ रहेगा। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं चलेगी।

| पूर्वानुमान | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| दिल्ली | | |
| 1 मई | 35.0 | 21.0 |
| 2 मई | 37.0 | 20.0 |
| नोएडा | | |
| 1 मई | 36.0 | 20.0 |
| 2 मई | 35.0 | 21.0 |
| गुरुग्राम | | |
| 1 मई | 39.0 | 21.0 |
| 2 मई | 39.0 | 20.0 |

डिग्री सेल्सियस में

## न्यूज गैलरी

### मनमोहन सिंह के साथ यासीन का विवादित पोस्टर लगाया

**नई दिल्ली :** लोकसभा चुनावों की सरगर्मी के बीच मंडी हाउस इलाके में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ जेल में बंद जम्मू कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक का विवादित पोस्टर लगाया गया। जिसे जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत हटवा दिया, मगर यह पोस्टर किसने लगवाएं हैं। इस विषय में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पोस्टर में यासीन मलिक की रिहाई के लिए 25 मई को कांग्रेस को वोट देने की अपील की गई थी। दिल्ली में 25 मई को मतदान होना है। बाराखंभा थाने में अज्ञात में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। मंडी हाउस सर्कल के पास सफदर हाशमी मार्ग पर लगाए गए पोस्टर में यासीन मलिक और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बीच मुलाकात की फोटो लगाई गई है। जानकारी के अनुसार पोस्टर में जो फोटो लगाई गई है वह यूपीए सरकार के समय की है, जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और यासीन ने उनसे मुलाकात की थी। (जासं)

### जेल महानिदेशक संजय बेनिवाल हुए सेवानिवृत्त

**नई दिल्ली :** तिहाड़ जेल के महानिदेशक संजय बेनिवाल के सेवानिवृत्त होने पर मंगलवार को जेल मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस व अर्ध सैनिक बलों के जवानों ने सलामी परेड की। संजय बेनिवाल ने कहा कि उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं और उन कार्यों पर काम करते हुए कई योजनाएं बनाई गईं। अब योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आने वाले दिनों में योजनाओं पर विचार करके उनको पूरा किया जाए, जिससे कैदियों को इसका लाभ मिल सके। वे कैदियों से मिले, उनकी बातों को सुनकर उसको पूरा करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी मिलती है जब एक कैदी यहां से सीखकर बाहर जाता है और समाज की धारा में मिलता है। (जासं)

# तेलंगाना के सीएम समेत पांच से आज हो सकती है पूछताछ

## केंद्रीय गृह मंत्री का फेक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने का मामला

### आठ राज्यों में 16 लोगों को अब तक नोटिस भेज चुकी है आइएफएसओ

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फेक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटजिक आपरेशंस (आइएफएसओ) यूनिट अब तक आठ राज्यों के 16 लोगों को पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस भेज चुकी है। 29 अप्रैल को आइएसएसओ ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी समेत तेलंगाना कांग्रेस के प्रदेश सचिव शिवा शंकर, पार्टी प्रवक्ता अस्मा तस्लीम, इंटरनेट मीडिया प्रभारी माने सतीश व इंटरनेट मीडिया संयोजक नवीन को पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस दिया है।

इन्हें एक मई को सुबह 10.30 बजे दिल्ली स्थित आइएफएसओ मुख्यालय में उपस्थित होने को कहा गया है। पुलिस ने सभी को मोबाइल और इलेक्ट्रानिक गैजेट जैसे लैपटाप आदि साथ लेकर आने को

रेवंत रेड्डी। फाइल

कहा है ताकि जांच से यह पता लगाया जा सके कि उन्हें फेक वीडियो किसने भेजा और इन्होंने उसे कब पोस्ट किया। अगर ये बुधवार को पूछताछ में शामिल नहीं हुए तो दोबारा नोटिस भेजा जाएगा।

पुलिस इनसे पूछताछ कर केवल यह जानने की कोशिश करेगी कि इन्हें फेक वीडियो किसने दिया। आइएफएसओ की एक बड़ी टीम इंटरनेट मीडिया के सभी प्लेटफार्म को देखकर पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बीते 27 अप्रैल से किन-किन राज्यों में किन-किन लोगों ने अब तक शेयर किया है। पुलिस को शक है कि कांग्रेस के आइटी सेल के किसी शख्स ने ही जानबूझ कर व साजिश के तहत भाजपा को बदनाम करने व मतदाताओं को गुमराह के मकसद से फेक वीडियो बनाया है। असम पुलिस ने फेक वीडियो मामले में जिस रीतम सिंह को हिरासत में रखा है, वह कांग्रेस कार्यकर्ता है और पार्टी के वार रूम कोआर्डिनेटर के रूप में काम करता है। इसने भी एक्स पर फेक वीडियो पोस्ट किया था।

**यह है वीडियो में :** लोकसभा चुनावके तीसरे चरण के चुनाव के पहले फेक वीडियो के माध्यम से भाजपा को एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण का विरोधी साबित करने की कोशिश की गई। फेक वीडियो में गृह मंत्री अमित शाह को आरक्षण को असंवैधानिक बताते हुए उसे खत्म करने का ऐलान करते दिखाया गया था। जबकि असल वीडियो में शाह एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण को बनाए रखने की बात कर रहे हैं।

इंटरनेट मीडिया पर अमित शाह का फेक वीडियो प्रसारित होने का मामला सामने आने के बाद गृह मंत्रालय से 28 अप्रैल को आइएफएसओ को फेक वीडियो मामले में शिकायत मिली जिसके बाद पुलिस तुरंत देश भर में कार्रवाई के लिए जुट गई है।

# मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका दूसरी बार भी खारिज

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने 20 अप्रैल को निर्णय सुरक्षित रख लिया था
- सीबीआइ ने तर्क दिया कि सिसोदिया को हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने राहत नहीं दी

आबकारी घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार व मनी लांड्रिंग मामले में एक साल से भी अधिक समय से तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मुश्किलें फिलहाल कम होती नजर नहीं आ रही हैं। मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक बार फिर सिसोदिया की सीबीआइ व ईडी के मामले में नियमित जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। सीबीआइ और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने राहत देने से इन्कार करते हुए कहा कि जमानत देने का यह सही समय नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट से नियमित जमानत खारिज होने के बाद सिसोदिया ने नियमित जमानत की मांग पर निचली अदालत में याचिका दायर की थी। जांच एजेंसियों व सिसोदिया की तरफ से विस्तृत तर्क सुनने के बाद अदालत ने 20 अप्रैल को निर्णय सुरक्षित रख लिया था। सिसोदिया को सीबीआइ ने 26 फरवरी 2023 व ईडी ने नौ मार्च 2023 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से ही वह न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। सीबीआइ के साथ-साथ ईडी ने भी आरोप लगाया था कि दिल्ली आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया

राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेशी के लिए जाते मनीष सिसोदिया। सौजन्य : वीडियोग्रेब

गया, लाइसेंस शुल्क माफ या कम किया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस बढ़ाया गया। जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया कि लाभार्थियों ने अवैध लाभ को आरोपित अधिकारियों तक पहुंचाया और जांच से बचने के लिए अपने खाते की किताबों में गलत प्रविष्टियां कीं। घोटाले से जुड़े ईडी और सीबीआइ दोनों मामले में सिसोदिया ने जमानत याचिका लगाई थी। नियमित जमानत याचिका के अलावा सिसोदिया ने 12 अप्रैल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत याचिका भी में दाखिल की थी।

### कोर्ट ने पूछा, पीएमएलए की धारा 19 की व्याख्या कैसे की जाए

प्रथम पृष्ठ से आगे

कोर्ट ने ईडी से यह भी सवाल किया कि प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 19 की व्याख्या कैसे की जाए, क्योंकि केजरीवाल का कहना है कि धारा 19 में अभियोजन पक्ष पर भारी जिम्मेदारी डाली गई है न कि आरोपित पर। अगर वह जमानत मांगने जाएंगे तो धारा 45 के तहत निर्दोष साबित करने की जिम्मेदारी उन पर आ जाएगी। कोर्ट ने ईडी से पूछा है कि ऐसी स्थिति में धारा 19 की व्याख्या क्या होगी? क्या कोर्ट धारा 19 में अभियोजन पर डाली गई जिम्मेदारी को भी उतना ही ऊंचे मानक का मानकर चलेगा, जितना व्यक्ति को दोषी मानने के लिए होता है। कोर्ट ने चौथा सवाल कार्यवाही शुरू होने और गिरफ्तारी के बीच के अंतराल को लेकर पूछा। कोर्ट ने कहा कि अगर आप कानून को देखें तो 365 दिनों की सीमा है। पांचवां सवाल गिरफ्तारी के समय को लेकर था। कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्रता त महत्वपूर्ण है और आप इससे इन्कार नहीं कर सकते। कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल की ओर से चुनाव के दौरान गिरफ्तारी पर सवाल उठाया गया है, ऐसे में ईडी भी जवाब दे। ईडी की ओर से पेश एएसजी राजू ने कोर्ट से कहा कि वह इन सब पर पक्ष रखेंगे।

### चुनाव में नामांकन भरने के लिए हाई कोर्ट ने ट्रांसजेंडर को दी पुलिस सुरक्षा

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली:** लोकसभा चुनाव में दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार के रूप में नामांकन भरने के लिए एक ट्रांसजेंडर को दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि संविधान के तहत ट्रांसजेंडरों की सुरक्षा और उन्हें लागू करना सरकार का दायित्व है। लैंगिक पहचान के आधार पर कोई भी भेदभाव कानून के समक्ष समानता के अधिकार को प्रभावित करता है और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है।

अदालत ने यह टिप्पणी करते हुए याचिकाकर्ता राजन सिंह की याचिका का निपटारा कर दिया। राजन ने याचिका दायर कर कहा कि वह राष्ट्रीय बहुजन कांग्रेस पार्टी के समर्थन से नामांकन भरना चाहते हैं, लेकिन 12 अप्रैल को उनके कार्यालय में उनपर जानलेवा हमला हुआ है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए 14 अप्रैल को निर्वाचन आयोग से सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

# बांसुरी स्वराज व सही राम ने भी किया नामांकन

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

### दिल्ली में दूसरे दिन 13 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों लिए नामांकन प्रकिया के दूसरे दिन मंगलवार को भी भाजपा, आम आदमी पार्टी सहित विभिन्न दलों को मिलाकर 13 प्रत्याशियों ने पर्चा भरा। जिसमें तीन महिला व दस पुरुष प्रत्याशी शामिल हैं। भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने नई दिल्ली लोकसभा सीट और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रत्याशी सही राम पहलवान ने दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से नामांकन किया। दिल्ली में दो दिनों में अब तक 26 प्रत्याशी नामांकन कर चुके हैं। जिसमें भाजपा के दो प्रत्याशी और आइएनडीआइए के सहयोगी दल आप के एक प्रत्याशी शामिल हैं। कांग्रेस के अब तक किसी उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया है।

29 अप्रैल को नामांकन शुरू होने के पहले दिन दिल्ली में 13 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। तब दो उम्मीदवारों ने दो सेट पर्चे भरे थे। दूसरे दिन भी सातों सीटों से कुल 15 पर्चे भरे गए। नई दिल्ली से भाजपा के कवरिंग कैंडिटेड के रूप में राधेश्याम शर्मा ने दो सेट पर्चा भरा

नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज नामांकन भरने के लिए नई दिल्ली जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में जाते हुए, साथ में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व प्रदेश चुनाव प्रभारी ओमप्रकाश धनखड़। ध्रुव कुमार

दक्षिणी दिल्ली सीट से नामांकन के दौरान आइएनडीआइए प्रत्याशी सहीराम पहलवान के रोड शो के दौरान साथ में दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी। विपिन शर्मा

है। इसके अलावा चांदनी चौक से एक पंजीकृत (गैर मान्यता प्राप्त) दल के एक प्रत्याशी ने दो सेट पर्चा भरा है। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार चांदनी चौक सीट से अब तक सबसे अधिक छह उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। इसके अलावा उत्तर पूर्वी दिल्ली से पांच उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। दक्षिणी दिल्ली से अभी तक सबसे एक उम्मीदवार ने पर्चा भरा है। दिल्ली में अब तक नामांकन भरने वाले कुल प्रत्याशियों में 20 पुरुष व छह महिलाएं शामिल हैं। आपको बता दें कि पहले दिन सोमवार को उत्तर पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी योगेंद्र चांदोलिया सहित 13 प्रत्याशियों ने पर्चा भरा। जिसमें तीन महिला उम्मीदवार व 13 पुरुष उम्मीदवार शामिल थे।

### भाजपा का रचा हुआ है दिल्ली आबकारी नीति घोटाला : केसीआर

**खम्मम (तेलंगाना), एएनआइ :** दिल्ली के शराब घोटाले में अपनी बेटी के.कविता पर लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने उन्हें निर्दोष बताया है। राव ने कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार के लगाए आरोपों का कारण आम आदमी पार्टी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के मुकाबले भाजपा को सशक्त बनाना है।

बीआरएस प्रमुख राव ने कहा कि उनकी बेटी के.कविता निर्दोष है। इतने बड़े नेताओं को लंबे समय तक जेल में नहीं रखना चाहिए। भाजपा ने देश के हरेक मुख्यमंत्री को परेशान करके रखा है। लेकिन वह किसी भी तरह से अरविंद केजरीवाल और के.चंद्रशेखर राव को छू नहीं पा रहे थे। यह दोनों ही नेता मजबूती से सरकारें चला रहे थे। इसलिए उन्होंने दिल्ली के उप राज्यपाल के जरिये एक साजिश रची। दिल्ली की आबकारी नीति को एक घोटाले का नाम दे दिया गया। झूठा केस बनाकर केजरीवाल व कविता को बिना जरूरत गिरफ्तार कर लिया।

### एम्स में बीएससी नर्सिंग की छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** दिल्ली एम्स से बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा ने मंगलवार सुबह बालिका हास्टल में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है कि वह नर्सिंग की पढ़ाई व बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा की तैयारी नहीं कर सकती है। इस वजह से जीवन लीला समाप्त कर रही है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि छात्रा ने सुसाइड नोट में एम्स प्रशासन पर पढ़ाई का दबाव डालने का आरोप लगाया है। नोट में लिखा है कि एम्स प्रशासन उसे सिर्फ एक ही परीक्षा में ध्यान देने का दबाव बना रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि सुबह साढ़े 11 बजे सूचना मिली कि एम्स के बालिका हास्टल में एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। जहां छात्रा का शव चुन्नी के फंदे के सहारे पंखे से लटका था। छात्रा की पहचान बिहार के समस्तीपुर जिले के स्मोल गांव निवासी कुमारी लक्ष्मी के रूप में हुई है।

# दूसरे राज्यों की तरह दिल्ली में भी प्रचार करेंगे मान

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- केजरीवाल ने भगवंत मान से दिल्ली के प्रचारकों को पंजाब ले जाने को भी कहा
- 15 दिन में दूसरी बार उनसे मिलने तिहाड़ पहुंचे थे पंजाब के मुख्यमंत्री

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान 15 दिन में दूसरी बार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने के लिए मंगलवार को तिहाड़ जेल पहुंचे। केजरीवाल से मान ने इससे पहले 15 अप्रैल को मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने दूसरे राज्यों की तरह दिल्ली में भी पार्टी के लिए प्रचार करने व दिल्ली के प्रचारकों को पंजाब ले जाने के लिए कहा। 30 मिनट की मुलाकात के बाद जेल से बाहर आकर भगवंत मान ने यह जानकारी दी।

भगवंत मान ने कहा कि तिहाड़ जेल में केजरीवाल से सबसे पहले परिवार की बातें हुईं। एक माह की हुई उनकी बेटी नियामत के बारे में केजरीवाल ने पूछा। उसके बाद पंजाब के लोगों और फसलों के बारे में पूछा। उन्होंने पूछा कि पंजाब में गेहूं की पैदावार कैसी हुई? इस पर उन्होंने उनसे कहा कि सभी को समय पर पैसे मिल रहे हैं। मान ने कहा कि केजरीवाल को बताया कि पहली बार

भगवंत मान। फाइल

पंजाब के सरकारी स्कूलों के 158 बच्चों ने जेईई मेन परीक्षा पास की है। इस पर केजरीवाल खुश हुए और कहा कि यही शिक्षा क्रांति उनके सपनों में थी। उन्होंने बच्चों के स्वजन व अध्यापक को बधाई देने को कहा। केजरीवाल ने दिल्ली व देश के बारे में भी पूछा तो उन्होंने बताया कि वे गुजरात और असम जाकर आएं हैं। लोग कह रहे हैं कि यह गलत हुआ, केजरीवाल को अंदर डालना गलत है।

### राघव चड्ढा की आंख की सर्जरी हुई, ठीक होकर प्रचार करेंगे : आप

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली :** मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के एक माह बीत जाने के बाद भी आप से राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के लंदन से वापस नहीं लौटने पर लोग सवाल उठा रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर इसे लेकर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। इस समय देश में लोकसभा चुनाव चल रहा है और आम आदमी पार्टी में स्टार प्रचारकों की कमी है। चुनाव के दौरान आप कार्यकर्ता राघव चड्ढा की कमी महसूस कर रहे हैं।

इस बारे में पूछे जाने पर आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को कहा कि आप से राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की ब्रिटेन में आंख की एक बड़ी सर्जरी हुई है। बेहतर महसूस होने पर वह पार्टी के लोकसभा चुनाव प्रचार में शामिल होंगे। आप ने कहा कि सांसद राघव चड्ढा को आंखों की गंभीर बीमारी हो गई है, जिससे अंधापन भी हो सकता था। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी कहा कि चड्ढा चुनाव में पार्टी के लिए प्रचार करेंगे।

# 30 नहीं सुरंग सड़क में रखी जाए 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

**वी के शुक्ला, जागरण**

- विशेषज्ञों ने कहा, ओवरटेकिंग व ओवर स्पीडिंग पर लगाई जाए रोक, भारी जुर्माने का हो प्रविधान

**नई दिल्ली :** सुरंग सड़क में वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए भले ही यातायात पुलिस निर्धारित 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के नियम का सख्ती से पालन कराने जा रही हो, मगर यातायात प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञ इससे सहमत नहीं हैं। उनका मानें तो सुरंग में रफ्तार वह होनी चाहिए जो व्यावहारिक हो। इस लिहाज से रफ्तार 40 किमी प्रति घंटा होनी चाहिए। उनके अनुसार सुरंग में यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की जरूरत है। इसके लिए यह बहुत जरूरी है कि सुरंग को जीरो टालरेंस जोन घोषित किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माने का प्रविधान किया जाए।

बता दें कि प्रगति मैदान सुरंग सड़क के जून 2022 में हुए उद्घाटन के बाद से कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं जिसमें अलग अलग मामलों में दो दोपहिया चालकों की मौत हो चुकी है। इससे खासकर दो पहिया चालकों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। यहां चिंताजनक यह

प्रगति मैदान सुरंग सड़क में चलता मरम्मत का कार्य। जागरण आर्काइव

भी है कि अक्सर सुरंग में मुख्य भाग पर काम चलता रहता है मगर उसके बारे में वहां पहुंचने से पहले जानकारी नहीं दी जाती है। काम होने वाले स्थान पर बोलार्ड आदि लगा दिए जाते हैं। जब चालक वहां पहुंचता है तब उसे जानकारी मिल पाती है। यह स्थिति वाहन चालक के लिए खतरनाक है। इसके अलावा सुरंग में यातायात मिलने वाले स्थानों पर भी वाहनों के टकराने का खतरा रहता है।

### देवेंद्र यादव बने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली:** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र यादव को पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आप से गठबंधन, उदित राज एवं कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी और प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया की दखलंदाजी के विरोध में अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे के बाद देवेंद्र यादव का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों में सबसे आगे चल रहा था।

देवेंद्र यादव। फाइल

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा मंगलवार को जारी आदेश के मुताबिक देवेंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से प्रदेश कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह पंजाब के पार्टी प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभालते रहेंगे। देवेंद्र यादव दो बार दिल्ली की बादली विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। उन्होंने 2008 व 2013 के चुनाव में जीत दर्ज की थी।

## चिंताजनक

डीडीए व वक्फ बोर्ड में स्वामित्व के विवाद के बीच कोई संपत्तियों को बेचने की दे रहा है सुविधा, दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक की नियुक्ति के विरुद्ध दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने की टिप्पणी

### वक्फ संपत्तियों पर अवैध निर्माण की निगरानी की जरूरत

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

वक्फ संपत्तियों पर हो रहे अनधिकृत निर्माण पर चिंता व्यक्त करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि वक्फ संपत्तियों पर बड़ी संख्या में अनधिकृत निर्माण हो रहा है और कोई इनकी देखभाल नहीं कर रहा है। इनकी निगरानी की आवश्यकता है। 123 वक्फ संपत्तियों के विवाद से संबंधित मुद्दे पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि इन संपत्तियों में से कुछ दिल्ली में बहुत ही महंगी संपत्तियां होने के साथ ही इसके केंद्र में हैं। 123 वक्फ संपत्तियों पर दिल्ली वक्फ बोर्ड अपना दावा करता है, जबकि केंद्र ने उन्हें सूची से बाहर कर दिया है।

अदालत ने यह मौखिक टिप्पणियां दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (गृह) अश्विनी कुमार को दिल्ली वक्फ बोर्ड का प्रशासक नियुक्त करने के विरुद्ध सेक्युलर फ्रंट आफ लायर्स द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याचिका पर सुनवाई करते हुए

अदालत ने अपने द्वारा निपटाए गए मामलों में से एक का उल्लेख किया। अदालत ने कहा कि निजामुद्दीन पूर्व में संपत्ति को वक्फ संपत्ति बताया गया था, लेकिन इसे कई बार न सिर्फ बेचा गया था, बल्कि बिना किसी अनुमति के उस पर एक होटल का निर्माण किया गया। अदालत ने कहा कि जब इस संबंध में अधिकारियों से पूछा गया कि वे क्या कर रहे थे और यह कैसे हुआ? इसके जवाब में अदालत को बताया गया कि वक्फ बोर्ड और डीडीए के बीच विवाद चल रहा है कि संपत्ति किसकी है।

अदालत ने कहा कि इस विवाद में कोई भी संपत्तियों की देखभाल नहीं कर रहा है और उन पर वस्तुतः अतिक्रमण किया गया है। अदालत ने कहा कि इन दोनों विभागों में से कोई व्यक्ति कई खरीद की सुविधा दे रहा है और अनधिकृत निर्माण चल रहा है। हमें नहीं पता कि इसमें वक्फ शामिल है या नहीं।

याचिका में अश्विनी कुमार पर वक्फ संपत्तियों के हित के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत को सूचित किया गया कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक की नियुक्ति को चुनौती देते हुए समान अनुरोध के साथ एक याचिका एकल पीठ के समक्ष लंबित है। एकल पीठ ने याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया है। इन तथ्यों को देखते हुए मुख्य पीठ ने अधिकारियों के वकील को इस पर निर्देश लेने को कहा और मामले की सुनवाई आठ मई तक के लिए स्थगित कर दी।

याचिका में कहा गया है कि अश्विनी कुमार उस धार्मिक समिति के अध्यक्ष भी हैं जिसने कई वक्फ संपत्तियों को हटाने और ध्वस्त करने की सिफारिश की है। याचिका में आरोप लगाया गया गया है कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक पूरी तरह से वक्फ संपत्तियों के खिलाफ काम कर रहे हैं।

********

### पीएफआइ के पूर्व अध्यक्ष की याचिका पर निर्णय सुरक्षित

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली:** आतंकवाद विरोधी कानून गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) द्वारा की जा रही जांच मामले में रिहाई की मांग को लेकर पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) के पूर्व अध्यक्ष ई अबूबकर की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने निर्णय सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने एजेंसी व अबूबकर की तरफ से पेश की गई दलीलों को सुनने के बाद कहा कि अदालत निर्णय पारित करेगी।

अबूबकर को वर्ष 2022 में प्रतिबंधित पीएफआइ पर कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया था और वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। अबूबकर ने चिकित्सा आधार पर जमानत मांगी थी। अबूबकर ने तर्क दिया कि यूएपीए के तहत उसके खिलाफ कोई सामग्री नहीं है।

## कह कर रहेंगे — माधव जोशी

**69,94,429** रुपये खर्च किए थे 2019 के लोस चुनाव में कांग्रेस नेता शशि थरूर ने। चुनाव में सबसे अधिक पैसा खर्च करने वालों की सूची में वह पहले स्थान थे। थरूर तिरुअनंतपुरम से जीत गए थे।

# भाजपा प्रदर्शन दोहराने, कांग्रेस साख बचाने के दबाव में

रोहित नागपाल ● जागरण

**शिमला:** हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव में भाजपा पर अपने प्रदर्शन को दोहराने का दबाव है तो कांग्रेस के सामने साख बचाने की चुनौती है। प्रदेश में पिछले दो लोकसभा चुनाव में भाजपा ने चारों सीटें जीती हैं, जबकि कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनाव में विजय पाई है। हालांकि, पिछले दिनों हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ा झटका झेला है। पार्टी के छह विधायक भाजपा साथ चले गए। विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने इन सभी को टिकट दिए हैं। अब कांग्रेस ने इसकी भरपाई के लिए भाजपा से आए नेताओं को चुनाव में उतारने का निर्णय लिया है। सुजानपुर व गगरेट से इसकी शुरुआत भी कर दी है।

चुनावी परिदृश्य

2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की तीन सीटें कांगड़ा, हमीरपुर व शिमला जीती थीं। पार्टी हमीरपुर सीट पर तो 1998 से लगातार जीत रही है। शिमला संसदीय सीट कभी कांग्रेस का गढ़ मानी जाती थी, लेकिन भाजपा यहां पिछले तीन चुनाव से लगातार जीत रही है। 2021 में मंडी लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस की प्रतिभा सिंह जीती थीं। करीब डेढ़ वर्ष पहले 2022 में कांग्रेस ने विधानसभा की 68 में से 40 सीटें जीती थीं, लेकिन राज्यसभा चुनाव के दौरान छह विधायकों के विद्रोही हो जाने से उसके 34 विधायक ही रह गए हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव से यह भी पता चलेगा कि जनता कांग्रेस सरकार के डेढ़ वर्ष के कामकाज से कितनी संतुष्ट है।

**ऐसे बदले राज्य में राजनीतिक समीकरण:** 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। 68 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 40 व भाजपा को 25 सीटें मिली थीं। तीन विधायक निर्दलीय हैं। कांग्रेस के छह और तीन निर्दलीय विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी हर्ष महाजन को मत दिया था। इस कारण कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी चुनाव हार गए थे। बाद में पार्टी व्हिप के उल्लंघन पर विधानसभा अध्यक्ष ने इन छह विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया था। कांग्रेस विधायक रहे यही नेता विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर मैदान में हैं।

### हिमाचल में किस दल को कितने प्रतिशत मत मिले थे पिछले लोस चुनाव में

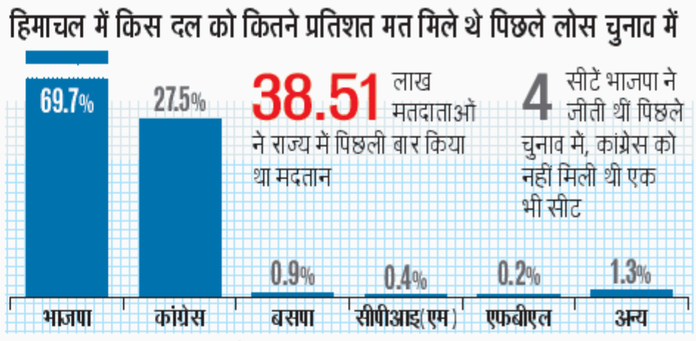


**38.51** लाख मतदाताओं ने राज्य में पिछली बार किया था मदतान

**4** सीटें भाजपा ने जीती थीं पिछले चुनाव में, कांग्रेस को नहीं मिली थी एक भी सीट

**40** सीटें जीती थीं कांग्रेस ने कुल 68 सीटों में से 2022 के विधानसभा चुनाव में

**6** विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया गया राज्यसभा चुनाव के बाद, क्योंकि कांग्रेस के इन विधायकों ने व्हिप का उल्लंघन कर भाजपा प्रत्याशी को दिया था वोट

### भाजपा ने सभी प्रत्याशी घोषित किए, कांग्रेस में असमंजस की स्थिति

वर्तमान में हालत यह है कि प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने चारों प्रत्याशियों को चुनावी समर में उतार दिया है। पार्टी ने छह सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए भी प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। भाजपा के सभी प्रत्याशी प्रचार भी कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के मंडी और शिमला लोकसभा सीट के ही प्रत्याशी ही मैदान में हैं। विधानसभा उपचुनाव की तीन सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी शनिवार से प्रचार में उतर गए हैं। तीन अन्य सीटों पर दावेदार जनता के बीच जा रहे हैं, पर प्रत्याशी घोषित न होने के कारण असमंजस की स्थिति है। जल्द प्रत्याशी तय नहीं होने से कांग्रेस प्रचार में पिछड़ सकती है। लोकसभा चुनाव में भी कांगड़ा और हमीरपुर के लिए प्रत्याशी तय करने में कांग्रेस ने काफी समय ले लिया। काफी मशक्कत के बाद मंगलवार शाम को उसने प्रत्याशी घोषित किए।

## लोकसभा के साथ ही विधानसभा के उप चुनाव के लिए किस दल ने किसे-कहां से बनाया प्रत्याशी

**लोस चुनाव:** भाजपा ने मंडी संसदीय क्षेत्र से कंगना रनौत, हमीरपुर से अनुराग ठाकुर, शिमला से सुरेश कश्यप व कांगड़ा से राजीव भारद्वाज को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने मंडी से विक्रमादित्य सिंह और शिमला से विनोद सुल्तानपुरी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने मंगलवार देर शाम हमीरपुर व कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित कर दिए। कांगड़ा से दिग्गज पार्टी नेता आनंद शर्मा को प्रत्याशी बनाया है, जबकि हमीरपुर से ऊना के पूर्व विधायक सतपाल रायजादा को टिकट दिया है।

अनुराग ठाकुर

कंगना रनौत

राजीव भारद्वाज

सतपाल रायजादा

विक्रमादित्य सिंह

आनंद शर्मा

**विस उपचुनाव:** विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा ने कांग्रेस से अयोग्य घोषित किए विधायकों सुधीर शर्मा को धर्मशाला, चैतन्य शर्मा को गगरेट, देवेंद्र भुट्टो को कुटलैहड़, रवि ठाकुर को लाहुल स्पीति, राजेंद्र राणा को सुजानपुर और इंद्रदत्त लखनपाल को बड़सर से प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने गगरेट से पूर्व विधायक राकेश कालिया, कुटलैहड़ से विवेक शर्मा को मैदान में उतारा है। सुजानपुर उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने विस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे रणजीत सिंह राणा को अपना प्रत्याशी बनाया है।

चैतन्य शर्मा

राजेंद्र राणा

सुधीर शर्मा

राकेश कालिया

विवेक शर्मा

रणजीत सिंह राणा

### भाजपा मोदी सरकार के कार्य को लेकर लोगों के बीच जा रही, कांग्रेस उठा रही विधायकों की खरीद-फरोख्त का मुद्दा

हिमाचल में भाजपा केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के 10 साल के कार्य को लेकर लोगों के बीच जा रही है। भाजपा राज्य की कांग्रेस सरकार की डेढ़ साल की नाकामियों को भी मुद्दा बना रही है। कांग्रेस इस चुनाव में हिमाचल में बिकाऊ नहीं टिकाऊ का नारा देकर लोगों के बीच वोट मांग रही है। मुख्यमंत्री और पार्टी के अन्य नेता राज्यसभा चुनाव में छह विधायकों की खरीद-फरोख्त का मामला बार-बार उठा रहे हैं। पार्टी का तर्क है कि इस बार टिकाऊ प्रत्याशियों को चुनाव में जिताने की मांग को लेकर वह लोगों के बीच में जा रही है।

# विकास के बीच जातीय समीकरण का दांव

## 12 वर्ष बाद फिर कन्नौज सीट पर चुनावी मैदान में उतरे हैं सपा मुखिया अखिलेश यादव

राजीव द्विवेदी ● जागरण

**कन्नौज:** यूं तो इत्रनगरी कन्नौज सम्राट हर्षवर्धन और महाराजा जयचंद के काल से ही राजनीति का केंद्र रही है, लेकिन समाजवादी चिंतक डा. राम मनोहर लोहिया ने 1967 में सीट गठन के बाद जब यहां से पहला चुनाव लड़ा और जीता तो यह फिर चर्चा के केंद्र में आ गई। खुद को लोहिया का अनुयायी कहने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव, उनके पुत्र अखिलेश यादव और बहू डिंपल ने भी यहां से प्रतिनिधित्व किया। 2014 की नरेन्द्र मोदी की लहर में भी सपा के पास रही यह सीट 2019 में राष्ट्रवाद के ज्वार में भाजपा के हाथ आ गई। अखिलेश 12 वर्ष बाद फिर इस सीट पर चुनावी मैदान में उतरे हैं। इससे भाजपा को चुनौती मिलना तय है। भाजपा को विकास, राष्ट्रवाद और रामकाज के सहारे फिर विजयश्री का भरोसा है। सपा ने पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा दिया है। हालांकि, यहां उसकी जीत का आधार हमेशा से एमवाइ (मुस्लिम व यादव) ही रहा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोची-समझी लंबी रणनीति के तहत कन्नौज लोकसभा सीट से दावेदारी ठोक दी है। सपा ने मोदी बनाम अखिलेश और बेरोजगारी को मुद्दा बनाने की कोशिश है। लोग भारत के विदेश में बढ़े मान और प्रदेश की कानून एवं व्यवस्था के लिए सरकार को जमकर सराहते हैं। वहीं, कन्नौज वालों के प्रति अखिलेश के सहज व्यवहार और लगाव के भी लोग कायल हैं। हालांकि, इस सीट का इतिहास रहा है कि आखिर में मतदान जातीय समीकरणों पर आकर टिक जाता है। मकरंदनगर रोड पर प्रोविजनल स्टोर और पान की दुकान चलाने वाले मनीष चौरसिया बेरोजगारी के मुद्दे को नकारते हैं। वह कहते हैं कि अगर रोजगार नहीं है तो आखिर युवाओं के हाथों में एक-एक लाख की बाइक कहां से आ जाती है? निजी कंपनी में नौकरी करने वाले शिवम का मानना है कि विपक्ष जरूर बेरोजगारी को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसका कोई असर नहीं होने वाला। उनके मुताबिक, बेरोजगार वही है, जो सिर्फ सरकारी नौकरी ही करना चाहता है। ठठिया में मिले शिवेंद्र अग्निहोत्री भी जिले में सपा और देशभर में भाजपा के विकास की प्रशंसा करते हैं।

कन्नौज में करीब 17 लाख से अधिक हिंदू और ढाई लाख से अधिक मुस्लिम मतदाता हैं। हिंदुओं में ढाई लाख यादव, दो लाख क्षत्रिय, दो लाख लोधी, पौने दो लाख ब्राह्मण, पाल और शाक्य ढाई लाख, अनुसूचित जाति के करीब तीन लाख मतदाता हैं। 1998 से 2014 तक ज्यादातर यादव और मुस्लिम के साथ लोध, शाक्य और पाल सपा को वोट करते आए। 2014 की मोदी लहर में एमवाइ और लोध, शाक्य व पाल गठजोड़ कमजोर पड़ गया। डिंपल यादव तो विजयी रहीं पर जीत का अंतर काफी कम रहा। 2019 लोस चुनाव में यादव और मुस्लिम को छोड़कर बाकी जातियों में अपनी पैठ गहरी करके भाजपा के सुब्रत पाठक ने सपा से यह सीट छीन ली। वह इस बार भी चुनाव मैदान में हैं। कन्नौज के सियासी समीकरण में माना जाता है कि बहुसंख्यकों के साथ छोटी जातियों को जिसने जोड़ लिया, चुनाव में वही जीतता है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव से ही यादव और मुस्लिमों के अलावा अन्य जातियों में गहरी पैठ बनाई है। यादवों के प्रभावशाली स्थानीय नेताओं को भी भाजपा ने जोड़ा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में पूरी लोकसभा क्षेत्र की पांच में से चार विधानसभा क्षेत्रों में जीत मिलने के कारण भाजपा को सभी जातियों का समर्थन मिलने का भरोसा है। लोकसभा चुनाव से पहले इस बार भी भाजपा ने सपा के कई बड़े नेताओं को पार्टी में शामिल करके सपा पर मानसिक दबाव बनाने की कोशिश की है। हालांकि, समाजवादी पार्टी खामोशी से अपनी रणनीति बना रही है। पिछले दिनों तिर्वा के मूर्ति प्रकरण में लोधियों की नाराजगी भुनाने के लिए सपा ने अपने लोधी नेताओं को सक्रिय किया है। वहीं, भाजपा सांसद सुब्रत पाठक के विरोध में आए ब्राह्मणों को अपने खेमे में ले आए। सपा को अखिलेश सरकार में कराए गए विकास के साथ अपने 'पीडीए' समीकरण पर भरोसा है। बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी इमरान बिन जफर को उतारकर मुकाबला रोचक बनाने का प्रयास जरूर किया है, लेकिन उनकी सक्रियता न बढ़ने से लड़ाई अभी भाजपा और सपा के बीच सिकुड़ती दिख रही है।

2012 में अखिलेश ने छोड़ दी थी सीट: राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर अखिलेश ने 2012 में कन्नौज लोस सीट से त्याग-पत्र दे दिया था। उपचुनाव में उनकी पत्नी डिंपल यादव निर्विरोध सांसद बनी थीं।

### इस सीट पर किस दल को कितने प्रतिशत मत मिले थे पिछले चुनाव में

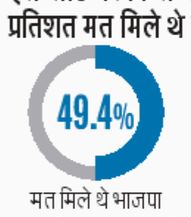

मत मिले थे भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक को

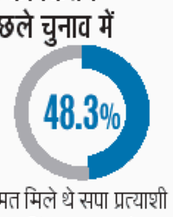

मत मिले थे सपा प्रत्याशी डिंपल यादव को

**12,353** वोटों से पिछला चुनाव हार गईं थीं डिंपल यादव

**1998** से 2014 तक ज्यादातर यादव और मुस्लिम के साथ लोध, शाक्य व पाल मतदाता रहे हैं सपा समर्थक

**2014** की मोदी लहर में एमवाइ और लोध, शाक्य व पाल गठजोड़ कमजोर पड़ गया, मगर डिंपल चुनाव जीत गईं थीं

**2019** में राष्ट्रवाद के ज्वार में भाजपा के हाथ आ गई थी यह सीट, इस बार अखिलेश के आने से मुकाबला कड़ा हो गया है

### चुनाव के दौरान अब भी हैं ये मुद्दे

कन्नौज में इस बार भी आलू और इत्र दो प्रमुख मुद्दे हैं। आलू की सरकारी खरीद होने के बाद भी उचित कीमत नहीं मिलने से किसान असंतुष्ट हैं ही। आलू आधारित उद्योग न होना भी उनके घाव हरे कर देता है। स्थानीय स्तर पर फसल की खपत न होने के कारण किसान को भंडारण और भाड़े पर भी खर्च करना पड़ता है, जिससे उसकी लागत बढ़ जाती और लाभ न के बराबर रह जाता है। कई बार तो आलू फेंकने की स्थिति बन जाती है। सरकार ने किसानों को इससे उबारने के लिए सरकारी खरीद शुरू जरूर की, लेकिन उसके लिए रखी शर्तों के कारण कोई लाभ नहीं हुआ। इत्र उद्योग को पंख देने के लिए कहने को इत्र पार्क जरूर बन गया, पर वहां रिसर्च सेंटर और व्यावसायिक केंद्र न बनने से इत्र कारोबारी वहां अभी तक नहीं पहुंच रहे।

# एक 'बड़े फैसले' पर टिका मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल का राजनीतिक भविष्य

शिवानंद राय ● जागरण

- इलाहाबाद हाई कोर्ट में कल सुनाया जाएगा फैसला, जिस पर लगी है मतदाताओं की भी नजर
- कृष्णानंद राय हत्याकांड के गैंगस्टर मामले में चार साल की सजा पर चल रही है सुनवाई

**गाजीपुर:** उत्तर प्रदेश में गाजीपुर के सियासी रण का फैसला तो चार जून को आएगा, पर इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट से मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी के राजनीतिक भाग्य के फैसले की तारीख दो मई लगी है। दरअसल, भाजपा के मुहम्मदाबाद से तत्कालीन विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड के गैंगस्टर मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट से अफजाल को सुनाई गई चार साल की सजा पर फैसला होना है। अगर फैसला पक्ष में आता है तो उनका सियासी सफर जारी रहेगा।

वर्ष 2002 के चुनाव में अफजाल को हराने वाले तत्कालीन भाजपा विधायक कृष्णानंद राय सहित सात लोगों की 29 नवंबर, 2005 को बसनियां में गोलियां बरसा कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में संजीव जीवा, मुन्ना बजरंगी सहित साजिश में अंसारी बंधुओं पर भी केस दर्ज कराया गया था। हत्याकांड में अंसारी बंधु बरी हो गए थे, लेकिन इसी केस को आधार बनाते हुए पुलिस ने वर्ष 2007 में अफजाल व मुख्तार पर गैंगस्टर का मुकदमा भी दर्ज किया था। इसी मामले में 29 अप्रैल 2023 को एमपी-एमएलए कोर्ट ने अफजाल को चार व मुख्तार को 10 वर्ष की सजा सुनाई थी। इस फैसले के बाद अफजाल जेल चले गए और संसद सदस्यता खत्म हो गई थी। हाई कोर्ट के आदेश पर जमानत पर छूटे अफजाल ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई और अपना पक्ष रखा कि जब विधायक हत्याकांड में वह बरी हो चुके हैं, तो इसको आधार बनाकर गैंगस्टर के तहत लोअर कोर्ट का फैसला अस्वीकार्य है। सुप्रीम कोर्ट ने 14 दिसंबर 2023 को अफजाल की सजा को सशर्त निलंबित कर दिया। सदस्यता बहाल कर दी। हाई कोर्ट को 30 जून तक निर्णय करने का समय दिया है। वहीं, कृष्णानंद राय के बेटे पीयूष राय ने उनकी सजा चार से बढ़ाकर 10 वर्ष करने की अर्जी हाई कोर्ट में दी है। दोनों की सुनवाई साथ हो रही है।

### उम्मीदवारी गई तो कौन लड़ेगा

फैसला अफजाल के पक्ष में आता है तब तो वह चुनाव मैदान में डटे रहेंगे। ऐसा नहीं हुआ तो उनकी बेटी नुसरत, स्व. मुख्तार अंसारी के छोटे पुत्र उमर अथवा परिवार के किसी अन्य सदस्य पर दांव लगाने की चर्चा है। नुसरत पिता के प्रचार के लिए मैदान में उतर गई हैं।

**6** देश की न्याय प्रणाली पर मुझे गर्व है, साथ ही विश्वास भी कि मेरे साथ न्याय होगा। मुझे टिकट देने का फैसला सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का है। विपक्ष उनसे घबराया हुआ है। इसलिए टिकट बदलने की अफवाह उड़ाई जा रही है।

**अफजाल अंसारी**, सांसद

## 'चुनावी तपन' और बचने के जतन

मुंबई में उत्तर-मध्य मुंबई निर्वाचन क्षेत्र की उम्मीदवार वर्षा गायकवाड़ के समर्थन में मंगलवार को आइएनडीआइए के घटक दलों ने रैली निकाली। इस दौरान धूप से बचने के लिए कांग्रेस समर्थक एक व्यक्ति कुछ इस तरह छाता लगाए नजर आया ● एएफपी

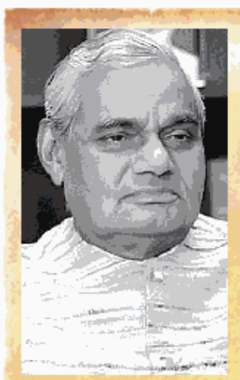

## ... और पीएम के लिए तय हुआ अटल का नाम

अतीत के आईने से

भाजपा ने 1996 का लोस चुनाव अटल बिहारी वाजपेयी के चेहरे पर लड़ा था। नतीजे आने के बाद वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा ने सरकार भी बनाई थी। हालांकि, यह सरकार सिर्फ 13 दिन चली थी। आइये जानते हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश करने का फैसला कब और कहां लिया गया था, जबकि उस समय भाजपा में लालकृष्ण आडवाणी अहम थे।

वर्ष 1995 में मुंबई के दादर मैदान पर भाजपा का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित हुआ था। 12 नवंबर को अधिवेशन के दूसरे दिन ये एलान हुआ कि अब मुरली मनोहर जोशी की जगह लालकृष्ण आडवाणी भाजपा के अध्यक्ष होंगे। उस समय राजनीतिक गलियारों में आडवाणी की लोकप्रियता चरम पर थी। राम जन्म भूमि आंदोलन ने उन्हें एक अलग पहचान दी थी। जब आडवाणी संबोधन के लिए आए तो उन्होंने कहा 1996 के चुनाव में भाजपा का चेहरा अटल बिहारी वाजपेयी होंगे। यानी अगर भाजपा की सरकार बनती है तो प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी होंगे। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने इससे इन्कार कर दिया और कहा कि वह नहीं, आडवाणी प्रधानमंत्री बनेंगे। इस पर लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि उन्होंने अध्यक्ष के तौर पर इस बात का एलान कर दिया है, अब इसमें बदलाव नहीं हो सकता। लेखक उल्लेख एनपी की किताब 'द अनटोल्ड वाजपेयी' में इस घटनाक्रम का विस्तार से जिक्र किया गया है कि आडवाणी मुंबई के जिस होटल में ठहरे थे, उसी शाम उस समय भाजपा के महासचिव रहे गोविंदाचार्य उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने कमरे में पहुंचते ही पहला सवाल किया कि आप इस तरह का एलान कैसे कर सकते हैं। इस पर आडवाणी ने कहा कि मैंने वही किया, जो मुझे ठीक लगा।

# उत्तरी कर्नाटक तय करेगा दिग्गजों का भविष्य

**दक्षिण का दंगल**

भाजपा से पूर्व सीएम बोम्मई, जगदीश शेट्टार, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पूर्व सीएम येदियुरप्पा के बेटे मैदान में। कांग्रेस से खरगे के दामाद सहित प्रदेश के पांच मंत्रियों के बेटे-बेटियां या अन्य लड़ रहे हैं चुनाव

अरविंद पांडेय ● जागरण

**हुबली:** लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत कर्नाटक की 14 सीटों के लिए होने वाला मतदान भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए न सिर्फ प्रतिष्ठा का सवाल है बल्कि उत्तर कर्नाटक के दिग्गजों के भविष्य का सवाल भी है। इनमें कई तो खुद मैदान में हैं, जबकि कुछ ने अपने बेटे—बेटी, बहू, बहन और दामाद को मैदान में उतार रखा है। अकेले कांग्रेस के ही पांच मंत्री और विधायकों के बेटे—बेटी और बहू चुनावी मैदान में है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुलबर्ग की अपनी पारंपरिक सीट से अपने दामाद को मैदान में उतारा है। भाजपा ने भी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे राघवेन्द्र को शिमोगा सीट से टिकट दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई, जगदीश शेट्टार और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी खुद मैदान में हैं। इनमें से कई पूरी ताकत से जुड़े हुए हैं। हावेरी सीट से चुनाव लड़ रहे पूर्व सीएम बासवराज बोम्मई तो रोड शो के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में रोड-शो वाली वैन में बैठ जाते हैं, पर भाषण के लिए खड़े होते हैं तो लोगों में पूरा जोश भरते हैं। वह लोगों में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कामों को गिनाते हैं। घर-घर नल पहुंचाने को भाजपा का भागीरथ प्रयास बताते हैं। मोदी के नेतृत्व में देश के बढ़े गौरव, राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हैं। बोम्मई को हावेरी के मौजूदा भाजपा सांसद शिवकुमार उदासी का टिकट काटकर मैदान में उतारा गया है, उनके मुकाबले में वहां से कांग्रेस के आनंदस्वामी को मैदान में हैं, जो स्थानीय मठ के प्रमुख हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे भी अपने दामाद को जिताने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। कहीं भी रहें, लेकिन वह गुलबर्ग का हर दिन का अपडेट लेना नहीं भूलते हैं। दूसरे के सहारे से भले ही मंच पर चढ़ते हैं, लेकिन मंच संभालने के बाद भाजपा के खिलाफ आक्रामक होना नहीं भूलते हैं। पिछली बार वह गुलबर्ग की अपनी पारंपरिक सीट से भाजपा के उमेश जाधव से हार गए थे। बंजारा समाज से जुड़े उमेश जाधव का मुकाबला इस बार खरगे के दामाद राधाकृष्णन से हैं। राधाकृष्णन को जिताने के लिए खरगे के बेटे व राज्य के मंत्री प्रियांश खरगे ने पूरा जिम्मा संभाल रखा है। वहीं, उमेश जाधव के लिए खुद पीएम मोदी और राज्य का पूरा नेतृत्व जुटा है।

राज्य में एक बड़ा मुकाबला बेलगाम में भी है, जहां पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार मैदान में हैं। उनका मुकाबला राज्य की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के बेटे मृणाल रवींद्र हेब्बालकर से है। शेट्टार लिंगायत समाज से आते हैं। हालांकि, उनके खिलाफ बाहरी होने का मुद्दा है। राज्य की मंत्री लक्ष्मी अपने भाषणों में लोगों को बताती हैं कि बेलगाम के हम हैं, शेट्टार तो हुबली के हैं। शेट्टार भाजपा के पुराने नेता हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव के दौरान वह भाजपा को छोड़कर कांग्रेस के साथ चले गए थे। बाद में वापस आ गए है। उत्तरी कर्नाटक की धारवाड़ लोकसभा सीट पर भी मुकाबला काफी दिलचस्प है। इस सीट से भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी मैदान में हैं। उनके सामने मैदान में कांग्रेस के विनोद असुती मैदान में है। यहां मुकाबला एक स्थानीय संत के मैदान में उतरने से चर्चा में था, पर बाद में संत ने अपना नाम वापस ले लिया है। हाल ही में नेहा हत्याकांड के बाद उनके पक्ष में माहौल नजर आता है। लिंगायत समाज से जुड़े येदियुरप्पा व बोम्बई भी उनकी मदद कर रहे हैं।

### इन सीटों पर कांग्रेस नेताओं के परिवार के लोग हैं चुनावी मैदान में

बेलगाम, बीदर, चामराजनगर, चिक्कोडी, बागलकोर, दावणगेरे सीटों पर भी कांग्रेस नेताओं के बेटा-बेटी व बहू मैदान में हैं। बेलगाम से कांग्रेस ने राज्य की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के बेटे मृणाल हेब्बालकर, बीदर से कांग्रेस विधायक ईश्वर खंड्रे के बेटे सागर खंड्रे, चामराजनगर से कांग्रेस विधायक एससी महोदवप्पा के बेटे सुनील बोस, बागलकोट से कांग्रेस नेता शिवानंद पाटिल की बेटी संयुक्ता पाटिल, चिक्कोडी से मंत्री सतीश जारकीहोली की बेटी प्रियंका को मैदान में उतारा गया है। वहीं, दावणगेरे से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिवशंकर की बहू व राज्य के मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन की पत्नी प्रभा को मैदान में उतरा है। शिमोगा से कांग्रेस नेता व मंत्री मधु बंगरप्पा की बहन गीता मैदान में हैं।

लक्ष्मी हेब्बालकर

मधु बंगरप्पा

एसएस मल्लिकार्जुन

सतीश जारकीहोली

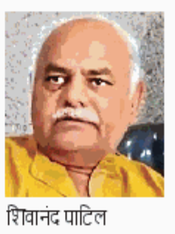
शिवानंद पाटिल

**महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें**

********

**25** मई को अनंतनाग-राजौरी सीट पर होगा मतदान। निर्वाचन आयोग ने जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट के लिए तीसरे चरण में सात मई को होने वाले मतदान को स्थगित कर दिया है। अब यहां मतदान छठे चरण के साथ होगा। स्थानीय नेताओं की यही मांग थी।

# कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे से मतदाताओं को जागरूक करें : मोदी

## मोदी ने अमित शाह समेत राजग उम्मीदवारों को पत्र लिखकर दिया संदेश

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के नेतृत्व वाले राजग प्रत्याशियों को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण (7 मई) को चुनाव मैदान में उतरने वाले अपने उम्मीदवारों से कहा कि वह कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे के प्रति मतदाताओं को जागरूक करें। उन्हें बताएं कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के आरक्षण को छीनने का इरादा रखती है और फिर उसे 'अपने वोट बैंक' को देना चाहती है।

भाजपा उम्मीदवारों को व्यक्तिगत रूप से लिखे गए पत्रों में पीएम मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर आरोप लगाया कि धर्म के आधार पर आरक्षण असंवैधानिक होने के बावजूद वह हर हालत में इसे अमल में लाना चाहती है। वह जनता की खून-पसीने से अर्जित संपत्ति को भी छीनने पर आमादा हैं और फिर वह इसे अपने वोट बैंक को दे देंगे। कांग्रेस ने अपना खतरनाक विचार भी स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह सरकार में आने पर विरासत कर जैसे टैक्स लाएंगे। इसलिए कांग्रेस और उनके सहयोगियों को रोकने के लिए देश को एकजुट होना होगा। हरेक उम्मीदवार को भेजे पत्र में पीएम मोदी ने लिखा है कि यह कोई साधारण चुनाव नहीं है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भाजपा के सबसे मूल्यवान कार्यकर्ता हैं। वह एक सफल केंद्रीय मंत्री रहने के अलावा गुजरात में भी बतौर मंत्री बहुत अच्छा काम कर चुके हैं। शाह ने अपना सार्वजनिक जीवन आपातकाल के खिलाफ अपना योगदान देकर शुरू किया था। तब उनकी आयु सिर्फ 13 साल थी और 1980 से वह उनके साथ काम कर रहे हैं।

**कहा-कांग्रेस व सहयोगियों को रोकने के लिए देश को एकजुट होना होगा**

महाराष्ट्र के माढ़ा में मंगलवार को चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन किया गया। प्रेट्र

### 'मतदाता सुबह ही कर दें मतदान'

मोदी ने कहा कि भीषण गर्मी से हर किसी को परेशानी हो रही है। उन्होंने मतदाताओं से चिलचिलाती गर्मी को देखते हुए आग्रह किया कि वह सुबह-सुबह ही मतदान कर दें। पत्र में उन्होंने कहा कि भाजपा को मिलनेवाला हरेक वोट वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में सहभागी होगा। पहले दो चरणों में हुए उत्साहजनक मतदान से पता चलता है कि भारत के लोगों ने इस विचारधारा को समर्थन देने का अपना मन बना लिया है। इस चुनाव में हम बढ़त ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह जरूरी है कि हमारे कार्यकर्ता लोगों को बाहर जाकर वोट करने के लिए प्रेरित करें और लोग बड़े पैमाने पर मतदान करें। बूथ को जीतने पर ध्यान केंद्रित करें। हर बूथ पर जीत से हर संसदीय क्षेत्र में जीत सुनिश्चित होगी।

### धर्म के आधार पर दलितों-ओबीसी का कोटा मुसलमानों को नहीं देने देंगे

प्रेट्र के अनुसार, मोदी ने तेलंगाना के जहीराबाद लोकसभा क्षेत्र में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के इस आरोप को आधारहीन बताया कि भाजपा संविधान बदल देगी और आरक्षण खत्म कर देगी। कहा- हम धर्म के आधार पर दलितों, आदिवासियों, ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को नहीं देने देंगे। उन्होंने कांग्रेस पर 2004 और 2009 में सत्ता में रहने के दौरान अविभाजित आंध्र प्रदेश को "तुष्टीकरण की प्रयोगशाला" बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग का आरक्षण दे दिया गया, जबकि तेलंगाना में 26 जातियां लंबे समय से ओबीसी दर्जे की मांग कर रही हैं। मेडक में चुनावी रैली में उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार से धन एकत्र करने और उसे दिल्ली भेजने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर कांग्रेस 55 प्रतिशत विरासत कर लगाएगी। कांग्रेस जहां भी सत्ता में है, उसके पांच प्रतीक हैं- झूठे वादे, वोट बैंक की राजनीति, अपराधियों का समर्थन, वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार।

### पीएम बोले, पांच साल में दो लाख सहकारी संस्थाएं स्थापित होंगी

प्रथम पृष्ठ से आगे

माढ़ा लोकसभा क्षेत्र में रैली में पीएम ने किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता जताई। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र सहकारिता आंदोलन की सफलता के लिए जाना जाता है। सहकारिता के महत्व को पहचानते हुए ही 2019 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई। इस मंत्रालय का लक्ष्य अगले पांच वर्ष में 10,000 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), दो लाख सहकारी समितियां स्थापित करने का है। उन्होंने कहा कि हमने दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना शुरू की है। अगले पांच वर्षों में देशभर में विशेष भंडारण क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे, जिससे महाराष्ट्र में प्याज उत्पाद किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सहकारी चीनी मिलों को 10,000 करोड़ रुपये की राहत देकर, पुरानी आयकर मांगों को माफ करके और कानूनी मामलों को हल करके गन्ना किसानों को फायदा पहुंचाया है। उन्होंने महाराष्ट्र के जलसंकट की समस्या की ओर ध्यान खींचते हुए कहा कि वर्षों से विदर्भ और मराठवाड़ा के लोग पानी की गंभीर कमी से पीड़ित हैं। 2014 के बाद से 99 सिंचाई परियोजनाओं को दशकों की उपेक्षा के बाद आखिरकार पूरा किया जा सका है। इनमें 26 महाराष्ट्र की थीं। हमने यहां के निलवंडे बांध को पूरा किया।

# मैं आपका, मोदी अदाणी व अंबानी के : राहुल

**भिंड में अग्निपथ योजना पर भी उठाए सवाल, कहा सेना भी इस योजना को नहीं चाहती है**

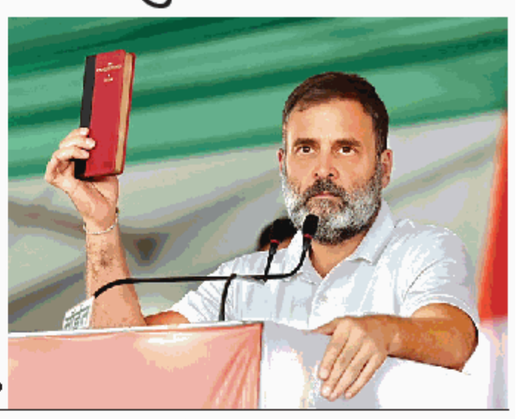

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भिंड में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। एएनआइ

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भिंड**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भिंड में जनसभा को संबोधित करते कहा कि मैं आपका हूं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अदाणी व अंबानी के हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि भाजपा सत्ता में लौटी तो संविधान समाप्त कर देगी। कांग्रेस की चुनावी घोषणाओं पर केंद्रित भाषण में राहुल ने अग्निपथ योजना पर भी प्रहार किया और कहा कि यह पीएम मोदी की योजना है। सेना भी इसे नहीं चाहती, यह सेना का अपमान है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जवानों को दो भागों में बांट दिया है। एक जवान वह जिसे पेंशन, कैंटीन, अच्छी सेलरी और अन्य सुविधाएं मिलेंगी और दूसरे वह जिन्हें इन सुविधाओं से वंचित रखा जाएगा।

### चार मिनट तक संविधान की किताब हाथ में पकड़े रहे राहुल

मंच पर संविधान की किताब हाथ में लिए रहे राहुल जैसे ही राहुल गांधी मंच पर पहुंचे, उन्होंने हाथ में संविधान की किताब जनता को दिखाते हुए कहा ये कोई मामूली किताब नहीं है। भाजपा अगर सत्ता में आई तो वह इस किताब को फाड़कर फेंक देगी, क्योंकि वह चाहती है कि इस किताब को हटा दिया जाए, देश को 20-25 अरबपति चलाएं। कार्यक्रम के दौरान करीब चार मिनट तक राहुल संविधान की किताब को हाथ में उठाए रहे। उधर, संविधान की प्रति लहराने के खिलाफ भाजपा ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

# अमेठी-रायबरेली सीट को लेकर कांग्रेस में रहस्य बरकरार

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

**पार्टी में गांधी परिवार के मैदान में उतरने को लेकर कायम हैं संभावनाएं**

**नामांकन की अंतिम तिथि में तीन दिन बाकी, अभी तक नकारात्मक संकेत**

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सबसे हाई प्रोफाइल सीट अमेठी और रायबरेली से गांधी परिवार के सदस्यों के लड़ने को लेकर रहस्य अभी बरकरार है। यह लगभग तय माना जा रहा था कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा अमेठी व रायबरेली से चुनाव लड़ेंगी। लेकिन, अब जबकि नामांकन की अंतिम तिथि में महज तीन दिन बाकी है और पार्टी में चुप्पी है तो तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि अभी भी पार्टी इनके उतरने को लेकर सकारात्मक पहल की उम्मीद कर रही है।

कांग्रेस के लिए अमेठी-रायबरेली केवल दो लोकसभा सीट भर नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के साथ समूचे उत्तर भारत में पार्टी की सियासी उम्मीदों की किरण है। पार्टी सूत्रों के अनुसार इसके मद्देनजर ही कांग्रेस नेतृत्व दोनों के निर्णय की प्रतीक्षा कर रहा है और अभी तक उनकी तरफ से कोई नकारात्मक संकेत नहीं है। इसीलिए पार्टी उम्मीद कर रही है कि बुधवार-गुरुवार तक गांधी परिवार अपनी परंपरागत सीट से चुनाव लड़ने का फैसला ले लेगा। अमेठी-रायबरेली का चुनाव छठे चरण में 25 मई को है और इसके लिए नामांकन की आखिरी तारीख तीन मई है। लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान की व्यस्तताओं के बीच राहुल गांधी का बुधवार का कोई चुनावी दौरा प्रस्तावित नहीं है। प्रियंका गांधी असम के धुबरी में चुनावी रैली के लिए जाएंगी तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे देर शाम कर्नाटक में प्रचार के बाद लौटेंगे। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ रणनीतिकार उत्तर प्रदेश की इन दोनों सीटों के लिए चुनावी तैयारियों और प्रबंधन का पूरा खाका लिए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने वायनाड में हुए मतदान के अगले दिन 27 अप्रैल को हुई अपनी बैठक में अमेठी से राहुल गांधी और रायबरेली से प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी की एक सुर से पैरोकारी करते हुए अंतिम निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पर छोड़ दिया था। उत्तर प्रदेश के प्रभारी कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडेय को अगले दिन इसका औपचारिक एलान करने के लिए तैयार रहने को भी कह दिया गया था, लेकिन निर्णय लेने में समय लगने के के कारण नेतृत्व प्रतीक्षा कर रहा है।

## कांग्रेस ने आनंद शर्मा को कांगड़ा तो राजबब्बर को गुड़गांव से बनाया उम्मीदवार

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

आनंद शर्मा। फाइल

राज बब्बर। फाइल

**इन दोनों हाईप्रोफाइल नेताओं समेत मंगलवार को चार लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा की**

**कांग्रेस ने अब हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीट के अपने उम्मीदवारों का एलान कर दिया है**

कांग्रेस ने अपने दिग्गज नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा को हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाने का एलान किया है। पार्टी कार्यसमिति के सदस्य शर्मा चुनाव मैदान में उतरने वाले चुनिंदा वरिष्ठ नेताओं में एक हैं। वहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता और अभिनेता राजबब्बर को हरियाणा की गुड़गांव सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने इन दोनों हाईप्रोफाइल नेताओं समेत मंगलवार को चार लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा की। इसमें हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से सतपाल रायजादा और मंबई उत्तर सीट से भूषण पाटिल को कांग्रेस उम्मीदवार बनाया गया है। आनंद शर्मा और सतपाल की उम्मीदवारी की घोषणा के साथ ही कांग्रेस ने अब हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीट के अपने उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। कांगड़ा से आनंद शर्मा को उम्मीदवार बनाकर पार्टी ने सूबे के सामाजिक समीकरण को साधने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भी संदेश देने की कोशिश की है। कांग्रेस में एक समय असंतुष्ट जी23 नेताओं के समूह में रहे आनंद शर्मा पार्टी के मुखर नेताओं में शामिल रहे हैं। कुछ मुद्दों पर अपनी बेबाक राय भी जाहिर करते रहे हैं। हालांकि, पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के प्रति उनकी निष्ठा इस दौर में भी कायम रही है। हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवारी की दौड़ में शर्मा हालांकि अभिषेक सिंघवी से पिछड़ गए थे लेकिन इस चुनाव में हुई बगावत से हुए नुकसान के बाद कांग्रेस हाईकमान के लिए हिमाचल की चारों लोकसभा सीटों का चुनाव बेहद प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। इसीलिए मंडी में कंगना रनावत के खिलाफ राज्य के कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह को मैदान में उतारने के बाद कांगड़ा से आनंद शर्मा को उतारने का पार्टी नेतृत्व ने फैसला लिया है। सूबे में कांगड़ा को ब्राह्मण समुदाय के प्रभाव का केंद्र माना जाता है और शर्मा को मैदान में उतारकर कांग्रेस ने एक तीर से दो शिकार करने का दांव चला है। हिमाचल की राजनीति में जहां शर्मा ब्राह्मण समुदाय के सबसे बड़े चेहरे हैं, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी जर्नादन द्विवेदी और स्व. मोतीलाल वोरा के बाद पार्टी में आनंद शर्मा इस समुदाय का सबसे प्रमुख चेहरा हैं। बताया जाता है कि कांग्रेस नेतृत्व के शर्मा को कांगड़ा से उम्मीदवार बनाने के प्रस्ताव का हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पूरा समर्थन किया।

दिल्ली से सटे हरियाणा की गुड़गांव सीट पर भी कांग्रेस ने इस बार हाईप्रोफाइल उम्मीदवार के तौर पर राजबब्बर को उतारने का दांव चला है जो कई बार उत्तर प्रदेश से सांसद रह चुके हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके राजबब्बर की उम्मीदवारी के एलान के साथ ही पार्टी ने अब हरियाणा की नौ सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही कांग्रेस ने कुरुक्षेत्र की सीट आप के लिए छोड़ी है। गुरुग्राम से उम्मीदवारी की दौड़ में सूबे के पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव भी दावेदार थे लेकिन हाईकमान ने इस बार राजबब्बर पर दांव लगाने का फैसला किया है। सूची घोषित होते ही अब इन सीटों पर कांग्रेस के स्टार प्रचारक प्रचार तेज होने की उम्मीद है। हिमाचल में कांग्रेस सरकार होने की वजह से ज्यादा फोकस होगा।

# 'वोट जिहाद' पर फंसे सलमान खुर्शीद और भतीजी, मुकदमा दर्ज

**जागरण संवाददाता, फर्रुखाबाद**

**धर्म के आधार पर वोट मांगने में फंसे आइएनडीआइए नेता**

**एक दिन पहले सपा की नेता ने किया था वोट जिहाद का आह्वान**

मरियम आलम खां।

सलमान खुर्शीद।

भाजपा पर ध्रुवीकरण की राजनीति का आरोप लगाने वाली विपक्षी पार्टियों के नेता अब खुद ही अपने बयानों से फंसते नजर आ रहे हैं। पूर्व विदेश मंत्री व कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की मौजूदगी में उनकी रिश्ते में भतीजी व सपा नेता मारिया आलम खां द्वारा मुस्लिम समुदाय को लक्ष्य कर दिए गए 'वोट जिहाद' के बयान को चुनाव आयोग ने गंभीरता से लिया है। बयान को समाज विरोधी और ध्रुवीकरण का प्रयास करार देते हुए मारिया और सलमान खुर्शीद के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें, मारिया आलम खां पूर्व विधायक स्व. इजहार आलम खां की बेटी हैं। इजहार आलम फर्रुखाबाद में सलमान खुर्शीद के परिवार के खिलाफ चुनाव लड़ते रहे हैं।

सपा-कांग्रेस के गठबंधन में फर्रुखाबाद लोकसभा सीट सपा के खाते में आई है। यहां से पार्टी ने डा. नवल किशोर शाक्य को प्रत्याशी बनाया है। सोमवार शाम उनके समर्थन में कायमगंज में जनसभा हुई थी। इसमें सलमान खुर्शीद मुख्य अतिथि थे। उनके ताऊ पद्मश्री शायर गुलाम रब्बानी तावां की पौत्री और सपा की जिला उपाध्यक्ष मारिया आलम खां ने भी भाषण दिया था। उन्होंने मुस्लिमों को संबोधित करते हुए कहा था कि 'बहुत अक्लमंदी के साथ, बहुत ही समझदारी के साथ, बहुत जज्बाती न होके, बहुत ही खामोशी के साथ वोटों का जिहाद करो, क्योंकि हम सिर्फ वोटों का जिहाद कर सकते हैं और इस संघी सरकार (भाजपा) को भगाने का काम कर सकते हैं। हमें बहुत शर्म आती है कि कुछ मुसलमानों ने यहां मुकेश राजपूत (भाजपा प्रत्याशी) की मीटिंग कराई है। मुझे लगता है कि समाज के लोगों को उनका हुक्का पानी बंद कर देना चाहिए।' मारिया के यह बयान तेजी से प्रसारित व अग्रसारित हो गया।

**मेरी नीयत में खोट नहीं है। मेरे और मेरे परिवार के बारे में पूरा फर्रुखाबाद जानता है। मेरे समाज के लोग कम पढ़े-लिखे होते हैं और वह वोट कम करते हैं। वोट का महत्व बताते हुए उस शब्द का प्रयोग कर दिया था, जिसका अर्थ ही संघर्ष करना है। सही को सही और गलत को गलत कहने पर कार्रवाई की जा रही है। यह अन्याय है।**

**- मारिया आलम खां, जिला उपाध्यक्ष, सपा**

### 'आइएनडीआइए 'जिहादियों' के समर्थन से लड़ रहा चुनाव'

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भाजपा ने समाजवादी पार्टी (सपा) की नेता मारिया आलम की 'वोट जिहाद' की अपील को लेकर मंगलवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा। कहा कि आइएनडीआइ में शामिल दल 'जिहादियों' के समर्थन से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने सपा नेता की टिप्पणी का स्वतः संज्ञान लेकर चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की। उत्तर प्रदेश की फर्रुखाबाद लोकसभा सीट से आइएनडीआइ के उम्मीदवार के लिए वोट मांगते समय आलम ने अल्पसंख्यक समुदाय से भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए ''वोट जिहाद'' की अपील की थी। इसके बाद भाजपा की यह प्रतिक्रिया आई। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि हम चुनाव को लोकतंत्र का त्योहार मानते हैं और वे इसे जिहाद मानते हैं। हम लोगों के साथ हैं और वे जिहादियों के साथ हैं। पूनावाला ने कहा कि चुनाव आयोग को इसका स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि यह हर कोई जानता है कि प्रतिबंधित पीएफआइ की राजनीतिक शाखा एसडीपीआइ ने केरल में कांग्रेस को अपना समर्थन दिया है।

# शिंदे ने उत्तर-पश्चिम मुंबई से विधायक रवींद्र वायकर को उतारा

**मुंबई, प्रेट्र :** उत्तर-पश्चिम मुंबई लोकसभा क्षेत्र से मुकाबले की स्थिति मंगलवार को स्पष्ट हो गई। शिवसेना (शिंदे गुट) ने यहां से अपने विधायक रवींद्र वायकर को उम्मीदवारी दी है। शिवसेना (यूबीटी) से पहले ही अमोल कीर्तिकर को अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। मुंबई उपनगर की यह सीट उत्तर-भारतीय बहुल मानी जाती है। यही कारण है कि यहां से अभिनेता सुनील दत्त पांच बार एवं उनके निधन के बाद उनकी पुत्री प्रिया दत्त एक बार सांसद रही हैं। मशहूर वकील रहे राम जेठमलानी भी 1977 एवं 1980 में इस सीट से जीत चुके हैं। लेकिन लंबे समय से इस सीट पर कांग्रेस को चुनौती देने वाली शिवसेना ही रही है। इस संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाली छह में से तीन विधानसभाओं पर भाजपा का कब्जा जरूर है, लेकिन भाजपा ने कभी इस लोकसभा क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ा। यही कारण है कि इस बार भी सीट बंटवारे में यह सीट शिवसेना शिंदे गुट के पक्ष में गई और उसने इसी संसदीय सीट के अंतर्गत आनेवाले जोगेश्वरी (पूर्व) विधानसभा क्षेत्र के विधायक रवींद्र वायकर को उम्मीदवारी दे दी है। माना जा रहा था कि कांग्रेस को अलविदा कह चुके संजय निरुपम को शिवसेना अपना उम्मीदवार बना सकती है।

महाराष्ट्र

रवींद्र वायकर । फाइल

**उत्तर-भारतीय बहुल मानी जाती है मुंबई उपनगर की यह सीट**

# सपा प्रत्याशी बर्क बोले-नहीं भूलेंगे एकतरफा कार्रवाई

**जागरण संवाददाता, संभल**

जियाउर्रहमान बर्क

**रविवार की रात लोगों को दी थी कसम, कहा-कुर्बानी को व्यर्थ न जाने दें**

माफिया अतीक अहमद और शहाबुद्दीन को आदर्श बताने में घिरे संभल से सपा प्रत्याशी जियाउर्रहमान बर्क ने मुकदमा दर्ज होने के बाद तीखे तेवर दिखाए हैं। मंगलवार को साफ कहा कि यह एकतरफा कार्रवाई है, इसे भूलेंगे नहीं। कहा, हमेशा एक से दिन नहीं रहते हैं। भाजपाई आचार संहिता का उल्लंघन करें तो कुछ नहीं, हम दायरे में रहकर सही बात कहें तो मुकदमा दर्ज होता है। इधर, प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार का कहना है कि प्राथमिकी पर जांच की जा रही है। संभल में तीसरे चरण में सात मई को मतदान है। सपा प्रत्याशी ने रविवार रात चुनावी सभा में अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी के साथ आजम खां का जिक्र करते हुए कहा था कि उनकी कुर्बानी को बेकार नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने माफिया अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और बिहार के शहाबुद्दीन को अपना आदर्श बताया। कहा, अतीक अहमद व मुख्तार अंसारी की मौत को कोई नहीं भूल सकता है। उनके भाषण का वीडियो भी प्रसारित हो रहा है। प्राथमिकी में कहा गया है कि उन्होंने (सपा प्रत्याशी) जाति विशेष के दुर्दांत अपराधियों को नायक बताया है। इससे शांति व्यवस्था को खतरा हो सकता है। इस वजह से ही यह कार्रवाई की गई है।

# आंध्र में राजग का महिलाओं को 1500 रुपये पेंशन देने का वादा

**अमरावती, प्रेट्र :** आंध्र प्रदेश में भाजपा, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और जनसेना वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव के लिए अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र में राजग ने 'सुपर सिक्स' वादे समेत अन्य कल्याण केंद्रित योजनाओं की घोषणा की गई है। 'सुपर सिक्स' के तहत 19 से 59 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक पेंशन, युवाओं के लिए 20 लाख नौकरियां या तीन हजार रुपये बेरोजगारी सहायता और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा देने का वादा किया गया है।

आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में अपने निवासी उंदावल्ली में घोषणापत्र जारी करते हुए तेदेपा प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि घोषणापत्र तैयार करने के लिए तेदेपा और जनसेना के नेता एक साथ बैठे और इस पर विचार किया।

इसे तैयार करने के लिए हमने भाजपा से सुझाव लिए। युवाओं को आकर्षित करने के लिए नायडू ने उत्तरी आंध्र, तटीय और रायलसीमा क्षेत्रों के लिए समर्पित रोजगार क्षेत्रों के साथ-साथ एक मेगा शिक्षक भर्ती अभियान और वार्षिक नौकरी कैलेंडर देने का वादा किया। इस दौरान नायडू ने राजग सरकार द्वारा लाए गए 10 प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण को हर पांच साल में एक आर्थिक सर्वेक्षण के साथ लागू करने का संकल्प लिया।

# पंजे के बयान पर अमृता वड़िंग निशाने पर, मांगी माफी

**गुरप्रेम लहरी, जागरण**

**शिरोमणि अकाली दल पहुंचा चुनाव आयोग, श्री अकाल तख्त साहिब ने भी लिया कड़ा संज्ञान**

**बठिंडा :** कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की पत्नी अमृता वड़िंग की ओर से कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पंजे की तुलना श्री गुरु नानक देव जी के हाथ के साथ करने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। बयान का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद अमृता वड़िंग विरोधियों के निशाने पर आ गई हैं। बयान को लेकर शिरोमणि अकाली दल ने जहां चुनाव आयोग से शिकायत की है, वहीं श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने भी इसका कड़ा संज्ञान लिया है। हालांकि अमृता वड़िंग ने मंगलवार को इंटरनेट मीडिया पर वीडियो डाल कर इस बयान के लिए माफी मांग ली है। उन्होंने कहा कि गुरु और संगत बख्शनहार है। मुझसे जाने-अनजाने में हुई इस गलती के लिए वे मुझे माफ करेंगे। बता दें कि अमृता वड़िंग ने तीन दिन पहले बठिंडा के बल्ला राम नगर में एक जनसभा में यह विवादित बयान दिया था। उन्होंने मतदाओं से अपील की थी कि आपका वोट सच्चे पातशाह बाबा नानक के पंजे को जाना चाहिए। यह भी कहा कि गुरु नानक देव जी, महावीर जी और अन्य गुरुओं का प्रतीक अक्सर पंजा ही रहा है और कांग्रेस ने भी चुनाव चिन्ह पंजा इन गुरुओं की वजह से ही चुना है। उधर, शिअद के लीगल विंग के अध्यक्ष और मुख्य प्रवक्ता एडवोकेट अर्शदीप सिंह कलेर ने अमृता के इस बयान की निंदा भी की है और चुनाव आयोग से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने भी अमृता के बयान का कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेता अपने हितों के लिए गुरु साहिबान के नाम और धार्मिक चिन्हों का इस्तेमाल करते हैं। इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब पर लिखित शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि अमृता वड़िंग ने पार्टी के चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के चुनाव चिन्ह को श्री गुरु नानक देव जी का पंजा कहकर वोट मांगा है।

पंजाब

अपने ब्यान के लिए माफी मांगती हुईं पंजाब प्रदेश कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की पत्नी अमृता वड़िंग। सौ. स्क्रीनशाट

# दोनों चरणों का अंतिम आंकड़ा जारी, 66 प्रतिशत से अधिक हुआ मतदान

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

चुनाव आयोग ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के दो चरणों के मतदान के अंतिम आंकड़े जारी कर दिए है। पहले चरण में 21 राज्यों व संघ शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर 66.17 प्रतिशत और दूसरे चरण में 13 राज्यों व संघ शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर 66.71 प्रतिशत हुआ है। पहले चरण में सबसे अधिक मतदान लक्षद्वीप में 84 प्रतिशत हुआ है, जबकि बंगाल में 81.91 प्रतिशत हुआ है। वहीं दूसरे चरण में सबसे अधिक 84 प्रतिशत मतदान मणिपुर में और 81.17 प्रतिशत मतदान असम में हुआ है।

आयोग ने इसके साथ ही 2019 के मतदान के आंकड़े भी जारी किए है, उस समय लोकसभा चुनाव में कुल 67.40 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2019 में सबसे अधिक 85 प्रतिशत मतदान लक्षद्वीप और 83 प्रतिशत मतदान मिजोरम में हुआ था। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, इस बार मतदान 2019 के मुकाबले कुछ कम है, हालांकि इसके पीछे मतदान सूची की पारदर्शिता को भी बड़ी वजह बताया जा रहा है। आयोग ने लंबी पहल के बाद मतदाता सूची से इस बार 1.68 करोड़ फर्जी व दोहराव वाले नामों को हटाया भी है। वहीं बाहरी मणिपुर लोकसभा सीट के छह मतदान केंद्रों पर मंगलवार को हुए पुनर्मतदान में 81.16 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के अब तक के दोनों चरणों के अंतिम आंकड़े ऐसे समय जारी किया है, जब कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की ओर अब तक मतदान के अंतिम आंकड़े जारी न किए जाने को लेकर सवाल खड़े किए गए थे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि आंकड़े सार्वजनिक करने चाहिए।

*********

**100** सीटों के बहुत आगे निकल गई भाजपा दो चरणों में। यह दावा केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने किया है। उन्होंने फिर से दोहराया कि भाजपा अबकी बार 400 पार के नारे पर स्थिर है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस बार बंगाल और तेलंगाना में भी सीटों में बढ़त मिलेगी।

# हार की हताशा में फेक वीडियो प्रसारित कर रही कांग्रेस : शाह

## मीडिया को अपना असली वीडियो दिखाकर गृह मंत्री ने विपक्ष को किया बेनकाब

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर फेक वीडियो प्रसारित करने का आरोप लगाते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने इसे हार की हताशा करार दिया है। आरक्षण संबंधी बयान का असली वीडियो मीडिया को दिखाकर विपक्ष को बेनकाब करते हुए उन्होंने दावा किया कि भाजपा एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण की समर्थक है और हमेशा संरक्षक की भूमिका निभाएगी। चूंकि, पहले दो चरणों में ही 100 सीटों से बहुत आगे निकल चुकी भाजपा 400 पार के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है, इसलिए कांग्रेस निराधार, तथ्यहीन और झूठा प्रचार कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। लेकिन अब दूध का दूध, पानी का पानी हो गया है और कांग्रेस नेता आपराधिक मुकदमे का सामना कर रहे हैं। गृह मंत्री ने मंगलवार को गुवाहाटी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पहले वह वीडियो दिखाया, जिसमें वह धर्म के आधार पर मुस्लिमों को दिया आरक्षण समाप्त करने की बात कह रहे हैं, साथ ही विपक्षी नेताओं द्वारा इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया गया वह फर्जी वीडियो भी दिखाया, जिसमें शाह एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण समाप्त करने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष स्तर के नेताओं ने भी इस तरह के फेक वीडियो को फारवर्ड किया, जिसकी जांच रिपोर्ट आने पर सब स्पष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि जब से राहुल गांधी ने कांग्रेस की कमान संभाली है, तब से वह राजनीति का स्तर नीचे से नीचे ले गए हैं। गृह मंत्री ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों के आंतरिक आकलन के हिसाब से भाजपा और राजग सहयोगी 100 सीटों के बहुत ज्यादा आगे निकल चुके हैं और 400 पार के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। असम, बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड में भाजपा को बहुत बड़ी चुनावी सफलता मिलती दिख रही है। वहीं, शुरुआती रुझान में दक्षिण भारत में भी भाजपा को अच्छा रेस्पांस मिल रहा है। इसी वजह से कुछ दिनों से कांग्रेस ने राजग के 400 पार के लक्ष्य को ट्विस्ट करना शुरू किया है। एक प्रकार से इस लक्ष्य को संविधान बदलने से जोड़ा है और प्रचार कर रहे हैं कि 400 पार करने के बाद भाजपा आरक्षण को समाप्त कर देगी। ये दोनों बातें निराधार और तथ्यहीन हैं। वहीं, नई दिल्ली में आइटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भी दावा किया कि दक्षिण भारत की 130 में से 60 संसदीय सीटें इस बार भाजपा और उसके सहयोगी दल जीत रहे हैं, जबकि 2019 में इनमें से सिर्फ 29 पर ही जीत मिली थी।

**शाह बोले, घुसपैठियों को खुश करने के लिए मंदिर उद्घाटन पर नहीं गईं ममता :** पूर्व बर्द्धमान जिले के कटवा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को खुश करने के लिए अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने से इन्कार कर दिया।


गुवाहाटी में मंगलवार को प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

### आप सरकार ही कर रही केजरीवाल को मारने की कोशिश

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में मारने की कोशिश के सुनीता केजरीवाल के आरोप पर अमित शाह ने कहा कि जेल प्रशासन आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के पास है, केंद्र सरकार के पास नहीं। उनकी ही सरकार उन्हें (केजरीवाल को) मारने की कोशिश कर रही है तो उनको ही चिंता करनी चाहिए। फिर भी सुनीता केजरीवाल कुछ लिखकर भेजेंगी तो जरूर देखेंगे।

### अपनी सरकार से पूछें प्रियंका, क्यों नहीं की रेवन्ना पर कार्रवाई?

जदएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के अश्लील वीडियो सामने आने के सवाल पर गृह मंत्री ने कहा कि इस तरह सहन नहीं किया जा सकता। भाजपा का रुख साफ है कि हम देश की मातृ शक्ति के साथ खड़े हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा इस मामले में भाजपा को घेरने के प्रयास पर शाह ने कहा कि कांग्रेस हम पर आरोप लगाना चाह रही है, लेकिन कर्नाटक में सरकार तो कांग्रेस की है। सबको पता है कि वीडियो कब रिलीज किए गए, अब तक कांग्रेस सरकार ने कार्रवाई क्यों नहीं की? उन्होंने कहा कि प्रियंका हमसे नहीं, बल्कि अपने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से सवाल पूछें कि कार्रवाई क्यों नहीं की। हम जांच के पक्ष में हैं और जदएस ने भी कदम उठाने की घोषणा की है।

## जमीन पर शह-मात की बाजी सजा रहे 'रणनीति के शाह'

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

नए-नए विमर्श और मुद्दों की गर्माहट से गुजर रहे इस लोकसभा चुनाव में भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार अमित शाह की नजर 'अबकी बार 400 पार' के लक्ष्य पर स्थिर है। यूं तो स्थानीय समीकरणों की वजह से जटिल माने जाने वाले बंगाल और तेलंगाना जैसे चुनौतीपूर्ण राज्यों की रणनीतिक कमान भी उन्हीं के हाथों में है, लेकिन सर्वाधिक 80 संसदीय सीटों वाले उत्तर प्रदेश का उन्हें 'पालिटिकल डाक्टर' माना जाता है। सपा-बसपा जैसे मजबूत जातीय पकड़ वाले दलों को परास्त कर 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की रिकार्ड सफलता के सूत्रधार रहे गृह मंत्री की नजर फिर इसी उत्तर प्रदेश पर विशेष रूप से है, इसलिए वह इस चुनाव में संगठन की तीसरी रणनीतिक बैठक करने के लिए दो मई को फिर लखनऊ पहुंच रहे हैं।

सबसे अधिक सीटें होने के कारण इस चुनाव में राजग हो या आइएनडीआइए, दोनों खेमों के लिए उत्तर प्रदेश के चुनावी परिणाम बेहद महत्वपूर्ण हैं। जब आइएनडीआइए के रूप में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मिलकर भाजपा के सामने ताल ठोंक रहे हैं तो वहां शह-मात की बाजी सजाने के लिए अमित शाह भी तैयार हैं। यूं तो कई बैठकें और जनसभाएं वह उत्तर प्रदेश में कर चुके हैं, लेकिन संगठन की रणनीति से जुड़ी कुछ अलग बैठकें भी कर रहे हैं। वहां के समीकरणों की समीक्षा के साथ रणनीति को धरातल पर उतारने का मंत्र दे रहे हैं। इसके लिए वह पहले और दूसरे चरण की सीटों के लिए तीन अप्रैल को मुरादाबाद तो चौथे चरण के लिए 28 अप्रैल को कानपुर में बैठक कर चुके हैं।

अब चौथे चरण के लिए वह संभवतः एक मई को ही लखनऊ पहुंचेंगे। रात्रि विश्राम वहीं करेंगे और दो मई को बैठक। बताया जाता है कि ऐसी बैठकों में शाह प्रदेश के चार-पांच मुख्य रणनीतिकारों के साथ-साथ लगभग सौ लोगों की बैठक लेते हैं जो बूथ प्रबंधन से जुड़े होते हैं। बताते हैं कि पिछले दो चरणों में जो निचोड़ निकला है वह यह है कि मत प्रतिशत कम होने के बावजूद भाजपा के वोटर पहुंच रहे हैं। लेकिन मार्जिन बढ़ाने के लिए और ज्यादा वोटरों को घर से निकालना होगा।

**चुनावी परिदृश्य**

- बंगाल और तेलंगाना जैसे चुनौतीपूर्ण राज्यों के साथ उत्तर प्रदेश पर खास नजर
- उत्तर प्रदेश में रिकार्ड सफलता के सूत्रधार अमित शाह की दो मई को लखनऊ में बैठक

### परिणामों ने लगाई मुहर

निस्संदेह 2014 में उठी मोदी लहर के साथ चले उत्तर प्रदेश के मतदाता फिर किसी चुनाव में ठिठके नहीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में बतौर उत्तर प्रदेश प्रभारी इस राज्य की जिम्मेदारी अपने हाथों में लेने वाले शाह ने न सिर्फ संगठन को ऊर्जावान किया, बल्कि बूथ प्रबंधन की अमिट छाप छोड़ी। उसी का परिणाम रहा कि भाजपा को 80 में से 71 (राजग 73) सीटों पर रिकार्ड विजय प्राप्त हुई। रणनीतिकार के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर उनकी धाक मजबूत हुई और उसके बाद वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिए गए। इसके बावजूद 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 के विधानसभा चुनाव में भी यूपी की चुनावी रणनीति शाह ने ही संभाली। पार्टी सूत्र बताते हैं कि 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान संगठन की बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने जब कृषि कानून विरोधी आंदोलन की वजह से पश्चिमी उत्तर प्रदेश को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बताया तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी खुद गृह मंत्री ने आगे बढ़कर ली और चुनाव परिणामों ने उनकी रणनीतिक सफलता पर मुहर भी लगाई।

**चुनावी हलचल**

### तमिलनाडु में ईवीएम की डिस्प्ले इकाई में आई खराबी

**इरोड (तमिलनाडु), प्रेट्र :** तमिलनाडु के इरोड लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाली कोमारापलायम विधानसभा सीट की इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़ी डिस्प्ले इकाई में मंगलवार को खराबी आ गई। इन ईवीएम मशीनों को यहां एक कालेज में रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं और दृश्यों को रिकार्ड कर रहे हैं। एक अधिकारी के अनुसार, जब प्रणाली में खराबी का पता चला तो अधिकारियों ने इसे करने की व्यवस्था की। 10 मिनट के भीतर खामी दुरुस्त कर ली गई। उन्होंने बताया कि अभी सभी 221 सीसीटीवी कैमरे और डिस्प्ले इकाई सामान्य रूप से काम कर रही हैं।


इरोड। फाइल

### इंदौर में कांग्रेस से चुनाव लड़ने की मांग लेकर पहुंचे निर्दलयी को कोर्ट ने कहा चुनाव प्रक्रिया में रिवर्स गियर नहीं होता

**नईदुनिया, इंदौर :** इंदौर लोकसभा सीट से नाम वापसी के अंतिम दिन सोमवार को कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अक्षय कांति के नामांकन फार्म वापस लेने और भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कांग्रेस नेता मोती सिंह पटेल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर खुद को पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने मंगलवार को उनकी याचिका निरस्त कर दी। कोर्ट ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में रिवर्स गियर नहीं होता। आपका नामांकन फार्म स्क्रूटनी के दौरान ही निरस्त हो चुका है। प्रत्याशियों की सूची से पहले ही बाहर हो चुके हैं। ऐसे में कोई राहत नहीं मिल सकती। अगर आपका नाम प्रत्याशियों की अंतिम सूची में शामिल होता तो पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ने का मौका होता। उल्लेखनीय है कि मोती सिंह पटेल ने भी कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में नामांकन फार्म जमा किया था। उनका फार्म स्क्रूटनी के दौरान इसलिए निरस्त हो गया था। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मोती सिंह का नाम उनके फार्म पर प्रस्तावक के रूप में 10 लोगों के बजाय सिर्फ एक व्यक्ति के हस्ताक्षर होने के आधार पर निरस्त किया। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के नामांकन फार्म वापस लेने के बाद पटेल ने एडवोकेट विभोर खंडेलवाल के माध्यम से मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष याचिका प्रस्तुत की थी। इसमें कहा गया था कि कांग्रेस द्वारा जारी बी फार्म में दो प्रत्याशियों के नाम थे। इसमें अक्षय का नाम अनुमोदित प्रत्याशी और मोती सिंह पटेल का नाम वैकल्पिक प्रत्याशी के रूप में था। चूंकि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी ने नामांकन वापस ले लिया है, इसलिए पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में मोती सिंह के नाम की घोषणा की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया की खंडपीठ ने आधे घंटे की बहस के बाद याचिका निरस्त कर दी।


मोती सिंह पटेल। फाइल

### भाजपा प्रत्याशी का नामांकन रद करने के खिलाफ याचिका खारिज

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सुप्रीम कोर्ट से मंगलवार को पूर्व आइपीएस अधिकारी देबाशीष धर को झटका लगा। कोर्ट ने उनकी उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उन्होंने अपना नामांकन पत्र रद्द करने को चुनौती दी थी। देबाशीष धर को बंगाल के बीरभूम से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा ने टिकट दिया था। भाजपा उम्मीदवार के रूप में धर का नामांकन पत्र नो ड्यूज सर्टिफिकेट पेश करने में नाकाम रहने के बाद रद कर दिया गया था। उन्होंने हाल ही में आइपीएस अधिकारी के पद से इस्तीफा दे दिया था। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर किसी भी तरह के हस्तक्षेप का मतलब चुनाव प्रक्रिया को रोकना होगा और कोर्ट इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने रिटर्निंग अधिकारी की ओर से धर के खिलाफ किसी भी पूर्वाग्रह की बात को स्वीकार करने से भी इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि रिटर्निंग अधिकारी ने नेक इरादे से काम किया है। धर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील निधेश गुप्ता ने कहा कि इस्तीफे के समय कोई मांग नहीं की गई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केवल इस्तीफा स्वीकार करने का मतलब यह नहीं है कि कोई बकाया लंबित नहीं हो सकता। इसके बाद गुप्ता ने चुनाव आयोग से संपर्क करने की अनुमति मांगी।


देबाशीष धर। फाइल

### भाजपा प्रत्याशी रेखा सहित छह महिलाओं को केंद्र से मिली सुरक्षा

**राज्य ब्यूरो, कोलकाता :** केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संदेशखाली की पीड़िता व लोकसभा चुनाव में बंगाल की बशीरहाट सीट से भाजपा उम्मीदवार रेखा पात्र को एक्स श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला किया है। केंद्र ने रेखा के अलावा राज्य की पांच अन्य भाजपा प्रत्याशियों को भी एक्स और वाई श्रेणी की सुरक्षा कवर दी है। दरअसल, रेखा पात्र ने ही संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां व उसके सहयोगियों के अत्याचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज उठाई थी, जिन पर यौन उत्पीड़न और जमीन कब्जाने का आरोप है। एक्स श्रेणी में दो कर्मियों का सुरक्षा कवर होता है। इसमें कोई कमांडो शामिल नहीं होता है सिर्फ सशस्त्र पुलिस कर्मियों को ही शामिल किया जाता है। एक व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी भी रहता है। वाई श्रेणी में एक या दो कमांडो और पुलिस कर्मियों सहित आठ जवानों का सुरक्षा कवच होता है। इसमें सुरक्षा के रूप में दो व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी भी रहते हैं। भाजपा उम्मीदवार रेखा पात्र ने आरोप लगाया कि दोपहर में बशीरहाट लोकसभा अंतर्गत खारीडांगा इलाके में प्रचार के दौरान उनके साथ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने धक्का-मुक्की की।


रेखा पात्रा। फाइल

### विशेष मतदान की मांग वाली याचिका की खारिज

**चेन्नई, आइएएनएस :** मद्रास हाई कोर्ट ने मंगलवार को कोयंबटूर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची से हटाए गए नाम वाले लोगों के लिए विशेष मतदान की मांग करने वाली जनहित याचिका खारिज कर दिया। आस्ट्रेलिया में कार्यरत चिकित्सक आर. सुथंथिरा कन्ना ने याचिका दाखिल कर कहा था कि मतदाता सूची से नाम गायब होने के कारण वह और उनकी पत्नी गत 19 अप्रैल को मतदान नहीं कर सके। मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय वी. गंगापुरवाला और जस्टिस जी. चंद्रशेखरन की प्रथम खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा मसौदा और अंतिम मतदाता सूची की जांच नहीं किए जाने के कारण कोई आदेश पारित नहीं किया जा सकता है।

## अब विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराए जाएंगे : राजनाथ

- बोले- खुद महात्मा गांधी ने कांग्रेस को भंग करने की बात कही थी
- कांग्रेस के शासनकाल में बनी थीं महंगाई पर दो फिल्में


जनसभा को संबोधित करते राजनाथ सिंह। फाइल

**नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर :** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस धरती से डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगी। एक देश-एक चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि अब विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। इसके लिए संविधान में आवश्यक संशोधन किया जाएगा। उन्होंने मंगलवार को खंडवा जिले के पुनासा और बड़वानी जिले के ठीकरी में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं।
रक्षा मंत्री ने कहा कि खुद महात्मा गांधी ने कांग्रेस को भंग करने की बात कही थी। जनता ने इस बात को पूरा करने की ठान ली है। मध्य प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार की वजह से विकास की बयार बह रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि पहले भारत की बातों को दुनिया गंभीरता से नहीं लेती थी, लेकिन अब दुनिया कान खोलकर भारत की बात सुनती है।

**भाजपा के शासन में नहीं बनते महंगाई पर गाने :** रक्षा मंत्री ने कांग्रेस के राज में महंगाई पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक फिल्म का गाना था कि महंगाई मार गई, दूसरी फिल्म में महंगाई डायन खाए जात है, गाना बना था। ये दोनों फिल्में कांग्रेस के शासनकाल में बनी थीं। आज भाजपा के शासनकाल में ऐसी फिल्म या गाने नहीं बनते क्योंकि महंगाई दर कम हुई है। सभा में भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

## फेक वीडियो पर भड़के नड्डा, कहा-ये कैसी राजनीति?

- भाजपा अध्यक्ष बोले- एक सीएम और दल डीपफेक वीडियो भेजने में शामिल
- कांग्रेस पर धर्म के आधार पर आरक्षण के समर्थन का लगाया आरोप

**शिमोगा, एएनआइ :** भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो पर विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइ के राजनीति के स्तर पर सवाल उठाते हुए पूछा कि किस तरह से एक मुख्यमंत्री और एक राष्ट्रीय दल एक डीपफेक वीडियो प्रसारित करने में शामिल हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस धर्म के आधार पर आरक्षण का समर्थन कर रही है जबकि संविधान के अनुसार ऐसा नहीं किया जा सकता।

वह शिमोगा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बी.वाई. राघवेंद्र के लिए भाजपा के प्रचार अभियान के तहत यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'विपक्षी एक फर्जी वीडियो लेकर आए, पर लोगों और मीडिया ने विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के डीप फेक वीडियो का पर्दाफाश किया। इसका दुखद हिस्सा यह है कि फर्जी वीडियो तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के फोन से इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किया गया था और 'आइएनडीआइए' गठबंधन के सभी सहयोगियों ने इसे वायरल करने की कोशिश की।' नड्डा ने कहा, 'संविधान में यह बहुत स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि धार्मिक आरक्षण के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन उन्होंने (कांग्रेस) क्या किया (कर्नाटक में) ओबीसी कोटा से मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण दिया।' उन्होंने दावा किया कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस चार बार कानून लेकर आई, जिसके जरिये उसने एससी/एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीनकर मुस्लिम समुदाय को देने की कोशिश की। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'हम मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि संविधान स्पष्ट रूप से कहता है कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं होगा, लेकिन ये लोग (कांग्रेस) धूर्त और विभाजनकारी मंसूबे रखते हैं।' नड्डा ने कहा, 'कुछ दिन पहले एक वीडियो आया था और वे यह धारणा और माहौल बनाने की कोशिश कर रहे थे कि भाजपा एससी/एसटी और ओबीसी के खिलाफ है और हम सत्ता में आते हैं तो आरक्षण खत्म हो जाएगा।'


कर्नाटक के हावेरी में कनक गुरु पीठ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत श्री निरंजनानंद पुरी ने किया। एएनआइ

### कर्नाटक के हावेरी में भाजपा अध्यक्ष ने किया रोड शो

**हावेरी :** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को हावेरी लोकसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार बसवराज बोम्मई के समर्थन में यहां बयादागी में एक रोड शो किया। विशेष रूप से डिजाइन किए गए वाहन पर खड़े होकर भाजपा नेता ने सड़क के दोनों ओर व इमारतों पर एकत्र लोगों का अभिवादन किया और हाथ हिलाया। इस दौरान कई लोगों को 'मोदी, मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाते देखा गया। जब उनका काफिला यहां गुटेम्मा मंदिर से सुभाष सर्कल की तरफ बढ़ा तो लोगों ने पुष्प वर्षा की। नड्डा के साथ पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई, कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक समेत अन्य लोग मौजूद थे।

## बंगाल को हिंदू विहीन करने की हो रही साजिश : योगी

**राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता**

- बंगाल के चुनावी रण में उतरे यूपी के सीएम ने ममता सरकार पर बोला करारा हमला
- कहा- यूपी में संदेशखाली जैसी घटनाएं होतीं तो दंगाइयों को उल्टा लटकाकर ठीक कर देता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भाजपा के फायर ब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस बंगाल के रहने वाले स्वामी विवेकानंद ने दुनिया के मंच पर यह संदेश दिया था कि गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। उस बंगाल को आज हिंदू विहीन करने की साजिश का शिकार बनाया जा रहा है। इसी धरती ने भारत को राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दिया है। ऐसे बंगाल में रहने वाला हिंदू अपने को असुरक्षित महसूस कर रहा है। मंगलवार को मुर्शिदाबाद जिले के बहरमपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बातें कहीं।

सीएम योगी ने लोकसभा चुनाव के लिए रण में उतरकर ममता बनर्जी सरकार व तृणमूल पर जोरदार हमला बोला। कहा कि कांग्रेस और तृणमूल बंगाल में दो प्रकार की साजिश कर रही है। पहला यह कि आपके डेमोग्राफी को कम करने और घुसपैठिए को बंगाल में घुसाकर सुनियोजित साजिश के तहत आपकी संख्या को कम करने का प्रयास हो रहा है। दूसरा यह कि कांग्रेस और तृणमूल का इंडी गठबंधन दिल्ली में मिलकर साजिश करना चाहता है। योगी ने कहा कि दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो सुविधाएं आपके लिए भेजते हैं, तृणमूल के लोग, माफिया और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण देकर उसमें डकैती डालने का काम करते हैं। कांग्रेस और तृणमूल एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं।


भाजपा उम्मीदवार देवतनु भट्टाचार्य के समर्थन में वीरभूम पहुंचे उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ को मां काली की तस्वीर भेंट की। एएनआइ

### यूपी में अपराधियों की सात पीढ़ियां ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर पातीं

संदेशखाली में महिलाओं से यौन शोषण व अत्याचार की घटना को लेकर योगी ने ममता को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर रामनवमी पर दंगे और संदेशखाली जैसी घटनाएं उत्तर प्रदेश में होतीं तो मैं उन्हें उल्टा लटकाकर ठीक कर देता। दंगाई व अपराधियों को ऐसा सबक सिखाता कि उनकी अगली सात पीढ़ियां ऐसा सोचने की हिम्मत नहीं कर पातीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि संदेशखाली में हुए अपराध और रामनवमी उत्सव के दौरान हुई झड़पों के जिम्मेदार लोगों को भाजपा कानून के दायरे में लाएगी। कहा कि मैं बिना किसी भेदभाव के विकास की गारंटी देने आया हूं। योगी ने बीरभूम के बोलपुर और पश्चिम बर्द्धमान जिले के आसनसोल में भी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दो चरणों में 191 सीट पर हुए चुनाव से संकेत है कि मोदी सरकार को एक और कार्यकाल मिलेगा।

## किसी के कपड़ो में झांकने से बेहतर नीतीश जी बिहारियों की परेशानी देखते : राबड़ी

**राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना**

**नीतीश कुमार के बयान पर राबड़ी का पलटवार**

राजद ने आरोप लगाया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार निरंतर महिलाओं की अस्मिता और गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं। राजद नेता और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने नीतीश कुमार के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि नीतीश जी, किसी के कपड़ों में झांकने से बेहतर होता कि आप बिहारवासियों के दुख, तकलीफ और परेशानियों को देखते। सदन हो, चाहे सड़क हो, चाहे चुनावी मंच हो मुख्यमंत्री सब काम धाम छोड़कर महिलाएं क्या करती हैं, क्यों करती हैं, क्या खाती हैं, क्या ओढ़ती- पहनती हैं, बच्चे क्यों पैदा करती हैं बस इन्हीं सब फालतू बातों में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि,बताइए, कह रहे हैं कि इनके आने से पहले आपके घर की महिलाएं, बहन-बेटियां कपड़े ही नहीं पहनती थीं? मुख्यमंत्री जी, यह क्या-क्या कुतर्क गढ़ रहे हैं? राजनीतिक विरोध करना है तो तर्क और तथ्यों से करिए ना की जब मर्जी अपनी तंग सोच और जुबान से महिलाओं की अस्मिता को ठेस पहुंचाएं। आप जिम्मेवार पद पर हैं थोड़ा जिम्मेवारी और मर्यादा का ख्याल रखिए।


राबड़ी देवी। फाइल

### जगन मोहन रेड्डी को रिमोट से नियंत्रित कर रहे मोदी : शर्मिला

**अमरावती, प्रेट्र :** आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने मंगलवार को आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी प्रमुख व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी मोदी की धुन पर नाच रहे हैं। मोदी जगन को रिमोट से नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने यह बयान हाल ही में अपने बड़े भाई जगन मोहन रेड्डी द्वारा की गई टिप्पणी की प्रतिक्रिया में दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू के हाथों की कठपुतली बन गई है। मणिपुर दंगों के दौरान मोदी ने रिमोट पर 'म्यूट' का बटन दबाकर जगन को चुप करा दिया था।


शर्मिला रेड्डी।

## मप्र के मालवांचल को साधेंगे मोदी, सिंधिया मांग रहे योगी की सभा

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया**

**भोपाल :** मप्र में मालवांचल की आदिवासी सीटों को साधने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह मई को धार एवं खरगोन आएंगे। इस अंचल में लोकसभा की आठ सीटें हैं, इनमें आदिवासी वर्ग के लिए तीन सीटें सुरक्षित हैं। रतलाम-झाबुआ सीट पर मोदी चुनाव से पहले भी आए थे। गौरतलब है कि 66 विधानसभा क्षेत्रों वाला मालवांचल भाजपा का गढ़ रहा है, लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को यहां 29 सीटों का नुकसान हुआ था, इसकी वजह आदिवासी वोट का कांग्रेस की तरफ झुकाव था। पिछले चुनावों में जय युवा आदिवासी शक्ति संगठन (जयस) ने यहां भाजपा को भारी नुकसान पहुंचाया था। यही वजह है कि मोदी एकसाथ दो संसदीय सीटों में चुनाव प्रचार करेंगे। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भी सत्ता की राह आसान बनाने के लिए भाजपा ने मालवांचल पर सबसे ज्यादा फोकस किया था। यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा के साथ-साथ इंदौर में रोड शो भी किया था। इधर, गुना से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की सभा करवाने की मांग कर रहे हैं।


मध्य प्रदेश

विधानसभा चुनाव 2023 में भारतीय जनता पार्टी की चुनावी नैया पार लगाने के लिए मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धुंआधार चुनावी दौरे किए थे। लोकसभा चुनाव में भी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सर्वाधिक फोकस मालवांचल और आदिवासी क्षेत्रों पर है। मोदी अब तक पहले दो चरणों के प्रचार के लिए छह बार मध्य प्रदेश आ चुके हैं। तीसरे और चौथे चरण में पीएम आदिवासी वोटबैंक को साधने में कोई कोर-कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव में सत्ता की राह आसान बनाने के लिए भाजपा ने मालवांचल में मोदी की कुल दो सभा धार और खरगोन में रखी है। इसका प्रभाव रतलाम, खंडवा, मंदसौर और इंदौर की लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा। उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी छह को रतलाम लोकसभा के जोबट और सात मई को बड़वानी यानी खरगोन लोकसभा क्षेत्र में आ रहे हैं। इसके पहले दो मई को प्रियंका गांधी वाड्रा मुरैना में सभा को संबोधित करेंगी। लोकसभा चुनाव में यह उनका मध्य प्रदेश में पहला कार्यक्रम होगा।


ज्योतिरादित्य सिंधिया।

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह मई को खरगोन आएंगे, दो मई को प्रियंका गांधी वाड्रा मुरैना में करेंगी सभा**

### गुना और राजगढ़ में आ सकते हैं यूपी के सीएम योगी

ग्वालियर-चंबल संभाग की तस्वीर इस लोकसभा चुनाव में बदली-बदली है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एट्रोसिटी एक्ट में संशोधन के कारण भाजपा को यहां नुकसान उठाना पड़ा था, पर लोकसभा चुनाव 2019 में परिणाम भाजपा के अनुकूल आए थे। वहीं, ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में भाजपा की असली परीक्षा अब होनी है। सिंधिया खुद गुना से इस बार भाजपा प्रत्याशी हैं। पिछली बार वह इसी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहते हुए भाजपा के केपी यादव से हार गए थे। यही वजह है कि सिंधिया को जिताने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सभा अशोकनगर में हो चुकी है। अब अशोकनगर और शिवपुरी में चार मई को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की सभा प्रस्तावित है। यूपी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चार मई को सभा कर रहे हैं इसलिए योगी का अंतिम कार्यक्रम अभी नहीं बना है। राजगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को शिकस्त देने के लिए भी योगी की सभा कराने की तैयारी की जा रही है।

*********

**6.66** करोड़ रुपये की करीब 20 हजार नशीले मेथ टैबलेट आइजल में असम राइफल्स ने स्पेशल नार्कोटिक्स पुलिस स्टेशन और सीआइडी के साथ मिलकर एक कार्रवाई में जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 1 मई, 2024

**नई जिम्मेदारी** ▶ नौसेना प्रमुख के रूप में एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को संभाला कार्यभार

# 'शत्रुओं से निपटने को हर समय रहना चाहिए तैयार'

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नौसेना के 26वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को कहा कि नौसेना को समुद्र में संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय तैयार रहना होगा। संचार और इलेक्ट्रानिक युद्ध विशेषज्ञ एडमिरल त्रिपाठी ने आर हरि कुमार के सेवानिवृत्ति के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। सैनिक स्कूल रीवा के पूर्व छात्र, एडमिरल त्रिपाठी नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

एडमिरल त्रिपाठी ने ऐसे समय में नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली है जब लाल सागर और अदन की खाड़ी समेत अनेक रणनीतिक जलमार्गों पर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हुई हैं, जिनमें क्षेत्र में हाउती उग्रवादियों द्वारा विभिन्न कारोबारी जहाजों को निशाना बनाया जाना शामिल है। एडमिरल त्रिपाठी ने संवाददाताओं से कहा पिछले कुछ सालों में हमारी नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और भविष्य के लिहाज से तत्पर बल के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने कहा समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना को संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय परिचालन दृष्टि से तैयार रहना होगा और यदि कहा जाए तो समुद्र में तथा समुद्र से युद्ध जीतने के लिए तैयार रहना होगा।

नए नौसेना प्रमुख ने कहा कि एडमिरल त्रिपाठी ने कहा मेरा एकमात्र ध्यान और प्रयास इस दिशा में होगा। नौसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि आत्म-निर्भरता बढ़ाने के लिए नौसेना के जारी प्रयासों को बढ़ाने पर वह प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा मैं आत्म-निर्भरता की दिशा में, नई प्रौद्योगिकियों को पेश करने में और विकसित भारत के लिए हमारे सामूहिक प्रयासों की दिशा में राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनने में भारतीय नौसेना के चल रहे प्रयासों को भी मजबूत करूंगा।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि वह बल के मानव संसाधन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान देंगे। उन्होंने नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले राष्ट्रीय समर स्मारक पर देश के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें रायसीना हिल्स के साउथ ब्लाक परिसर में गार्ड आफ आनर दिया गया। एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना प्रमुख के रूप में प्रभार संभालने से पहले अपनी मां रजनी त्रिपाठी का आशीर्वाद लिया।

**सैनिक स्कूल रीवा के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी संचार और इलेक्ट्रानिक युद्ध विशेषज्ञ हैं**

नई दिल्ली में मंगलवार को साउथ ब्लाक में आयोजित समारोह में नौसेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण करने के अवसर पर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मां रजनी त्रिपाठी का पैर छूकर आशीर्वाद लिया तथा उनके प्रति अपना स्नेह इस तरह व्यक्त किया। प्रेट्र

### आइएनएस विनाश की संभाल चुके हैं कमान

एडमिरल त्रिपाठी का 15 मई 1964 को जन्म हुआ था। दिनेश कुमार त्रिपाठी सैनिक स्कूल रीवा के छात्र रहे हैं। 1 जुलाई, 1985 को वह भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ वाइस एडमिरल त्रिपाठी का करीब 39 वर्ष का लंबा करियर रहा है।

नौसेना के उप प्रमुख का पद संभालने से पहले वह पश्चिमी नौसैन्य कमान के फ्लैट आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रह चुके हैं। उन्होंने आइएनएस विनाश की भी कमान संभाली थी। इसके अलावा, रियर एडमिरल के तौर पर वह ईस्टर्न फ्लीट के फ्लैट आफिसर कमांडिंग रह चुके हैं। वहीं, वह भारतीय नौसेना अकादमी एझिमाला के कमांडेंट भी रह चुके हैं।

# गांव से है प्यार, बघेली में करते हैं संवाद

**नईदुनिया, रीवा**

**दिनेश कुमार त्रिपाठी के नौसेना प्रमुख बनने पर गौरवान्वित हुआ सतना और रीवा**

**पिता (स्व.) मुनि प्रसाद तिवारी स्वास्थ्य विभाग में थे कंपाउंडर और माता हैं गृहिणी**

मध्य प्रदेश के दो जिले रीवा और सतना गौरवान्वित हैं कि उनका लाल दिनेश कुमार त्रिपाठी आज देश की नौसेना का प्रमुख बन गया। सतना जिले के रामपुर बाघेलान के महुडर गांव में सामान्य ब्राह्मण परिवार में जन्मे नए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने रीवा के सैनिक स्कूल के सतपुड़ा हाउस में रहकर पढ़ाई की थी। पिता (स्व.) मुनि प्रसाद तिवारी स्वास्थ्य विभाग में कंपाउंडर थे, जबकि मां रजनी तिवारी गृहिणी हैं, जो बेटे के साथ ही रहती हैं। तीन भाइयों और एक बहन में सबसे बड़े दिनेश कुमार त्रिपाठी की पांचवीं तक की शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल में ही हुई। वर्ष 1973 में उन्हें रीवा के सैनिक स्कूल में दाखिला मिला। वर्ष 1981 में यहां से निकले तो राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडगवासला, पुणे, महाराष्ट्र में प्रवेश लिया।

एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी को अपने गांव से बेहद प्यार है और समय-समय पर वे यहां आते रहते हैं। यहां इनके परिवार का मकान है। हालांकि परिवार के लोग रीवा में रहते हैं। अभी 10 दिनों पहले ही दिनेश महुडर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बचपन के मित्रों, चचेरे भाई सेवानिवृत मुख्य वन संरक्षक डा. एसपीएस तिवारी और उनसे मिलने आए बहन-बहनोई के साथ भरपूर समय बिताया। गांव के लोगों ने फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत भी किया।

दिनेश जब भी गांव में होते हैं, वह पूरा संवाद विंध्य अंचल की बोली 'बघेली' में ही करते हैं। चचेरे भाई डा. एसपीएस तिवारी ने बताया कि सैन्य स्कूल और एनडीए में प्रवेश दिलाने में दिनेश के चाचा और आइटीआइ रीवा के सेवानिवृत अनुदेशक रामलखन तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी उन्होंने ही कराई। रामलखन तिवारी गणित और भौतिकी के अच्छे शिक्षक थे। उन्होंने दिनेश को और मुझे न केवल पढ़ाया, बल्कि वे हम दोनों के मेंटर भी रहे। उन्होंने ही बताया कि दिनेश का विवाह रीवा जिले के देवतालाब क्षेत्र के देल्ही गांव में अंगिरा प्रसाद दुबे (सेवानिवृत आइएफएस) की छोटी बेटी रजनी से हुआ है।

एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी कुछ दिनों पहले जब सतना जिले के रामपुर बाघेलान स्थित अपने गांव मड्डर पहुंचे तो ग्रामीणों और मित्रों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। सौजन्य स्वजन

## न्यूज गैलरी

### विदेशियों के लिए हिरासत शिविरों के निरीक्षण का निर्देश

**नई दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को असम के राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण से दो साल से अधिक समय से हिरासत में लिए गए विदेशियों के बारे में उसे अवगत कराने को कहा है। कोर्ट ने कानूनी सेवा प्राधिकरण को विदेशियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का पता लगाने के लिए हिरासत केंद्रों का दौरा करने के लिए एक टीम गठित करने का भी निर्देश दिया है। पीठ ने कहा कि इस संबंध में एक रिपोर्ट 15 मई, 2024 तक प्रस्तुत की जाए। (प्रेट्र)

### केरल में मेयर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

**तिरुअनंतपुरम :** तिरुअनंतपुरम की मेयर आर्या राजेंद्रन द्वारा राज्य पथ परिवहन निगम की बस के एक ड्राइवर के विरुद्ध सौंपी गई शिकायत ने मंगलवार को राजनीतिक रंग ले लिया। युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने निगम परिसर के बाहर मेयर के विरुद्ध प्रदर्शन किया, जबकि भाजपा पार्षदों ने निकाय की बैठक का बहिष्कार किया। माकपा पार्षदों ने बैठक में मेयर का समर्थन किया। (प्रेट्र)

### मेघालय में उपद्रवियों ने पुलिस के दो वाहनों में आग लगाई

**शिलांग :** मेघालय के पश्चिमी जैंतिया हिल्स जिले में अज्ञात उपद्रवियों ने मंगलवार को दो पुलिस वाहनों में आग लगा दी। दोनों वाहन पुलिस रिजर्व परिसर में खड़े थे और आग से कोई हताहत नहीं हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह यह घटना हुई। उपद्रवियों ने पेट्रोल बम फेंका जिससे एक पुलिसकर्मी का वाहन जल गया और मिनी बस मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। (प्रेट्र)

### समुद्री लुटेरों ने तमिलनाडु के मछुआरों से लूटपाट की

**चेन्नई :** तमिलनाडु के नागपट्टिनम के मछुआरों के समूह पर मंगलवार को श्रीलंकाई समुद्री लुटेरों ने बीच समुद्र में हमला किया और उनके साथ लूटपाट की। हमले में घायल भारतीय मछुआरा मुरुगन को नागपट्टिनम सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्य तटीय पुलिस ने कहा कि समुद्री लुटेरों ने वाकी-टाकी और जीपीएस लूट लिए। (आइएएनएस)

### नवी मुंबई में कारोबारी से दो करोड़ की धोखाधड़ी

**ठाणे :** महाराष्ट्र के नवी मुंबई में 42 वर्षीय कारोबारी से एक व्यक्ति ने दो करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि धोखाधड़ी करने वाले ने स्वयं को केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में उच्चाधिकारी बताकर पीड़ित को कर्ज दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की। (प्रेट्र)

# भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी : थलसेना प्रमुख

**मंतव्य** ▶ जनरल मनोज पांडे ने स्वदेशी सैन्य क्षमताएं विकसित करने पर दिया जोर

### कहा, प्रौद्योगिकी आयात पर निर्भर रहने से विशिष्ट क्षेत्रों में पीछे रह जाएंगे

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने मंगलवार को कहा कि युद्ध अब अंतरिक्ष, साइबर, विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम और सूचना प्रणाली जैसे नये क्षेत्रों में पहुंच गया है। भारत को भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए स्वदेशी क्षमताएं विकसित करनी होंगी।

सेना प्रमुख ने विशेष रूप से सशस्त्र बलों में प्रौद्योगिकी बढ़ाने और आत्मनिर्भरता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों अलग-अलग हैं फिर भी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जनरल पांडे ने कहा कि भारत को अपनी स्वदेशी सैन्य क्षमताएं विकसित करनी चाहिए क्योंकि कोई भी देश उसके साथ नवीनतम, उन्नत और महत्वपूर्ण तकनीक साझा नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि आज पारंपरिक सैन्य बल अनुपात गौण हो गया है। जनरल पांडे ने चौथे जनरल के सुंदरजी स्मृति व्याख्यान में यह टिप्पणी की।

उन्होंने युद्ध के मैदान पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने की जरूरत पर प्रकाश डाला। सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध लड़ने की प्रणालियों में प्रौद्योगिकी को शामिल करने और तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने की अनिवार्यता आज भी कायम है। सेना प्रमुख ने कहा कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए आयात पर निर्भर रहने से विशिष्ट क्षेत्रों में पीछे रह जाने का जोखिम रहता है। उन्होंने कहा कि इसलिए इसका जवाब आत्मनिर्भर होने और स्वदेशी अनुसंधान और विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करना होगा।

जनरल पांडे ने कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में साइबर क्षेत्र की बढ़ती अहमियत के परिणामस्वरूप डिजिटल टकराव नए युद्धक्षेत्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि आज सूचना क्षेत्र ने नए आयाम प्राप्त कर लिए हैं। जब हम युद्धक्षेत्र के डिजिटलीकरण के बारे में बात करते हैं, तो हम सैन्य उपकरणों की मारक क्षमता और सटीकता में कई गुना वृद्धि और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स और नैनो-प्रौद्योगिकी जैसी तकनीक के प्रसार में वृद्धि भी कर रहे हैं। जनरल पांडे ने कहा कि उनका बल स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अपनी ओर से आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपनी क्षमता के विकास और जीविका आवश्यकताओं को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली में मंगलवार को जनरल के सुंदरजी चौथे स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे। प्रेट्र

# सेक्स स्कैंडल मामले में घिरे सांसद प्रज्वल रेवन्ना जदएस से निलंबित

**बेंगलुरु, प्रेट्र :** जनता दल सेक्युलर (जदएस) ने कथित सेक्स स्कैंडल में संलिप्तता के लिए हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना को मंगलवार को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

हुबली में पार्टी की कोर कमेटी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से रेवन्ना को निलंबित करने की सिफारिश की थी, जिसके चंद मिनटों बाद ही हासन के सांसद को निलंबित कर दिया गया। निलंबन आदेश में कहा गया है, 'हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के कथित उत्पीड़न के वीडियो इंटरनेट मीडिया और मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित हो रहे हैं, जिसके चलते पार्टी और आलाकमान को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है।' आदेश में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) गठित किए जाने का भी जिक्र किया गया है। पार्टी महासचिव केआर शिवकुमार द्वारा हस्ताक्षरित निलंबन आदेश जदएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मंजूरी के बाद मीडिया में जारी किया गया। उल्लेखनीय है कि 33 वर्षीय प्रज्वल रेवन्ना एचडी देवेगौड़ा के बड़े पुत्र एवं विधायक एचडी रेवन्ना के पुत्र हैं। देवेगौड़ा के छोटे पुत्र एचडी कुमारस्वामी पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदएस के प्रदेश अध्यक्ष हैं।

कोर कमेटी की बैठक के बाद कुमारस्वामी ने बताया कि प्रज्वल को निलंबित करने का फैसला एवं निलंबन की अवधि एसआइटी की जांच रिपोर्ट और उस पर सरकार की कार्रवाई पर आधारित होगी। उन्होंने कहा, 'हम एसआइटी जांच का स्वागत करते हैं। निलंबन प्रज्वल की भूमिका पर एसआइटी की रिपोर्ट तक है। अगर रिपोर्ट में आता है कि वह दोषी हैं तो उन्हें स्थायी रूप से बाहर कर दिया जाएगा।'

इस बीच, ष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले में कर्नाटक पुलिस से तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने आरोपित की गिरफ्तारी के लिए तुरंत और निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया है। बताया जा रहा है कि प्रज्वल देश से भाग गए हैं।

प्रज्वल रेवन्ना (फाइल)। इंटरनेट मीडिया

# संदेशखाली : शिकायतकर्ताओं के दस्तावेज की सीबीआई ने जांच की

**राज्य ब्यूरो ● जागरण**

**कोलकाता:** सीबीआइ की एक टीम ने मंगलवार को बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली का दौरा किया और शिकायतकर्ताओं से बात की और क्षेत्र में भूमि कब्जाने की अपनी जांच के संबंध में उनके दस्तावेज की जांच की।

एक अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय बलों के साथ सीबीआइ अधिकारियों ने उन लोगों से बात की जिन्होंने निलंबित टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों पर जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। सीबीआइ अधिकारी ने बताया कि हमारी टीमें संदेशखाली का दौरा कर रही हैं और ग्रामीणों से बात कर रही हैं। इस दिन अधिकारियों ने उन ग्रामीणों से बात की जिन्होंने जमीन हड़पने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी और उनके दस्तावेजों की भी जांच की। इस महीने की शुरुआत में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआइ जांच का आदेश दिया था, जहां इन मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन देखा गया था।

### अभिषेक के विरुद्ध अदालत की अवमानना का मामला दायर करने को आवेदन

**राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता:** बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद अब उनके सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी के विरुद्ध अदालत की अवमानना का मामला दायर करने के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट में आवेदन किया गया है। यह आवेदन भाजपा नेता कौस्तव बागची की ओर से दाखिल किया गया है, जिस पर अदालत ने कहा कि चूंकि मुख्यमंत्री के विरुद्ध पहले से इस तरह का मामला दायर किया जा चुका है इसलिए इसे पृथक तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता, हालांकि इसे उस मामले के साथ संलग्न करने के लिए आवेदन किया जा सकता है। मालूम हो कि हाई कोर्ट की ओर से 25,000 से अधिक शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति रद करने पर प्रतिक्रिया में अभिषेक ने कहा था कि जजों की भाजपा से फिक्सिंग है। भाजपा ने मैच फिक्सिंग की तरह कोर्ट फिक्सिंग की है।

# पतंजलि मामले में लाइसेंसिंग प्राधिकरण को कड़ी फटकार

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

**सुप्रीम कोर्ट ने अथारिटी के हलफनामे पर जताया असंतोष, बेहतर हलफनामे के लिए दिया समय**

**रामदेव व पतंजलि की सार्वजनिक माफी पर संतोष, कहा-भाषा में पहले से है सुधार**

सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि के खिलाफ कार्रवाई में ढिलाई और कई वर्षों तक निष्क्रियता पर मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने उत्तराखंड लाइसेंसिंग अथारिटी के वर्तमान और पूर्व अधिकारियों की ओर से दाखिल हलफनामों पर असंतोष जताया। कहा प्रतीत होता है कि राज्य लाइसेंसिंग अथारिटी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सक्रिय हुई और उसने कार्रवाई की। छह साल तक कार्रवाई को लेकर नरमी क्यों बरती गई। सात-आठ दिन के अंदर अथारिटी ने वो सब कर लिया जो उसे कानून के मुताबिक करना चाहिए था। कोर्ट ने अथारिटी से सवाल किया कि वर्षों की निष्क्रियता पर क्या कहेंगे। कोर्ट ने अथारिटी को बेहतर हलफनामा दाखिल करने का समय देते हुए मामले की सुनवाई सात मई तक स्थगित कर दी।

दूसरी ओर, रामदेव की ओर से अखबारों में प्रकाशित सार्वजनिक माफी का ब्योरा कोर्ट के सामने पेश किया गया। कोर्ट ने माफी की भाषा में सुधार और सार्वजनिक माफी में पतंजलि के अलावा रामदेव और बालकृष्ण का नाम भी छपने पर संतोष जताया। कोर्ट ने भाषा में सुधार की सराहना की। हालांकि अखबारों में छपी सार्वजनिक माफी की मूल प्रतियां कोर्ट में दाखिल नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई और अगली सुनवाई पर मूल प्रतियां दाखिल करने का आदेश दिया। उत्तराखंड लाइसेंसिंग अथारिटी की ओर से बताया गया कि पतंजलि की 14 औषधियों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। साथ ही उनके खिलाफ अदालत में शिकायत भी दाखिल की गई है। यही नहीं अथारिटी ने कोर्ट से बिना शर्त माफी भी मांगी।

भ्रामक विज्ञापन प्रकरण में मंगलवार को नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत होने के बाद प्रस्थान करते योग गुरु बाबा रामदेव। प्रेट्र

### 'आइएमए भी परिणाम भुगतने को तैयार रहे'

**नई दिल्ली :** पंतजलि मामले में आइएमए के अध्यक्ष के मीडिया में दिए इंटरव्यू में सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही पर बयानबाजी पर सर्वोच्च अदालत ने कड़ा एतराज जताया है। कोर्ट ने कहा आइएमए भी परिणाम भुगतने को तैयार रहे। बाबा रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. आरवी अशोकन के मीडिया में आए साक्षात्कार का जिक्र करते हुए उसमें सुप्रीम कोर्ट पर की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने कहा कि अगर ऐसा है तो अब तक जो हुआ यह बहुत गंभीर बात है। आप खुद को ही सर्टिफिकेट कैसे दे सकते हैं। अब आप गंभीर परिणामों के लिए तैयार रहिए। एक इंटरव्यू में आइएमए के अध्यक्ष डा. आरवी अशोकन ने कहा था कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने आइएमए व प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डाक्टरों की आलोचना की है।

### पतंजलि पर जीएसटी का शिकंजा, 27.46 करोड़ का नोटिस जारी

**जागरण संवाददाता, देहरादून:** रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद चौतरफा संकट के बादल मंडराते दिख रहे हैं। आइटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) के गलत क्लेम के मामले में डायरेक्टोरेट जनरल आफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआइ) की चंडीगढ़ यूनिट ने पतंजलि फूड्स को 27.46 करोड़ रुपये की वसूली को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि कंपनी से क्यों न 27.46 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट की वसूली की जाए।

कंपनी पर आरोप है कि जिस माल की वास्तविक आवक हुई ही नहीं है, उस पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ कैसे प्राप्त कर लिया। ऐसे में इस राशि को कंपनी को वापस करना पड़ सकता है या कंपनी पर विधिक कार्रवाई भी की जा सकती है।

## मिलेगी राहत

**दो दिन पहले छह देशों को 99,150 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी, देश में इस बार लगभग 800 लाख टन प्याज उत्पादन का अनुमान**

# निर्यात की अनुमति देकर सरकार ने प्याज किसानों को साधा

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले जब प्याज के दाम आसमान चढ़ रहे थे तो उपभोक्ताओं की जेब हल्की हो रही थी। अब नई फसल के आने के बाद खुले बाजार में प्याज की गिरती कीमतों ने किसानों को बेचैन कर रखा है। केंद्र सरकार ने पांच माह से प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाकर काफी हद तक किसानों को राहत देने का प्रयास किया है, लेकिन सरकार के इस कदम को चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि किसानों को साधने के लिए यह कदम उठाया गया है। केंद्र ने दो दिन पहले छह देशों बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, भूटान, बहरीन, मारीशस और श्रीलंका को 99,150 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी है। इसके साथ ही केंद्र ने मध्य-पूर्व और कुछ यूरोपीय देशों के बाजारों के लिए विशेष रूप से उपजाए गए दो हजार टन सफेद प्याज के निर्यात की अनुमति दी है। किसान इसे नाकाफी मान रहे हैं। देश में इस बार लगभग 800 लाख टन प्याज उत्पादन का अनुमान है। ऐसे में सिर्फ 99 हजार टन प्याज के निर्यात की अनुमति देने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है। किसानों की मांग है कि कम से कम 15 लाख टन प्याज के निर्यात को मंजूरी दी जाए।

पिछले वर्ष प्याज की खरीफ और रबी दोनों फसलों का उत्पादन कम हुआ था, जिसके चलते दाम बढ़ने लगे थे। केंद्र सरकार ने बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाकर बढ़ते दाम पर नियंत्रण के लिए पिछले आठ दिसंबर को निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था। यह अवधि 31 मार्च को खत्म हो रही थी, किंतु चुपचाप इसे आगे बढ़ा दिया गया। देश में सबसे ज्यादा प्याज का उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। इस बार भी बंपर उत्पादन हुआ है। ऐसे में निर्यात पर प्रतिबंध के चलते घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमत लगातार गिरने लगी। उपभोक्ताओं के लिए तो यह राहत की बात है, लेकिन किसानों की परेशानी यहीं से शुरू हो गई। पर्याप्त भंडारण की समस्या के कारण किसान अपनी फसल को औने-पौने कीमत में बेचने पर मजबूर होने लगे। ऐसे में केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात की अनुमति देकर किसानों एवं उपभोक्ताओं में संतुलन साधने का प्रयास किया है।

किसानों के हित में लिया निर्यात का निर्णय। प्रतीकात्मक

### पांच लाख टन प्याज का भंडारण

मूल्य नियंत्रण कोष के तहत केंद्र सरकार ने रबी प्याज की बफर खरीद का लक्ष्य इस वर्ष पांच लाख टन निर्धारित किया है। केंद्रीय खरीद एजेंसियां भंडारण योग्य प्याज की खरीद शुरू करने के लिए एफपीओ समेत अन्य स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। शीतगृहों एवं स्टाक में भंडारण के दौरान प्याज के होने वाले नुकसान को घटाकर दस प्रतिशत तक लाने का प्रयास किया जा रहा है।

# पुराना अधिनियम रद कर नया विस्फोटक कानून लाने की योजना

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** कारोबारी सुगमता को बढ़ाने के लिए सरकार 1884 के मौजूदा विस्फोटक अधिनियम को नए कानून से बदलने की योजना बना रही है। प्रस्तावित मसौदे में प्रविधानों का उल्लंघन करने पर कड़ी सजा और बड़ी जुर्माना राशि का प्रस्ताव किया गया है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) ने प्रस्तावित विस्फोटक विधेयक 2024 के मसौदे पर सुझाव मांगे हैं।

प्रस्तावित विस्फोटक विधेयक 2024 में कहा गया है कि केंद्र सरकार नए अधिनियम के तहत लाइसेंस देने, निलंबित करने, रद्द करने अथवा कुछ अन्य कार्य करने के लिए सक्षम प्राधिकारी निर्धारित करेगी। वर्तमान में डीपीआइआइटी के अधीन पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के पास किसी भी विस्फोटक के निर्माण, प्रयोग, बिक्री, आयात और निर्यात के लिए लाइसेंस देने का अधिकार है। नए विधेयक में यह भी प्रस्ताव है कि लाइसेंसिंग प्राधिकारी लाइसेंस में विस्फोटक की मात्रा के साथ स्पष्ट करेगा और नियत अवधि तक लाइसेंसधारक विस्फोटक का निर्माण, भंडारण, बिक्री, परिवहन, आयात या निर्यात कर सकता है। यदि कोई निर्माण, आयात व निर्यात का लाइसेंसधारक किसी भी प्रविधान का उल्लंघन करता है तो मसौदा विधेयक में तीन साल कैद या एक लाख रुपये का जुर्माना अथवा दोनों का प्रस्ताव किया गया है। मौजूदा विस्फोटक अधिनियम में उल्लंघन पर तीन साल कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने का प्रविधान है।

**डीपीआइआइटी ने प्रस्तावित विस्फोटक विधेयक मसौदे पर मांगे सुझाव**

********

20 ब्लाकों की नीलामी होगी चौथे दौर में दुर्लभ खनिज के लिए। खनन सचिव वीएल कांता राव ने जून के अंत में होने वाली इस नीलामी के परिणामों की घोषणा एक महीने के अंदर की जाएगी। दुर्लभ खनिज के 100 से ज्यादा ब्लाक नीलामी के लिए तैयार हैं।



# एस्ट्राजेनेका ने पहली बार मानी वैक्सीन से खून का थक्का जमने के खतरे की बात

**लंदन, प्रेट्र :** वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने पहली बार स्वीकार किया कि कोविशील्ड जैसे ब्रांड के तहत बेची जाने वाली कोरोनारोधी वैक्सीन का दुष्प्रभाव हो सकता है। कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट को सौंपे दस्तावेज में स्वीकार किया है कि वैक्सीन लेने के बाद खून के थक्के जमने और प्लेटलेट की संख्या घटने संबंधी दुष्प्रभाव का खतरा रहता है।

ब्रिटेन के अखबार 'द डेली टेलीग्राफ' की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में लंदन हाई कोर्ट को सौंपे दस्तावेज में एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया कि कोरोना से बचाने के लिए आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ विकसित उसकी वैक्सीन थ्रोम्बोसिस थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) का कारण बन सकता है। हालांकि यह दुष्प्रभाव दुर्लभ मामलों में होता है। एस्ट्राजेनेका की वैक्सजेवरिया वैक्सीन भारत में सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआइआइ) कोविशील्ड नाम से बनाती है। एसआइआइ ने इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अखबार ने दस्तावेज के हवाले से कहा, स्वीकार किया गया है कि एस्ट्राजेनेका वैक्सीन दुर्लभ मामलों में रक्त के थक्के जमा सकती है और प्लेटलेट की संख्या को घटा सकती है।

- ब्रिटेन के हाई कोर्ट को सौंपे दस्तावेज में स्वीकारा, वैक्सीन लेने के बाद रहता है टीटीएस का खतरा
- दुर्लभ मामलों में होता है खून के थक्के जमने और प्लेटलेट की संख्या घटने संबंधी खतरा

एस्ट्राजेनेका कोविशील्ड। फाइल

लेकिन इसका कारण अज्ञात है। यह दुष्प्रभाव एस्ट्राजेनेका टीका (या कोई अन्य टीका) नहीं लगाने की स्थिति में भी देखने को मिल सकता है।

गौरतलब है कि एस्ट्राजेनेका पर आरोप है कि उसकी वैक्सीन के कारण लोगों को मौतें हुई हैं। इस मामले में कंपनी पर ब्रिटेन में मुकदमा चल रहा है। मुकदमा दायर करने वालों की ओर से पेश हुए वकीलों ने कहा कि वे या उनके प्रियजन, जिन्होंने एस्ट्राजेनका टीका लगवाया है, उनमें दुर्लभ लक्षण पाया गया है। वैक्सीन लेने के बाद खून के थक्के जमने और प्लेटलेट की संख्या को घटने संबंधी दुष्प्रभाव हुआ है। वैक्सीन के दुष्प्रभाव को लेकर एस्ट्राजेनेका यूके लिमिटेड के खिलाफ ब्रिटेन के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत क्षतिपूर्ति के लिए अदालत में मुकदमा दायर किया गया है। वादियों का प्रतिनिधित्व ला कंपनी ली डे कर रही है। ला फर्म में साझेदार सारा मूर ने कहा, सभी वादियों के पास मृत्यु प्रमाण पत्र या मेडिकल साक्ष्य हैं जो इसकी पुष्टि करते हैं कि टीके के कारण मौतें हुई या शरीर को नुकसान पहुंचा, लेकिन एस्ट्राजेनेका को यह स्वीकारने में एक साल लग गया कि उसकी वैक्सीन ने नुकसान पहुंचाया। वादियों का कहना है कि एस्ट्राजेनेका टीका सुरक्षा मानदंडों पर खरा उतरने में नाकाम रही। हालांकि, ब्रिटिश-स्वीडिश बहुराष्ट्रीय कंपनी एस्ट्राजेनेका ने इन दावों से इन्कार किया है। कंपनी ने कहा, हमारी सहानुभूति उन लोगों के प्रति है जिन्होंने प्रियजनों को खोया या जिन्हें स्वास्थ्य समस्याएं हुई हैं। टीके से संबंधित जानकारी अप्रैल 2021 में ब्रिटेन नियामक की मंजूरी के साथ अपडेट की गई थी, जिसमें आशंका को शामिल किया गया था कि एस्ट्राजेनेका-आक्सफोर्ड टीका दुर्लभ मामलों में टीटीएस का कारण बन सकता है।

### डाक्टर बोले-कोविशील्ड टीके लेने वाले लोगों को घबराने की जरूरत नहीं

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** कोरोनारोधी कोविशील्ड टीके से कुछ दुर्लभ लोगों में दुष्प्रभाव की खबर चर्चा में है। इस बीच डाक्टरों का कहना है कि कोई भी दवा या टीका सौ प्रतिशत सुरक्षित नहीं होता। थोड़ा दुष्प्रभाव हर दवा का होता है। उस दवा व टीके से कितने लोगों की जान बची यह अहम बात है। इसलिए टीके को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। दिल्ली मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन डा. अरुण गुप्ता ने कहा कि हर दवा व टीके का कुछ रेयर साइड इफेक्ट होता है। पैरासिटामोल का भी कुछ साइट इफेक्ट होता है। यदि नुकसान से फायदा अधिक हो तो इस्तेमाल किया जाता है। अधूरी जानकारी और अफवाहों से बचा जाना चाहिए। एम्स के कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डा. संजय राय ने कहा कि जब कोरोना संक्रमण शुरू हुआ, उस समय इस बीमारी से बचाव का विकल्प नहीं था। विज्ञान में फायदा व जोखिम की तुलना की जाती है।

## कोविशील्ड के दुष्प्रभाव की स्वीकारोक्ति को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय हुआ सतर्क

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- एस्ट्राजेनेका ने वैक्सीन से कुछ मामलों में दुर्लभ बीमारी टीटीएस होने की बात स्वीकारी

कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के दुष्प्रभाव पर वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका की स्वीकारोक्ति पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क हो गया है। किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के पहले एस्ट्राजेनेका की लंदन में अदालत में दिए गए हलफनामे को देखना चाहता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने पूरी दुनिया में सक्रिय वैक्सीन विरोधी लाबी का हवाला देते हुए कहा कि एस्ट्राजेनेका के हलफनामे में दिए गए तथ्यों को जानना जरूरी है। वैक्सीन के दुष्प्रभाव की भारत में दो स्तरों पर निगरानी की जा रही है। खून के थक्के जमने वाली दुर्लभ बीमारी थ्रोम्बोसिस थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) के मामले सामने नहीं आए हैं। भारत में सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा बनाए गए कोविशील्ड का कोरोना रोधी टीकाकरण में इस्तेमाल किया गया था।

अदालत में एस्ट्राजेनेका की इस स्वीकारोक्ति के बाद कि कुछ मामलों में टीटीएस के लक्षण दिखे हैं भारत समेत पूरी दुनिया में कोविशील्ड वैक्सीन लेने वालों में चिंता स्वाभाविक है। फिलहाल मंत्रालय के अधिकारी कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एस्ट्राजेनेका का हलफनामा देखने के बाद ही इस बारे में कुछ कहा जा सकता है। वहीं मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भारत में वैक्सीन के दुष्प्रभाव की निगरानी की दोहरी प्रणाली है, जो आज भी काम कर रही है। एक तरफ आइसीएमआर के विशेषज्ञों की टीम अध्ययन करती है, तो दूसरी ओर चिकित्सा सेवाओं का महानिदेशालय (डीजीएचएस) भी इसकी निगरानी करता है। डीजीएचएस की देश भर में शाखाएं हैं। आइसीएमआर और डीजीएचएस दोनों में से किसी ने भी अभी तक किसी भी कोरोना वैक्सीन के गंभीर दुष्प्रभाव के गंभीर मामलों की रिपोर्ट नहीं दी है।

## मुरादाबाद में बच्चे के कान से सुनने की डिवाइस लूट ले गए बाइक सवार

**जागरण संवाददाता, मुरादाबाद :** रुपये और जेवरात की लूट तो आपने सुनी होगी, लेकिन मंगलवार को यूपी के मुरादाबाद में अजीबोगरीब लूट हुई। बाइक सवार दो लोग दोपहर पांच वर्षीय राघव राजपूत के कानों से कोक्लियर इंप्लांट कर लगाई डिवाइस को निकालकर ले गए। वह मां के साथ तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी (टीएमयू) हास्पिटल स्पीच थेरेपी कराने जा रहा था। डिवाइस की कीमत पांच लाख बताई जा रही है। पुलिस लुटेरों का सुराग नहीं लगा सकी है।

केंद्र सरकार के नेशनल इंस्टीटयूट आफ स्पीच एंड हियरिंग डिसेबिलिटीज की एडीआइपी योजना के तहत राघव को यह निशुल्क लगाया गया था। बता दें, यह एक छोटा इलेक्ट्रानिक चिकित्सा उपकरण है जो मध्यम से गंभीर श्रवण हानि में सुधार करता है। अधिवक्ता नकुल सिंह का बेटा राघव जन्म से सुन नहीं सकता। अगस्त, 2023 में उसकी कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की गई थी। लेकिन सप्ताह में दो बार उसे स्पीच थेरेपी करानी पड़ती थी। वह मां कुसुमलता के साथ आटो से जा रहा था। सड़क पर दो बाइक सवार रांग साइड से आकर उसके कान से डिवाइस निकाल ले गए।

# मणिपुर में निर्वस्त्र कर घुमाई गईं महिलाओं को पुलिस ने ही किया था भीड़ के हवाले

## सीबीआइ ने पिछले साल अक्टूबर में गुवाहाटी की विशेष अदालत में दायर किया आरोपपत्र

- पिछले साल जुलाई में वीडियो प्रसारित होने के बाद सामने आया था मामला, सीबीआइ को सौंपा गया है मामला

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** पिछले साल मणिपुर हिंसा के दौरान भीड़ से बचने के लिए मदद की गुहार लगाने वाली कुकी-जोमी समुदाय की दो महिलाओं को पुलिस ने ही दंगाइयों को सौंप दिया था। इसके बाद भीड़ ने दोनों महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया और उनका यौन उत्पीड़न भी किया था। यह बात सीबीआइ ने अपने आरोपपत्र में कही है।

मणिपुर में चार मई को हुई इस घटना का वीडियो जुलाई में सामने आया था। वीडियो में भीड़ महिलाओं को निर्वस्त्र परेड कराती दिख रही थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस घटना पर पीड़ा जाहिर की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था इस घटना ने 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार किया है। सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई थी।

मणिपुर पुलिस। फाइल

सीबीआइ ने पिछले साल 16 अक्टूबर को गुवाहाटी में सीबीआइ के मामलों से संबंधित विशेष अदालत के जज के समक्ष छह आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र और एक नाबालिग के खिलाफ चाइल्ड इन कन्फ्लिक्ट विद द ला (सीसीएल) दायर किया। 18 वर्ष से कम उम्र के आरोपित के खिलाफ सीसीएल दायर किया जाता है।

आरोपपत्र के अनुसार दोनों महिलाएं लगभग 900- एक हजार लोगों से बचकर भाग रही थीं। भीड़ के पास एके राइफल, एसएलआर, इंसास और .303 राइफल जैसे अत्याधुनिक हथियार थे। भीड़ कांगपोकपी जिले में उनके गांव में जबरन घुस गई थी। महिलाएं अन्य पीड़ितों के साथ भीड़ से बचने के लिए जंगल में भागीं, लेकिन दंगाइयों ने उन्हें देख लिया। दोनों महिलाएं और एक पुरुष किस तरह पुलिस जिप्सी तक पहुंचे, जिसमें दो पुलिसकर्मी और चालक बैठे थे। गाड़ी के बाहर तीन-चार कर्मी थे।

पीड़ितों में से एक ने चालक से उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए कहा, लेकिन चालक ने कहा कि उसके पास चाबी नहीं है। पीड़ित महिलाओं में से एक महिला कारगिल युद्ध में देश के लिए पराक्रम दिखाने वाले सैनिक की पत्नी हैं।

आरोपपत्र के अनुसार पीड़ितों ने पुलिसकर्मियों से उन्हें सुरक्षित निकालने की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं दी गई। जब भीड़ जिप्सी की ओर आई तो पुलिसकर्मियों ने पीड़ितों को भीड़ के हवाले कर दिया और मौके से भाग गए। दंगाइयों ने महिलाओं को बाहर खींच लिया, उन्हें निर्वस्त्र कर घुमाया और बाद में उनका यौन उत्पीड़न किया।

### सेना को जब्त किए गए हथियार, गोला-बारूद ले जाने से रोका

**इंफाल, प्रेट्र :** मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने सेना को जब्त किए गए हथियार और गोला-बारूद ले जाने से रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि कुंबी इलाके में गश्त के दौरान सेना की 2 महार रेजिमेंट के जवानों ने मंगलवार तड़के दो वाहनों को रोका। सेना के जवानों को देखकर दोनों वाहनों में सवार लोग अपने हथियारों को छोड़कर भाग गए। थोड़ी देर बाद 'मीरा पैबिस' - मैतेयी महिलाओं का समूह मौके पर इकट्ठा हुआ और मांग की कि हथियार उन्हें सौंप दिए जाएं। संघर्ष खत्म होने तक कोई भी हथियार जब्त नहीं किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि सैकड़ों महिलाओं ने सड़क अवरुद्ध कर दी और सेना के काफिले को क्षेत्र से बाहर जाने से रोक दिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सेना ने हवा में गोलियां चलाईं। घटना की जानकारी मिलने पर राज्य पुलिस बल इलाके में पहुंचा। इस बात पर सहमति बनी कि सेना हथियार पुलिस को सौंप देगी।

# मथुरा में ढाई एकड़ में बनी शाही ईदगाह कोई मस्जिद नहीं : मंदिर पक्ष

**जागरण संवाददाता, प्रयागराज**

- श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह विवाद में हो रही सुनवाई
- मंदिर पक्ष ने कहा-वक्फ व वर्शिप एक्ट जन्मभूमि में लागू नहीं
- ईदगाह में वर्ष दो बार नमाज पढ़ी जाती है, जबकि मस्जिद में दिन में पांच बार

इलाहाबाद हाई कोर्ट में मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद की मंगलवार को हुई सुनवाई में मंदिर पक्ष ने तर्क दिया कि ढाई एकड़ में बनी शाही ईदगाह कोई मस्जिद नहीं है। ईदगाह में वर्ष भर में केवल दो बार नमाज पढ़ी जाती है, जबकि मस्जिद में दिन भर में पांच बार नमाज होती है। बुधवार को भी सुनवाई जारी रहेगी। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन के समक्ष मंगलवार सुबह 11:30 बजे शुरू हुई सुनवाई शाम चार बजे के बाद तक चली। मंदिर पक्ष ने दोहराया कि ईदगाह को हटाने की मांग संबंधी सिविल वाद पोषणीय हैं और उपासना स्थल अधिनियम 1991 के प्रविधान प्रकरण में लागू नहीं होंगे। सिविल वादों की पोषणीयता को लेकर मस्जिद पक्ष ने अर्जी दी है। उसकी तरफ से तय बिंदुओं के जवाब में मंदिर पक्ष की तरफ से बहस की जा रही है।

मंदिर पक्ष की ओर से कहा गया कि वाद पोषणीय है या नहीं? यह साक्ष्यों पर विचार करने के बाद तय किया जा सकता है। अधिवक्ता राहुल सहाय ने कहा कि 1991 के अधिनियम में धार्मिक चरित्र परिभाषित नहीं किया गया है। स्थान/

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि। फाइल

संरचना का धार्मिक चरित्र केवल साक्ष्य द्वारा तय हो सकता है। उन्होंने ज्ञानवापी मामले में पारित निर्णय को भी प्रस्तुत किया, जिसमें अदालत ने माना था कि धार्मिक चरित्र केवल सिविल कोर्ट द्वारा तय किया जा सकता है। यह भी कहा गया कि वक्फ अधिनियम के प्रविधान भी प्रकरण में लागू नहीं होंगे क्योंकि विवादित संपत्ति वक्फ संपत्ति ही नहीं है। विवादित संपत्ति एक मंदिर और कटरा केशव देव के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। मंदिर पक्ष का कहना था कि बलपूर्वक कब्जा करने के बाद विवादित ढांचा खड़ा कर नमाज पढ़ना शुरू कर दिया गया और इस तरह भूमि या स्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता। ढाई एकड़ में बनी शाही ईदगाह कोई मस्जिद नहीं है। ईदगाह में केवल साल भर में दो बार नमाज पढ़ी जाती है जबकि, मस्जिद में दिन भर में पांच बार नमाज होती है। प्रतिवादी के पास कोई ऐसा रिकार्ड नहीं है। सिविल प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) का आदेश सात नियम 11 वाद में लागू नहीं होता। इसलिए मस्जिद पक्ष की अर्जी खारिज की जाए।

**18 वादों पर चल रही सुनवाई :** बता दें, इलाहाबाद हाई कोर्ट में श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद को लेकर कुल 18 वादों पर सुनवाई चल रही है। मंगलवार को वाद संख्या नौ, 13 और 18 में विस्तृत पक्ष रखा गया। अन्य वादों में संक्षिप्त चर्चा हुई। अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने कहा कि 1968 का श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ और शाही ईदगाह मस्जिद के बीच समझौता अवैध व शून्य है। इसमें भगवान बाल कृष्ण विराजमान और श्री कृष्णजन्मभूमि ट्रस्ट पक्षकार नहीं थे। उन्होंने यह भी कहा कि गैर मुस्लिमों पर वक्फ एक्ट के प्रविधान लागू नहीं होते।

## इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर की याचिका पर क्रिकेटर पृथ्वी शा को समन

**मुंबई, प्रेट्र :** इंटरनेट मीडिया इन्फ्लूएंसर सपना गिल की याचिका पर मुंबई की एक सत्र अदालत ने मंगलवार को क्रिकेटर पृथ्वी शा को समन जारी किया। गिल ने क्रिकेटर के खिलाफ शिकायत में एक मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी है। अंधेरी की एक मेट्रोपालिटन अदालत ने गिल की याचिका पर पुलिस जांच का आदेश दिया था, जिसमें पब में छेड़छाड़ करने के लिए शा के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

हालांकि, इसने गिल की अन्य याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें शा और उसके दोस्त के खिलाफ मामला न दर्ज करने के लिए पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। दोनों आदेशों से असंतुष्ट इन्फ्लूएंसर ने मलाड की एक सत्र अदालत के समक्ष समीक्षा आवेदन दायर किया है। वकील अली काशिफ खान के माध्यम से दायर गिल की याचिका में दावा किया गया कि मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश अनियमित और अवैध है और अदालत ने इसे पारित करने में गंभीर गलती की है।

# अटल टनल के पास हिमखंड गिरा, चंद्रा नदी का बहाव रुका

**जागरण टीम, शिमला/मनाली**

- धूप खिलने से गेहूं की कटाई में जुटे किसान
- लाहुल स्पीति व किन्नौर में हिमस्खलन की आशंका

प्रदेश में मंगलवार को मौसम खुला और धूप खिली। इससे गेहूं की कटाई में जुटे किसानों को राहत मिली है। हालांकि, ऊपरी क्षेत्रों में हिमस्खलन ने चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार सुबह अटल टनल रोहतांग के नार्थ पोर्टल के पास हिमखंड आ गिरा। इससे चंद्रा नदी का बहाव एक घंटे तक रुका रहा। इस जगह कुछ दिन पहले भी हिमखंड गिरने से नदी का बहाव रुक गया था। लाहुल स्पीति व किन्नौर में हिमस्खलन की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में आधा फीट के लगभग हिमपात हुआ है, लेकिन पहाड़ियों में एक से डेढ़ फीट बर्फ की मोटी परत बिछी है। सोमवार देर रात अटल टनल के पास फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। 1000 वाहनों में करीब छह हजार पर्यटक हिमपात के कारण फंसे थे।

सोमवार को भारी हिमपात से रोहतांग, शिंकुला, कुंजम व बारालाचा में बर्फ के ढेर लग गए हैं। इस कारण शिंकुला व बारालाचा दर्रों में वाहनों की आवाजाही में देरी होगी। दूसरी ओर सिस्सू में भूस्खलन होने से मार्ग बार-बार बंद हो रहा है। यहां

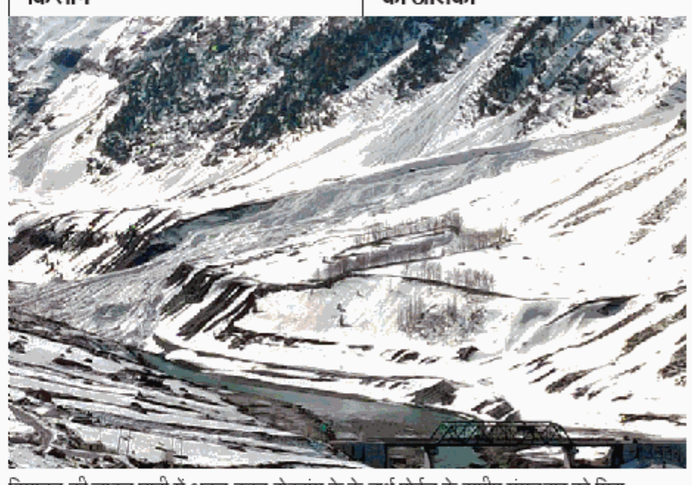
हिमाचल की लाहुल घाटी में अटल टनल रोहतांग के के नार्थ पोर्टल के समीप मंगलवार को गिरा हिमखंड। इसके कारण चंद्रा नदी का बहाव एक घंटा तक रुका रहा। मौसम साफ होते ही लाहुल घाटी में हिमस्खलन का खतरा बढ़ गया है। सौजन्य पाठक

वाया नर्सरी वाहनों को भेजा जा रहा है। तीन दिन हुई भारी वर्षा से चंबा में कई मार्ग बंद हो गए। पठानकोट-चंबा-भरमौर एनएच पर जगह-जगह भूस्खलन हुआ।

**चार मई को फिर सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ :** मौसम विभाग के अनुसार चार मई से एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने का अनुमान है। हालांकि, यह अधिक प्रभावी नहीं होगा। इस दौरान कुछ स्थानों पर आंधी व बिजली गिरने का

### इस वर्ष दक्षिण एशिया में सामान्य से अधिक मानसूनी वर्षा का अनुमान

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** इस वर्ष दक्षिण एशिया के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक मानसूनी वर्षा हो सकती है। यह पूर्वानुमान अगस्त-सितंबर तक अनुकूल ला नीना स्थितियों के कारण भारत में मानसून के मौसम में सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी के अनुरूप है। दक्षिण एशियाई जलवायु आउटलुक फोरम (एसएएससीओएफ) ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन (जून-सितंबर) के दौरान दक्षिण एशिया में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। क्षेत्र के उत्तरी, पूर्वी और उत्तरपूर्वी हिस्सों के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। दक्षिण एशिया के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है।

यलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को अधिकतम तापमान में चार से 12 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है।

## श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राहुल गांधी के बयान को मिथ्या बताया

**जागरण संवाददाता, अयोध्या**

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान को मिथ्या बताया है,

जिसमें उन्होंने कहा है कि प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को आदिवासी होने के कारण आमंत्रित नहीं किया गया। ट्रस्ट के महासचिव ने कहा कि राहुल गांधी को स्मरण कराना चाहूंगा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एवं पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द को रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर आमंत्रित किया गया था।

महासचिव ने स्पष्ट किया कि प्राण प्रतिष्ठा पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से जुड़े हुए संत महापुरुष, गृहस्थजन और जीवन के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में यश प्राप्त करने वाले, भारत का गौरव बढ़ाने वाले सज्जनों को आमंत्रित किया गया था।

## अयोध्या में आज रामलला के दर्शन करेंगी राष्ट्रपति

**जागरण संवाददाता, अयोध्या :** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को पहली बार अयोध्या पहुंच रही हैं। यहां उनका करीब चार घंटे का प्रवास आध्यात्मिक होगा। राष्ट्रपति दौरे का अधिकांश समय श्रीराम मंदिर में व्यतीत करेंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम पर राममंदिर परिसर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उनकी सुरक्षा पर भी प्रबंध किए गए हैं। राष्ट्रपति रामलला का दर्शन करने के साथ आराध्य की आरती भी उतारेंगी। इसके बाद वह भगवान शिव का भी आशीर्वाद लेंगी। मंदिर परिसर में विराजमान भगवान शिव का पूजन करेंगी। महोत्सव के दिन प्रधानमंत्री मोदी ने भी शिवलिंग का पूजन-अर्चन किया था। यह शिव मंदिर संरक्षित स्मारक कुबेर टीला पर स्थित है। अयोध्या का इतिहास विवेचित करने वाले ग्रंथ रुद्रयामल के अनुसार युगों पूर्व यहां धन के देवता कुबेर का आगमन हुआ था। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि के निकट ही ऊंचे टीले पर शिवलिंग की स्थापना की थी।

# सीमा की निगरानी करेगा ओईएफ का ड्रोन, ड्रग तस्करी रोकने में भी मददगार

**जागरण विशेष**

## सर्विलांस ड्रोन का पुंछ में हुआ सफल परीक्षण, घायल जवानों को अस्पताल पहुंचाने को एंबुलेंस ड्रोन पर चल रहा काम

विवेक मिश्र ● जागरण

**कानपुर:** उत्तर प्रदेश के फीरोजाबाद के हजरतपुर में स्थित आयुध उपस्कर निर्माणी (ओईएफ) ने ऐसा सर्विलांस ड्रोन तैयार किया है जो सीमा की निगरानी के लिए मुफीद होगा। यह घुसपैठ और पंजाब में सीमा पार से हो रही ड्रग तस्करी रोकने में भी मददगार होगा। कंट्रोल रूम में बैठकर 40 किलोमीटर के दायरे में इसके माध्यम से नजर रखी जा सकेगी।

यह ड्रोन अंधेरी रात हो या घना कोहरा, हर गतिविधि स्पष्ट रूप से रिकार्ड करने में सक्षम होगा। अनुसंधान व विकास का काम पूरा होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा से सटे पुंछ जिले में इसका सफल परीक्षण भी हो चुका है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 50 ड्रोन बेचने की प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ ही एंबुलेंस ड्रोन के अनुसंधान पर भी काम शुरू हो चुका है। यह दुर्गम इलाकों में घायल हुए जवानों की जान बचाएगा।

### दो क्विंटल तक भार उठा सकेगा एंबुलेंस ड्रोन

ओईएफ के महाप्रबंधक अमित सिंह ने बताया कि संस्थान ने दुर्गम पहाड़ों व बर्फीले क्षेत्रों में आतंकी मुठभेड़ या हमलों में घायल जवानों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाले एंबुलेंस ड्रोन पर भी काम शुरू कर दिया है। स्वदेशी पुर्जों से निर्मित होने वाले ड्रोन को दो क्विंटल तक का भार उठाने लायक बनाया जाएगा। ताकि चीन या पाकिस्तान की सीमा पर अधिक ऊंचाई पर फंसे घायल और बीमार सैनिकों को अस्पताल तक पहुंचाने में देरी न हो। इसे रडार प्रणाली से लैस किया जाएगा। इस प्रणाली से बर्फीले तूफान में फंसे हुए जवानों की आसानी से लोकेशन का पता चल सकेगा।

ओईएफ, हजरतपुर में निर्मित ड्रोन ● सौजन्यः कंपनी प्रबंधन

सर्विलांस ड्रोन पर रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम टूप कंफर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) की कंपनी ओईएफ के इंजीनियरों ने काम किया है। यह विशेष ड्रोन 2200 वाट की बैटरी से लैस है। आठ किलो तक का वजन लेकर अधिकतम 7500 मीटर की ऊंचाई पर 40 घंटे तक उड़ने में सक्षम पाया गया। यह -20 डिग्री से लेकर अधिकतम 60 डिग्री सेल्सियस तक में बिना बाधा के उड़ सकता है। अंधेरी रात और घने कोहरे में भी होने वाली हर गतिविधि को रिकार्ड करके कंट्रोल रूम को साफ तस्वीरें व उच्च स्तरीय वीडियो भेजने में सक्षम है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

यह ड्रोन सीमा पर निगरानी के लिए कारगर है। वहां वाली संदिग्ध गतिविधियों को यह आसानी से रिकार्ड कर सकता है। इसके माध्यम से तस्करों और घुसपैठियों की धरपकड़ आसान होगी। बीएसएफ से ड्रोन आपूर्ति के आर्डर लेने की प्रक्रिया चल रही है।

**अमित सिंह,** महाप्रबंधक, ओईएफ, हरजतपुर

## राजस्थान में दलित दूल्हे की बरात पर पथराव

**जागरण संवाददाता, जयपुर :** राजस्थान के झालावाड़ जिले में दलित दूल्हे की बरात निकलने के दौरान एक समाज के लोगों ने दूसरे पर पथराव कर दिया। इससे बरात में शामिल दलित समाज के कुछ लोगों को चोट लगने के साथ डीजे की पिकअप गाड़ी के कांच टूट गए। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। घटना के बाद बरात को रोक दिया गया।

मंगलवार दोपहर में करीब दो सौ पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में दूल्हे ने हाथ में डा.भीमराव आंबेडकर की फोटो लेकर बरात निकाली। दूल्हा रामलखन झालावाड़ मेडिकल कालेज में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। पुलिस अधीक्षक हर्ष सिंह ने बताया कि राम लखन के परिवार को बरात में दंबगों द्वारा बाधा उत्पन्न करने की आशंका थी। ऐसे में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। पुलिस की सुरक्षा में बरात निकाली जा रही थी। लेकिन इस बीच देर रात कुछ दबंगों ने अचानक बरात पर पथराव कर दिया।

## 40वें दिन खोदाई में भोजशाला की नींव तक पहुंची एएसआइ की टीम

**नईदुनिया प्रतिनिधि, धार :** भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआइ) की टीम ने सर्वे के 40वें दिन मंगलवार को बाहरी व भीतरी परिसरों में कार्य किया। भीतरी परिसर में टीम ने दक्षिण व पश्चिम भाग

- कोर्ट के आदेश के बाद भोजशाला के 50 मीटर के वृत्ताकार क्षेत्र में सर्वे किया जा रहा

धार की भोजशाला। नईदुनिया आर्काइव

में मिट्टी हटाई। दक्षिण क्षेत्र में टीम भोजशाला की नींव तक पहुंच गई। बता दें कि कोर्ट के आदेश के बाद भोजशाला के 50 मीटर के वृत्ताकार क्षेत्र में सर्वे किया जा रहा है।

हिंदू पक्ष के गोपाल शर्मा ने बताया कि अब तक सर्वे के तहत विशेष रूप से भीतरी भाग की खोदाई से एक खंडित मूर्ति का ऊपर का भाग मिला है, जो सनातनी है। साथ ही यहां पर चार दीवारें मिली हैं। भोजशाला के पश्चिमी भाग से गोमुख प्राप्त हुआ है, जो जल निकासी का स्थल है। इसके अलावा छोटे-बड़े कई पाषाण अवशेष मिले हैं, जिन पर सनातनी आकृतियां उद्धृत हैं। इनकी वीडियोग्राफी-फोटोग्राफी का कार्य हो चुका है। आकृतियों के स्केच बनाने का कार्य हो चुका है। परिसर में 17 स्थान चिह्नित किए गए थे, जिनमें से 12 स्थानों पर खोदाई जारी है।

********

दैनिक जागरण

निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है

## फर्जी वीडियो

गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो के सहारे उनके खिलाफ दुष्प्रचार करने और गलत नैरेटिव फैलाने की कोशिश कोई नई बात नहीं। इस तरह की हरकतें होती ही रहती हैं। चूंकि इस समय चुनाव चल रहे हैं, इसलिए फर्जी, संदर्भ से काटकर और अर्थ का अनर्थ करने वाले गलत तरीके से संपादित किए गए वीडियो आने का सिलसिला शायद ही थमे। किसी को बदनाम करने के लिए फर्जी वीडियो प्रचारित-प्रसारित करने का सिलसिला इसीलिए तेज होता जा रहा है, क्योंकि यह काम करने वाला पूरा एक तंत्र खड़ा हो चुका है। इसी कारण दुनिया भर में फेक न्यूज एक बड़ी समस्या बन गई है। इसका कारण तकनीक का दुरुपयोग रोकने के लिए पर्याप्त उपाय न करना और दोषी लोगों को कठोर दंड न दिया जाना है। आम तौर पर जब किसी नेता के फर्जी वीडियो पर कोई कार्रवाई होती है तो विरोधी दल के लोग यह शोर मचाने लगते हैं कि विरोधियों का दमन किया जा रहा है। कुछ तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ लेने लगते हैं।

हालांकि समय-समय पर सभी दलों के नेता फर्जी खबरों, फोटो, वीडियो का शिकार बनते रहते हैं, लेकिन जब उन्हें प्रचारित-प्रसारित करने वालों के खिलाफ पुलिस कोई कदम उठाती है तो राजनीतिक कारणों से आरोपित का बचाव किया जाने लगता है। कभी-कभी तो ऐसे तत्वों के प्रति अदालतें भी नरम रवैया अपना लेती हैं। इसका परिणाम यह है कि फोटो, वीडियो में छेड़छाड़ कर भ्रम फैलाने वालों के दुस्साहस पर लगाम नहीं लग पा रही है। यह इसलिए चिंता की बात है, क्योंकि अब एआइ का सहारा लेकर ऐसे वीडियो बनाए जाने लगे हैं, जिनके साथ की गई छेड़छाड़ का पता लगाना कठिन होता है। इस तरह के वीडियो बनाकर कलाकारों और नेताओं को बदनाम करने के मामले बढ़ रहे हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि तकनीक का दुरुपयोग करके जनमत और साथ ही चुनावों को प्रभावित करने का काम सुनियोजित तरीके से होने लगा है। कैंब्रिज एनालिटिका का मामला ऐसा ही था। ऐसे मामले इसीलिए सामने आते हैं, क्योंकि सोशल नेटवर्क प्लेटफार्म संचालित करने वाली कंपनियां उनका दुरुपयोग रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने से इन्कार कर रही हैं। कई बार तो वे शिकायत के बाद भी मानहानिकारक या फिर कानून एवं व्यवस्था के लिए खतरा बनने वाले फर्जी वीडियो प्रसारित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करतीं। फर्जी खबरें राजनीति और सामाजिक सद्भाव के साथ शासन तंत्र के लिए भी खतरा हैं। यह खतरा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अच्छा हो कि राजनीतिक दलों में इस खतरे से निपटने के उपायों को लेकर सहमति बने। यह समझा जाना चाहिए कि लोकतंत्र के समक्ष जो नए खतरे उभरे हैं, उनमें फर्जी खबरें, फोटो और वीडियो भी हैं। आधुनिक तकनीक एक वरदान है, लेकिन यदि उसका दुरुपयोग नहीं थमा तो वह अभिशाप भी बन सकती है।

## पवित्र अभियान

जाति, वर्ग का भेदभाव खत्म करने की दिशा में अखाड़ों ने बहुत पहले से ही कार्य करना शुरू कर दिया था और इसी की परिणति है कि वंचित समाज के कई संत महामंडलेश्वर का दर्जा पा चुके हैं, लेकिन प्रयागराज में जूना अखाड़े ने इसी समाज के महेंद्रानंद गिरि को जगद्गुरु का सम्मानित पद सौंपकर एक पवित्र अभियान की ओर कदम बढ़ाया है। यह पहल इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हिंदू धर्म विरोधी कई ताकतें इस समय तेजी से मतांतरण के प्रयासों में जुटी हैं और उनके निशाने पर वंचित समाज और आदिवासी ही हैं जो लोभ-भय, सामाजिक उपेक्षा व सरकारी सुविधाओं से वंचित होने के कारण दूसरे धर्म अपना लेते हैं। जूना अखाड़े ने वंचित और आदिवासी समाज के 52 और संतों को महामंडलेश्वर बनाने का निर्णय किया है जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। यह पहल सामाजिक विघटन रोकने में मील का पत्थर साबित होगी और अन्य अखाड़ों को भी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की प्रेरणा मिलेगी। आने वाले कुंभ में इस तरह के और कार्यक्रम देखने को मिल सकते हैं। वंचित समाज के लोगों की महामंडलेश्वर और जगद्गुरु जैसे सम्मानित पदों पर प्रतिष्ठा सनातन धर्म के समयानुकूल बदलाव का द्योतक है। यह सनातन धर्म की उदात्तता ही है कि उसके दरवाजे समाज के सभी वर्ग के लोगों के लिए खुलते हैं। इसके मूल में है कि कोई भी पद जाति से नहीं योग्यता से मिलना चाहिए। महामंडलेश्वर पद पाना आसान नहीं है। इसके लिए संतों को कड़ी परीक्षा से गुजरना होता है। घर-परिवार से दूर रहकर भक्ति व त्याग वाली दिनचर्या अपनानी होती है। महेंद्रानंद गिरि अनुसूचित जाति के पहले जगद्गुरु हैं जिनको इस पद से सम्मानित कर जूना अखाड़े ने इस पूरे समाज को बराबरी का संदेश दिया है। उपेक्षितों को सम्मान देकर ही हम अपने साथ रख सकते हैं।

# भारतीय लोकतंत्र को लांछित करने का अभियान

श्रीराम चौलिया

**भारत में चुनाव प्रक्रिया एवं शासन व्यवस्था में कुछ सुधार आवश्यक हैं, पर हमारी उपलब्धियों को अनदेखा कर मनगढ़ंत आरोप लगाना एक सुनियोजित षड्यंत्र है**

अवधेश राजपूत

देश में जारी लोकसभा चुनाव जिस बड़े पैमाने पर आयोजित हो रहे हैं, वह विश्व के सामने एक मिसाल है। दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है, जहां करीब 97 करोड़ मतदाता हों, दो हजार आठ सौ राजनीतिक दल कड़ी प्रतिस्पर्धा में हों, 55 लाख ईवीएम हों, जिनसे छेड़छाड़ नहीं की जा सकती, साढ़े दस लाख मतदान केंद्र हों, जहां अधिकतर शांतिपूर्वक और बिना धांधली के मतदान हो और चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर हारने वाले उम्मीदवार अथवा दल भी स्वीकृति देते हों। इतने बड़े पैमाने पर आज तक इतिहास में कभी भी लोकतांत्रिक स्वेच्छा का प्रदर्शन नहीं देखा गया। अगर इस कीर्तिमान को कोई तोड़ेगा भी तो उस देश का नाम भारत ही होगा। हम ही अपने आप द्वारा स्थापित ऊंचाइयों से ऊपर जाने की सामर्थ्य रखते हैं।

विश्व में लोकतंत्र की साख कायम रखने में भारत सबसे प्रबल दायित्व निभा रहा है। हम आज उस कालखंड में हैं, जहां चीन जैसे शक्तिशाली देश में तानाशाही का बोलबाला बढ़ रहा है और अमेरिका जैसा लोकतांत्रिक महारथी राजनीतिक ध्रुवीकरण और आत्मसंदेह में फंसा है। अगर हम शासन व्यवस्थाओं के वैश्विक संतुलन का जायजा लें तो वह खतरनाक ढंग से तानाशाही के पक्ष में झुक रहा है और फिर भी भारत लोकतंत्र की लौ को जलाए हुए है। मौजूदा लोकसभा चुनाव इसका परिचायक है। दुनिया भर में लोग देख सकते हैं कि तेज गति से आर्थिक प्रगति करते विशाल देश भारत का लोकतंत्र कितना मजबूत और गहरा है। वे आश्वस्त हो सकते हैं कि सफलता और समृद्धि के लिए चीन की राह पर जाना अनिवार्य नहीं है। इन अकाट्य तथ्यों के बावजूद पश्चिम के उदारवादी पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक भारत में कथित 'लोकतांत्रिक पथभ्रष्टता' और पतन पर निरंतर दुष्प्रचार अभियान चला रहे हैं। भारत में चुनाव प्रक्रिया के प्रति जनसाधारण में आस्था के तमाम जमीनी प्रमाणों को जानबूझकर अनदेखा करके इन छिद्रान्वेषी आलोचकों ने लगातार लांछन लगाने और यह माहौल बनाने का प्रयास किया है कि भारत पीछे की ओर जा रहा है। उदाहरण के लिए कुछ खबरों और लेखों के शीर्षक देखें-'मोदी का निरंकुशता की ओर झुकावः कैसे मोदी भारत को निरंकुशता में बदलने के लिए हिंदू धर्म का उपयोग कर रहे हैं' (फारेन पालिसी)। 'मोदी का भारत वह स्थान है, जहां वैश्विक लोकतंत्र खत्म हो जाता है।' (न्यूयार्क टाइम्स)। 'इस साल भारत के चुनाव अपनी 'अलोकतांत्रिक प्रकृति' के साथ सामने आए हैं।' 'मोदी लोकतंत्र को चुनावी अधिनायकवाद में बदल रहे हैं।' (लि मांडे)। 'भारत में कानून के शासन का क्या हुआ?' (द एटलांटिक)। 'क्या मोदी ने भारतीय लोकतंत्र को उसके टूटने के बिंदु से आगे धकेल दिया है?' (न्यू यार्कर)। 'नरेन्द्र मोदी की हिंदू राष्ट्रवादी सरकार नागरिक अधिकारों पर अपना हमला बढ़ा रही है।' (द गार्डियन)

मोदी सरकार के साथ भारत के निंदक टिप्पणीकारों एवं संपादकों के लक्षणों को समझना आवश्यक है। ये वस्तुगत सच्चाई के बजाय एक छोटे अभिजात्य वर्ग की सर्वसम्मति और आरामकुर्सी पर हासिल कथित ज्ञान के आधार पर लिखते और बोलते हैं। ब्रिटेन के राजनीतिशास्त्री एड्रियन पेबस्ट ने 'उदार लोकतंत्र के राक्षस' नामक पुस्तक में इनकी पोल खोली है। उन्होंने दिखाया है कि पश्चिमी उदारवादी 'आम लोगों के मूल्यों के प्रति अत्यधिक अलोकतांत्रिक और असहिष्णु हैं' और उनका लक्ष्य है 'सत्ता और धन को संकीर्ण और गैरजिम्मेदार अभिजात्य वर्ग के हाथों में केंद्रित करना।' वे न केवल भारत जैसे सक्रिय लोकतंत्र पर अंगुली उठाते हैं, बल्कि अपने देशों में रूढ़िवादी और दक्षिणपंथी सरकारों एवं नेताओं में अलोकतांत्रिक प्रवृत्तियां हावी होने का आरोप लगाते हैं। जहां भी उदारवादी धड़े के अनुसार राजनीति और समाज नहीं झुकते, वहां इस धड़े के लोग उन्हें पिछड़ता हुआ दिखाने को अपना कर्तव्य समझने लगते हैं। हालांकि उदारवादी और रूढ़िवादी, दोनों ही लोकतांत्रिक दायरे के अंदर रहते हैं, लेकिन कुछ विशेषज्ञों को केवल उदारवादी ही लोकतांत्रिक नजर आते हैं और बाकी सबको वे अलोकतंत्रवादी या लोकलुभावनवादी करार देते हैं। इनमें सामान्य जनता की समझ को स्वीकार करने की जैसी अनिच्छा और असहिष्णुता है, उससे साफ जाहिर है कि ये गैरलोकतांत्रिक मानसिकता के शिकार हैं और इनमें विशेषाधिकार की यह भावना है कि पूरे विश्व को उनके पसंदीदा पथ पर ही चलना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ऐसे लोगों के बारे में उचित ही कहा कि उन्हें लगता है कि वे सिर्फ पर्यवेक्षक ही नहीं, बल्कि 'हमारे चुनाव में राजनीतिक खिलाड़ी भी हैं और वे एक ऐसा एक वैश्विक खेल खेल रहे हैं, जिसमें उन्हें घुसपैठ करनी होगी।'

चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, प्राचीन विरासत और विकास पर जोर देकर जनमानस का समर्थन जुटाया है, इसलिए उदारवादी विदेशी समीक्षकों में गहरी हताशा है। दुर्भाग्यवश हमारे अपने विपक्षी नेताओं और वाम-उदार बुद्धिजीवियों के साथ इन अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों और टिप्पणीकारों की साठगांठ है। राहुल गांधी का यह कथन विदेशी आलोचकों की भाषा से न केवल मिलता-जुलता है, बल्कि उन्हें प्रभावित भी करता है कि वर्तमान आम चुनाव 'लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए अंतिम अवसर हैं, क्योंकि मोदी उसे नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।' दूसरे देशों में बसे भारतीय मूल के कुछ कथित उदारवादी विचारक भी इस गठजोड़ में शामिल हैं और उन्हें उन देशों में वरीयता तभी मिलती है, जब वे मोदी की हाय-हाय करते दिखें और भारत की बुराई करते रहें।

विश्व के प्रत्येक लोकतंत्र में त्रुटियां होती हैं और कोई भी देश दोषहीन नहीं हो सकता। भारत में भी चुनावी प्रक्रिया एवं शासन व्यवस्था में लगातार सुधार जरूरी हैं और अभी हमारा लोकतंत्र सर्वाधिक उत्कृष्ट स्तर पर नहीं पहुंचा है, लेकिन वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हमारी जो उपलब्धियां हैं, उन्हें अनदेखा करके मनगढ़ंत आरोप लगाना और भारत की छवि को मलिन करना एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है। इसका भंडाफोड़ साधारण भारतीय मतदाता तो करेंगे ही, हमारे तार्किक, राष्ट्रवादी बुद्धिजीवियों को भी चाहिए कि वे वास्तविकता दिखाते रहें।

(लेखक ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के जिंदल इंडिया इंस्टीट्यूट के महानिदेशक हैं)

response@jagran.com

# मनचाहे आरोपों की राजनीति

राजीव सचान

**कांग्रेस के घोषणा पत्र के साथ भाजपा वही कर रही, जो उसने सीएए और कृषि कानूनों को लेकर किया था**

सत्तापक्ष-विपक्ष में आरोपों की बौछार। फाइल

कांग्रेस के इस आरोप में दम है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न्याय पत्र नाम वाले उसके घोषणा पत्र की मनचाही व्याख्या कर रहे हैं और उसमें तो वैसा कुछ लिखा ही नहीं, जिसका वह उल्लेख कर रहे हैं। बीते कुछ दिनों से मोदी यह कहकर कांग्रेस को घेर रहे हैं कि वह लोगों की जमीन-जायदाद और यहां तक कि महिलाओं का सोना-चांदी और उनके मंगलसूत्र के बारे में जानकारी जुटाकर उन्हें अपने पसंदीदा वोट बैंक को बांटने का इरादा रखती है। मोदी यह भी कह रहे हैं कि कांग्रेस एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण में कटौती कर मुस्लिम समुदाय को देना चाहती है। उन्हें यह कहने का मौका इसलिए मिल गया, क्योंकि कर्नाटक सरकार ने राज्य के समस्त मुस्लिम समुदाय को पिछड़ा मानकर ओबीसी आरक्षण में शामिल कर दिया। इस पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने आपत्ति भी जताई है। भाजपा को संपत्ति के पुनर्वितरण करने का आरोप लगाकर कांग्रेस को घेरने का मौका उसके घोषणा पत्र के इस बिंदु से मिला कि वह संपत्ति का सर्वे कराएगी। रही-सही कसर सैम पित्रोदा ने यह कहकर पूरी कर दी कि भारत को अमेरिका जैसे विरासत टैक्स पर बहस करनी चाहिए।

कांग्रेस सफाई देते-देते परेशान है, लेकिन मोदी और उनके सहयोगी अपने आरोप बार-बार दोहरा रहे हैं। कांग्रेस का इससे परेशान होना स्वाभाविक है, लेकिन बहुत समय नहीं हुआ, जब कांग्रेस के साथ विपक्षी दलों के अन्य अनेक नेता देश को यह समझाने में लगे हुए थे कि यदि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए लागू हुआ तो देश के मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। इसका दुष्प्रचार इतना अधिक किया गया कि दिल्ली के साथ देश के अनेक हिस्सों में लोग सड़कों पर उतरे, बड़े पैमाने पर हिंसा हुई और उसमें करोड़ों की सरकारी और गैर-सरकारी संपत्ति स्वाहा हो गई। कुछ लोगों की जान भी गई। दिल्ली में 50 से अधिक लोगों की जान लेने वाले दंगे सीएए विरोधी शाहीन बाग धरने के लंबा खिंचने का ही नतीजा थे। याद करें कि इस धरने को संबोधित करने कौन-कौन विपक्षी नेता जाते थे और वहां क्या-क्या कहते थे? शाहीन बाग धरने के चलते दिल्ली को नोएडा से जोड़ने वाली एक व्यस्त सड़क जबरन अवरुद्ध कर दी गई थी, लेकिन किसी को दिल्ली-एनसीआर के आम लोगों को हो रही परेशानी की परवाह नहीं थी।

कुछ दिनों पहले सीएए के नियम अधिसूचित कर दिए गए, लेकिन शायद ही कोई उनके विरोध में उतरा हो, क्योंकि सभी को यह समझ आ गया था कि चार वर्ष पहले उन्हें बरगलाया गया था। तब विपक्षी नेताओं को सीएए की मनमानी व्याख्या करने का मौका इसलिए मिल गया था, क्योंकि उसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए मुसलमानों को इन देशों का बहुसंख्यक होने के नाते नागरिकता देने का प्रविधान नहीं था। विपक्षी नेताओं को सीएए के जरिये भारत के मुसलमानों की नागरिकता छीने जाने का सनसनीखेज आरोप लगाने का अवसर भी इसलिए मिल गया था, क्योंकि इस कानून के बाद राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर यानी एनआरसी लाने की चर्चा हो रही थी। हालांकि एनआरसी के मसौदे का अता-पता नहीं था, लेकिन विपक्षी नेताओं ने यही बताया कि देश के मुसलमानों को पहले एनआरसी से बाहर किया जाएगा, फिर सीएए के प्रविधान के तहत उनकी नागरिकता छीन ली जाएगी। लोगों को भड़काने और सड़कों पर उतारने के लिए यह पर्याप्त था।

भाजपा की ओर से अपने घोषणा पत्र की मनमानी व्याख्या से कांग्रेस का परेशान होना स्वाभाविक है, पर जब कांग्रेस के साथ अन्य विपक्षी दलों के नेता कृषि कानूनों की मनचाही व्याख्या कर रहे थे तो भाजपा के साथ दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा एवं पंजाब के लोग भी बहुत परेशान हुए थे। तब इन कानूनों के विरोध में विपक्षी दलों के सहयोग-समर्थन से उत्साहित किसान संगठन राजमार्गों को घेरकर बैठ गए थे। वे करीब एक वर्ष तक दिल्ली को घेरकर बैठे रहे। इससे करोड़ों लोग परेशान हुए और अरबों रुपये का नुकसान हुआ। तब कांग्रेस समेत विपक्ष को आनंद आ रहा था, क्योंकि सरकार किसान नेताओं के निशाने पर थी और वह उन्हें संतुष्ट नहीं कर पा रही थी। इसलिए नहीं कर पा रही थी, क्योंकि किसान संगठनों के साथ विपक्षी दल यही बताने में लगे थे कि कृषि कानूनों का मूल उद्देश्य किसानों की जमीन छीनना है। कृषि कानूनों की ऐसी व्याख्या का कोई आधार न था, लेकिन विपक्ष ने यह तय कर लिया था कि उसे किसानों को यही समझाना है कि इन कानूनों से उनके खेत खतरे में हैं। तब विपक्षी दलों के साथ कथित किसान संगठनों के नेता भी अपना राजनीतिक हित देख रहे थे। एक ऐसा ही संगठन पंजाब के विधानसभा चुनावों में उतरा और उस समय किसान नेता बने योगेंद्र यादव का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के बाद कहना था कि हमने तो विपक्षी दलों के लिए पिच तैयार की थी, लेकिन यदि वे उसका फायदा नहीं उठा सके तो हमारा क्या दोष?

यदि कोई इस नतीजे पर पहुंच रहा है कि भाजपा कांग्रेस के घोषणा पत्र की मनचाही व्याख्या कर रही है तो वह गलत नहीं, लेकिन उसे इस नतीजे पर भी पहुंचना होगा कि तीन-चार वर्ष पहले कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल सीएए और कृषि कानूनों की मनमानी व्याख्या कर रहे थे। चूंकि राजनीतिक दलों ने एक-दूसरे की नीतियों को लेकर उन पर मनचाहे आरोपों की बौछार करने की सुविधा हासिल कर रखी है, इसलिए चुनावों के दौरान आदर्श चुनाव संहिता प्रभावी नहीं दिखती। आदर्श चुनाव संहिता तब प्रभावी होगी, जब कोई आदर्श राजनीतिक संहिता भी होगी।

(लेखक दैनिक जागरण में एसोसिएट एडिटर हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

## अच्छाई की राह

अच्छे व्यक्ति का साथ हो तो सद्गुणों का विकास होता है। इससे व्यक्ति विनम्र बन जाता है। जबकि बुरे की संगति में व्यक्ति उद्दंड बन जाता है। हमारे निकट लोगों के जीवन में झांकने से प्रतीत होगा कि अच्छे लोगों के सान्निध्य से जिस किसी में उद्दंडता थी, उसमें विनम्रता आ गई। उसकी बुराइयों पर भी विराम लग गया। जहां संगति अच्छी नहीं होती, वहां विनम्र व्यक्ति भी उद्दंड बन जाता है।

हमारे दैनिक जीवन में चलने वाले अप्रत्यक्ष संग्राम को किसी हथियार से नहीं, बल्कि अपने भीतर छिपी शक्ति से ही जीता जा सकता है। स्वामी विवेकानंद के इस कथन के अनुसार कि जब प्रेरणा भीतर से आएगी, तभी आप अच्छाई की ओर उन्मुख हो सकेंगे। यह मत सोचें कि आप अच्छे नहीं बन सकते हैं। कन्फ्यूशियस ने कहा है कि महान व्यक्ति जिन चीजों को ढूंढ़ते हैं, वे उन्हें अपने भीतर ही प्राप्त हो जाती हैं। कमजोर ही दूसरों का मुंह ताकते हैं। आचार्य महाप्रज्ञ ने भी कहा है कि आत्मप्रेरित इंसान कभी खाली नहीं बैठ सकता। वह खुद को और दूसरों को भी सुखी बनाता है।

एक व्यक्ति प्रकृति से विनम्र है, किंतु उसे गलत सीख मिली कि तुम बड़े आदमी हो, तुम्हारे पास बहुत धन है, तुम्हें क्या करने की जरूरत है, ऐसी गलत सीख देकर उसे अहंकारी बना दिया जाता हैं। जो अहंकारी बन जाता है, वह पतन की राह पर बढ़ जाता है। पतन का सबसे सरल मार्ग है-अहंकारी हो जाना। बुराई के रास्ते तो हर मोड़ पर मिल जाते हैं, परंतु अच्छाई का रास्ता भीतर से होकर ही निकलता है। इसलिए स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार आवश्यक है। जब आपको अंदर से अच्छा बनने की प्रेरणा मिलती है तो आपको संभावनाओं का अनंत आकाश नजर आता है। इस प्रेरणा के कारण ही आप ज्यादा से ज्यादा अच्छा बनने को उत्सुक होते हैं। यह अंदरूनी प्रेरणा सफलता के निकट ले जाती है।

ललित गर्ग

# महिलाओं को भी मिले पुरुषों के समान वेतन

सुनीता मिश्रा

**हमारे देश में निजी नौकरियों में विभिन्न पदों के लिए वेतनमान तय नहीं हैं, जैसा कि सरकारी नौकरियों में होता है**

माना जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों से जिस श्रम संहिता (लेबर कोड) के लागू होने का इंतजार किया जा रहा है, उसे नई सरकार बनने के कुछ महीनों के भीतर ही लागू किया जा सकता है। इसमें लेबर कोड से जुड़े सभी चार पार्ट को एक पार्ट में ही लागू किया जाएगा। लेबर कोड के चार पार्ट में वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंधी संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020 शामिल हैं। इसके तहत न्यूनतम वेतन काम की स्थिति, भौगोलिक स्थिति और कुशलता की जरूरतों को ध्यान में रखकर तय होंगे। जिससे कंपनियों को महिला कामगारों को पुरुष कामगारों के जैसा काम करने पर समान वेतन देना होगा। महिला कर्मचारी नाइट शिफ्ट में भी काम कर सकेंगी। इसके अलावा एक निश्चित अवधि के लिए काम करने वाली महिला कर्मियों को भी स्थायी कर्मियों की भांति सुविधाएं दी जाएंगी। साथ ही कंपनियों को मातृत्व अवकाश की सुविधा के साथ नर्सिंग सुविधा और आफिस में क्रेच की सुविधा भी मुहैया करानी होगी।

महिलाओं को जगह-जगह भेदभाव सहना पड़ता है। महिलाएं पुरुषों जैसा काम करती हैं, जबकि उनके जैसा वेतन नहीं पाती हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) के अनुसार वैश्विक स्तर पर महिलाओं को पुरुषों की तुलना में 20 प्रतिशत वेतन कम मिलता है। महिलाओं और पुरुषों के वेतन में समानता दुनिया के किसी भी देश में नहीं है। चीन, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, स्वीडन, पुर्तगाल और रूस जैसे कई देश इसमें शामिल हैं। इस अंतर के लिए दुनिया के तमाम देशों में उनकी परिस्थितियों के हिसाब से अलग-अलग कारण जिम्मेदार माने गए हैं। लेकिन हमारे देश में महिलाओं और पुरुषों के वेतन में जो असमानता है, उसकी जड़ें सामाजिक मान्यताओं में ही निहित हैं।

हमारे देश में निजी नौकरियों में विभिन्न पदों के लिए वेतनमान तय नहीं हैं, जैसा कि सरकारी नौकरियों में होता है। इसलिए एक ही कंपनी में एक ही जैसा काम करने वाले महिला और पुरुष का वेतन अलग-अलग होता है। इसका खामियाजा सबसे अधिक महिलाओं को भुगतना पड़ता है। कई बार अपनी निजी समस्याओं और परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण महिलाओं को अधिक काम के बदले कम वेतन लेने को मजबूर होना पड़ता है। इन तमाम कारणों से महिलाओं और पुरुषों के वेतन में अंतर है। ऐसे में लेबर कोड लागू होने के बाद महिलाओं को आगे बढ़ने के कई अवसर मिलेंगे। समान कार्य के लिए समान वेतन मिलने पर उनके साथ भेदभाव नहीं होगा। वे कंपनियों में अपने अधिकार के लिए लड़ सकेंगी और अदालत का दरवाजा खटखटा सकेंगी।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

## मेलबाक्स

### आत्ममंथन करे कांग्रेस

'सूरत के बाद इंदौर' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय टिप्पणी में पढ़ा कि आम चुनाव के लिए कांग्रेस की रणनीति कितनी लचर रही है। अब तो पार्टी में आंतरिक स्तर पर ही चुनावी रणनीति को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पार्टी अगर इतने महत्वपूर्ण चुनाव के लिए अपने प्रत्याशी ही ढंग से नहीं चयन कर पा रही तो वह सत्तारूढ़ भाजपा को किस प्रकार चुनौती पेश कर पाएगी। इससे पहले कई सीटों पर ऐसी बातें सामने आ चुकी हैं कि पार्टी के प्रत्याशी ने ही चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया तो कहीं टिकट दिए जाने पर ही विरोध शुरू हो गया, जैसे कि जयपुर। राजधानी दिल्ली भी कांग्रेस की लचर रणनीति का एक बड़ा उदाहरण है, जहां बड़ी मशक्कत के बाद कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन किया, लेकिन प्रत्याशी उतारने में बहुत देर कर दी और जब उम्मीदवार उतारे तो ऐसे कि प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ही अपने पद से इस्तीफा देकर चलते बने। ये किसी भी लिहाज से कांग्रेस के लिए शुभ संकेत नहीं। इससे चुनाव में उतरने से पहले ही कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित होगा। कांग्रेस को आत्ममंथन कर अपनी रणनीति बदलनी होगी। अन्यथा उसकी चुनावी संभावनाएं अच्छी नहीं दिख रहीं।

गुंजन शर्मा, कमला नगर-नई दिल्ली

### गैर जरूरी खर्च पर लगे रोक

'आंकड़ों के अभाव में असंतुलित विमर्श' शीर्षक से लिखे आलेख में शिवाकांत शर्मा ने गैर-जिम्मेदाराना लोकलुभावन वादों के नुकसान से हमें अवगत कराया है। साथ ही इसकी आवश्यकता जताई है कि अन्य देशों की तरह हमारे देश में कोई ऐसी स्वास्थ्य संस्था होनी चाहिए। जो यह बता सके कि विभिन्न सरकारों के गैर जरूरी खर्च कौन-कौन से हैं और इन खर्चों का दूरगामी असर अर्थव्यवस्था पर क्या पड़ेगा? बकायदा उन्होंने अपने आलेख में मौजूदा सरकार के पांच किलो मुफ्त अनाज वितरित करने सहित कांग्रेस के घोषणा पत्र में किए गए उन वादों पर भी सवाल उठाया है। जिससे राजस्व की हानि की आशंका अधिक है बजाय उन नीतियों के अमल में लाने से सरकार की अधिक आमदनी होगी। फिर ऐसी दशा में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विभिन्न राज्य सरकारें एवं केंद्र के पास धन कहां से आएगा? आलेख बेहद विद्वतापूर्ण है एवं सुधी पाठकों, नीति नियंताओं की आंखें खोलने वाला है। मगर दुर्भाग्यपूर्ण है कि एन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतने की ललक में किसी को इन महीन बातों पर ध्यान देने की फुरसत कहां है? लेकिन समय आएगा। हम सबको इस विषय पर सोचना होगा। तभी बेरोजगारी, गरीबी एवं महंगाई से निजात पाने की उम्मीद कर सकते हैं। आखिर अर्थव्यवस्था का समग्र विकास होगा। तभी तो लोगों को रोजगार मिलेगा, गरीबी दूर होगी, महंगाई से निजात मिल सकेंगे।

मुकेश कुमार मनन, पटना

### न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी

'न्यायपालिका की गरिमा पर आघात' शीर्षक आलेख में सीबीपी श्रीवास्तव ने न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता पर मंडराते खतरे के बारे में अपना विचार प्रस्तुत किया है। कोर्ट के फैसले को सम्मानपूर्वक लेना आवश्यक है। न्यायपालिका का सम्मान हमारे लोकतंत्र की गरिमा का हिस्सा है। यह दुखद है कि राजनीतिक विचारों के कारण न्यायपालिका के फैसलों को विवादास्पद बनाया जा रहा है। कोर्ट के फैसलों की आलोचना करना लोकतंत्र के लिए जरूरी है, लेकिन वह आलोचना सकारात्मक और उचित होनी चाहिए। राजनीतिक स्वार्थ के लिए कोर्ट के फैसलों पर सवाल उठाने से न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर आघात होता है। वकीलों और नेताओं को यह समझना चाहिए कि कोर्ट का हर फैसला उनके अनुसार नहीं हो सकता, फिर भी न्यायपालिका की मर्यादा और गरिमा का सम्मान करना चाहिए। समाज को भी कोर्ट के फैसलों के पीछे की विधियों और तथ्यों को समझने की आवश्यकता है। कोर्ट के फैसलों पर बिना उचित आधार के आरोप लगाना अनुचित है।

awanishg30@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

********

अभिषेक कुमार सिंह
संस्था टेली परफार्मेंस से संबद्ध

आजकल

# खाद्य पदार्थों में मिलावट चिंताजनक

**पिछले दिनों सिंगापुर एवं हांगकांग के फूड सेफ्टी विभाग ने दो भारतीय ब्रांडों के कुछ मसाला उत्पादों को जांच में नाकाम होने पर अपने यहां प्रयोग से रोक दिया। उसने इनमें कैंसरजनक तत्व जैसे कि एथिलीन आक्साइड की जरूरत से ज्यादा मात्रा पाने का दावा किया। हालांकि इन प्रतिबंधों पर केंद्र सरकार ने संबंधित देशों से स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि इसकी ज्यादा फिक्र खुद हमें करनी होगी जिससे कि भारतीय खानपान का गौरव एवं स्वास्थ्य बोध कायम रहे**

पूरी दुनिया में सदियों से रही है भारतीय मसालों की धूम। प्रतीकात्मक

पंद्रहवीं सदी के आखिर में पुर्तगाली नाविक वास्को डी गामा जिन सुगंधित मसालों की खोज में यूरोप से एक व्यापारिक मार्ग पर निकला था, वह उसे केप आफ गुड होप यानी अफ्रीका के दक्षिणी कोने से होते हुए भारत ले आया था। इस तरह वास्को डी गामा ने भारत की खोज नहीं की थी, बल्कि भारतीय मसालों को दुनिया भर में पहुंचाने जैसा महत्वपूर्ण कार्य किया था। भारतीय मसालों की धूम दुनिया में सदियों से रही है। इसी के बल पर विश्व भारतीय खानपान की मुरीद रहा है, लेकिन इधर जब से यह खबर आई है कि कुछ भारतीय मसाला कंपनियों एवरेस्ट एवं एमडीएच के कुछ उत्पादों के प्रयोग पर सिंगापुर और हांगकांग में रोक लगा दिया गया तो हमारी यह प्रतिष्ठा धूमिल होती दिख रही है। हालांकि इन प्रतिबंधों पर भारत सरकार ने संबंधित देशों से स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि इसकी ज्यादा फिक्र खुद हमें करनी होगी जिससे कि भारतीय खानपान का गौरव कायम रहे। ध्यातव्य है कि खानपान में ऊंच-नीच की यह समस्या सिर्फ मसालों तक सीमित नहीं है, बल्कि कुछ बेबी फूड से लेकर दवाओं तक में सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों की मिलावट ने देश-दुनिया में चिंता का माहौल बना दिया है।

**कैंसर पैदा करने वाले तत्व :** पिछले दिनों सिंगापुर और हांगकांग के फूड सेफ्टी विभाग ने दो बड़े भारतीय ब्रांडों के चार मसाला उत्पादों-मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला मिक्स्ड मसाला पाउडर, करी पाउडर मिक्स्ड मसाला और फिश करी मसाला पाउडर को नमूना जांच में नाकाम होने पर प्रतिबंधित करने का एलान कर दिया। उसने इनमें कैंसर पैदा करने वाले तत्व-एथिलीन आक्साइड की जरूरत से ज्यादा मात्रा होने का दावा किया। एथिलीन आक्साइड जैसे कीटनाशक को इंसानों में कैंसर पैदा करने वाले कारक के रूप में देखा जाता है। इसे कैंसरजनक ग्रुप-एक में रखा जाता है। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के मुताबिक इस ग्रुप में वे तत्व रखे जाते हैं जिनसे कैंसर होने की पुष्टि हो चुकी है। हांगकांग के फूड सेफ्टी विभाग ने इन उत्पादों में इस कैंसरजनक एजेंट की मात्रा तय सीमा से ज्यादा मिलने का दावा किया है। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार एथिलीन आक्साइड के संपर्क में आने और खाने-पीने के सामानों के जरिये लंबे समय तक इसके सेवन से कई तरह के कैंसर होने का खतरा ज्यादा रहता है।

सेहत से जुड़े इन्हीं खतरों को देखते हुए कहा जा रहा है कि सिंगापुर के फूड सेफ्टी विभाग ने संबंधित कंपनियों से प्रतिबंधित किए गए इन उत्पादों को अपने बाजार से वापस लेने को कहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में किसी भारतीय मसाला उत्पाद में ऐसी गड़बड़ी मिलने का यह कोई पहला मौका नहीं है। पिछले वर्ष अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने भी एक नामी भारतीय मसाला कंपनी से अपने कई उत्पाद वापस लेने को कहा था। एफडीए के मुताबिक उक्त भारतीय ब्रांड के मसाले में सैलमोनेल्ला नामक हानिकारक बैक्टीरिया की मौजूदगी पाई गई थी। सोचा जा सकता है कि जब निर्यात किए जा रहे खाद्य पदार्थों में हानिकारक तत्वों की मौजूदगी को लेकर कुछ कंपनियां सचेत नहीं हैं तो फिर देश के भीतर ही बेचे जा रहे उत्पादों में वे कितनी सतर्कता बरतती होंगी। इसका गंभीर पक्ष यह है कि यूरोप-अमेरिका के मुकाबले भारत के निगरानी तंत्र, कानूनी माहौल और दंडकारी व्यवस्था को अपेक्षाकृत लचीला और कमजोर मानने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां तक देश में बेचे जा रहे उत्पादों के स्वास्थ्य संबंधी मानकों की अनदेखी कर रही हैं। हाल में एक एफएमसीजी कंपनी नेस्ले के भारत में बिकने वाले बेबी फूड प्रोडक्ट में शक्कर यानी शुगर की अतिरिक्त मात्रा पाई गई है।

**नवजात में मजं बढ़ती शुगर :** हाल में स्विट्जरलैंड के इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आइबीएफएएन) ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले भारत सहित एशिया और अफ्रीका के कई देशों में बिकने वाले बच्चों के दूध और सेरेलेक जैसे बेबी फूड प्रोडक्ट्स में अतिरिक्त शक्कर और शहद मिलाती है। हालांकि इस रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद उक्त कंपनी ने कहा है कि वह स्थानीय कानूनों और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करती है, लेकिन खाद्य पदार्थों में विटामिन, खनिजों और अन्य पोषक तत्वों के साथ-साथ उनमें खतरनाक रसायन और अन्य तत्वों की उपस्थिति को लेकर ज्यादातर कंपनियां पारदर्शी नहीं हैं। ऐसा कहने के पीछे कारण यह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि तीन साल से कम उम्र के बच्चों के भोजन में शुगर या मीठे पदार्थों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन ऐसा न करके कुछ कंपनियां स्थानीय कानूनों और अंतरराष्ट्रीय मानकों का उल्लंघन कर रही हैं। आइबीएफएएन की रिपोर्ट के सामने आने के बाद फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथारिटी आफ इंडिया (एफएसएसएआइ) ने विज्ञानियों का एक पैनल बनाकर देश में बेबी फूड बिकने वाले सभी ब्रांड के उत्पादों की जांच करने और नियमों का सख्ती से पालन नहीं करने वाली कंपनियों पर कार्रवाई करने की बात कही है।

**मानकों की अनदेखी और हेराफेरी :** इस पर हैरानी नहीं होनी चाहिए कि मामला चाहे स्वदेशी कंपनियों का हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का, अमेरिका-यूरोप के मुकाबले एशिया-अफ्रीका आदि गरीब और विकासशील देशों में बेचे जा रहे उनके उत्पादों की गुणवत्ता में जमीन-आसमान का फर्क दिखता है। कोई उत्पाद अमेरिका-यूरोप में बेचा जा रहा है कि किसी गरीब एशियाई देश में, कंपनियां इस आधार पर यह भेदभाव बरतती हैं। बेबी फूड प्रोडक्ट को ही उदाहरण के तौर पर लें तो रिपोर्ट में नवजात बच्चों के लिए बेचे जाने वाले मिल्क पाउडर में औसतन दो ग्राम शुगर एशियाई और अफ्रीकी देशों में मिला पाया गया है। जबकि इसी उत्पाद को स्विट्जरलैंड, जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस आदि यूरोपीय देशों में जांचा गया तो वहां इसमें शुगर की कोई मात्रा नहीं मिली थी। उल्लेखनीय है कि नवजात बच्चों के खानपान में शुगर शामिल होने से उनमें उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी, डायबिटीज, अल्जाइमर जैसे रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इससे उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, दांतों में सड़न की समस्या पैदा होती है और मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ता है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका में नवजात बच्चों के खाद्य पदार्थों में शक्कर के इस्तेमाल की इजाजत नहीं है।

हालांकि इस मामले में एक कमजोरी स्थानीय कानूनों की भी है। जैसे भारत में बेबी फूड प्रोडक्ट में अतिरिक्त शक्कर की मात्रा की कोई सीमा तय नहीं की गई है। ऐसे मामलों को नियंत्रित करने वाली संस्था एफएसएसएआइ खाद्य पदार्थों में सिर्फ प्रोटीन, फैट, कार्बोहाइड्रेट, आयरन और जिंक जैसे मैक्रोन्यूट्रिएंट्स और विटामिन सी, डी की मात्रा की जांच करती है। इस छूट का फायदा कुछ देसी और बहुराष्ट्रीय कंपनियां उठाती हैं और भारतीय नियमों के मुताबिक, अनाज वाले बेबी फूड में कार्न सिरप और माल्ट का इस्तेमाल करती हैं। सेहत के लिहाज से इस अंतर को खतरनाक मानने वाले विशेषज्ञों का मत है कि न सिर्फ विदेश भेजे जा रहे खाद्यान्नों, अनाजों और मसालों की गुणवत्ता के मानकों को लेकर हमें सख्ती दिखानी होगी, बल्कि इनसे जुड़े स्थानीय कानूनों, नियमों और निगरानी के उपायों में भी कड़ाई बरतनी होगी, ताकि लोगों की सेहत से खिलवाड़ न हो सके। भारत जिस तरह से फैटी लिवर, डायबिटीज, मोटापे और दिल की बीमारियों के मामले में वैश्विक राजधानी बनने की कगार पर है, देखना होगा कि कहीं ऐसा इसलिए तो नहीं हो रहा है कि हमारे खानपान से जुड़ी छूट का फायदा उठाकर खाद्य उत्पाद बनाने वाली कुछ कंपनियां अपने मुनाफे के लिए खतरनाक रसायन, कीटनाशक और शुगर आदि की अतिरिक्त मात्रा हमारी रगों में भर रही हैं।

## सेहत पर भारी पड़ता भ्रामक प्रचार

एक मसला तो खाद्य पदार्थों में हानिकारक तत्वों की मिलावट का है, दूसरा मसला उनके भ्रामक प्रचार का है, जो कम खतरनाक नहीं है। यानी खाने-पीने की किसी चीज की जो ताकत या हैसियत नहीं है, विज्ञापनों में उसे बढ़ाकर या बिल्कुल ही अलग श्रेणी में डालकर प्रचारित किया जाता है। यह सरासर धोखाधड़ी है जिस पर गत दिनों भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की नजर गई तो उसने सभी ई-कामर्स कंपनियों से कहा कि वे अपनी वेबसाइटों से सभी पेय पदार्थों को 'हेल्थ ड्रिंक' की कैटेगरी से हटा दें। मंत्रालय ने इससे संबंधित अधिसूचना में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की जांच का हवाला दिया और कहा कि 'हेल्थ ड्रिंक्स की परिभाषा वह नहीं है, जो इन विज्ञापनों में बताई जाती है।' राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पिछले साल कथित तौर पर एक ऐसी ही हेल्थ ड्रिंक बनाने वाली कंपनी को नोटिस भेजा था। उसमें कहा गया था कि इस प्रोडक्ट में काफी मात्रा में शुगर होने की शिकायत है। उसमें कुछ ऐसे तत्व भी हैं, जो बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। लिहाजा कंपनी अपने प्रोडक्ट के सभी भ्रामक विज्ञापनों, पैकेजिंग और लेबल की समीक्षा करे और उन्हें वापस ले। इस आपत्ति के बाद उस कंपनी ने अपने मशहूर पेय को 'स्वास्थ्यवर्धक भोजन पेय (हेल्थ फूड ड्रिंक्स)' की जगह अब 'कार्यात्मक पोषण पेय (फंक्शनल न्यूट्रिशनल ड्रिंक्स)' घोषित किया है।

भारत में एनर्जी और स्पोर्ट्स ड्रिंक्स का मौजूदा बाजार 4.7 अरब डालर का है, जिसमें 2028 तक 5.71 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान है। यही वजह है कि ग्राहकों को लुभाने के लिए कुछ कंपनियां आकर्षक शब्दजाल में फंसाकर अपना कारोबार बढ़ाना चाहती हैं, लेकिन यह तो नियामक संस्थाओं और खुद आम जनता को तय करना होगा कि वे झांसा देने वाले विज्ञापनों के जाल में फंसते हैं या ऐसे भ्रामक दावे करने वाली कंपनियों पर लगाम लगाते हैं।

-अभिषेक कुमार सिंह

खरी-खरी

## चुनावों में वोट कटवा उम्मीदवार

डा. प्रदीप मिश्र

चुनावों में ऐसे उम्मीदवारों की बहुतायत होती है, जिन्हें अड़े हुए उम्मीदवार कहा जाता है। उन्हें वोट कटवा की संज्ञा भी दी जाती है। वे खुद जीतने के लिए नहीं, बल्कि प्रत्याशी विशेष को हराने के लिए खड़े होते हैं। उनका उद्देश्य स्वयं की सद्गति नहीं, बल्कि अगले की दुर्गति होता है। पार्टी उनकी औकात जानती है, इसलिए उन्हें टिकट नहीं देती। फिर वे पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ अड़े हुए उम्मीदवार के रूप में पर्चा दाखिल कर देते हैं। पार्टी उन्हें तत्काल बाहर का रास्ता दिखला देती है। वे भी अपने शीर्षस्थ नेताओं को गालियां देने से नहीं चूकते।

एक अड़े हुए प्रत्याशी से साक्षात्कार लेना चाहा तो वे बोले, 'घंटा भर रुक जाओ, अपनी भूतपूर्व पार्टी के कुछ वोट और निपोर लें फिर बात करते हैं।' और वे वोट निपोरने के लिए निकल लिए। ठीक घंटा भर बाद वे मेरे सामने थे। मैंने पूछा, 'ये वोट निपोरना क्या होता है?' 'यह एक गहरी प्रक्रिया है। निपोरस का गणित पाइथागोरस के गणित से भी कठिन होता है।' 'थोड़ा प्रकाश डालें।' 'हम वोटरों से कहते हैं कि हमें वोट दो न दो, पर उस फलनवा को बिल्कुल मत देना। भले हमारी जमानत जब्त हो जाए, पर फलनवा न जीतने पाए।' 'इससे फायदा क्या है आपको?' 'हारने पर उसका राजनीतिक करियर समाप्त हो जाना है। उसकी खंडहर हुई पालिटिक्स पर, हम अपनी राजनीति की बुलंद इमारत खड़ी करेंगे।'

'आपने तो पार्टी छोड़ दी है, फिर वापस कैसे होंगे?' 'अरे हम कौन से धर्मराज हैं कि एक बार निकले तो साधु, सूरमा और गजदंत की तरह हमेशा के लिए निकल लिए। हमारी राजनीति में वसंत ऋतु आते ही हम तुरंत पार्टी में लौट आएंगे। अरे जिन लोगों के कहने पर हमने पार्टी छोड़ी है, वे ही हमें ससम्मान पार्टी में लौटाएंगे।' 'आपके मित्रगण अभी पार्टी के अंदर ही हैं?' 'बंधुवर, ये निपोरस पालिटिक्स आपको नहीं समझ पड़ेगी। इसका गणित अत्यंत टेढ़ा है।' यकीनन निपोरस-थ्योरम, पाइथागोरस-थ्योरम से ज्यादा मुश्किल है।

पोस्ट

यह भी क्या संयोग है कि जनवरी में इंदौर एवं सूरत को शहरों के स्वच्छता सर्वेक्षण का संयुक्त विजेता घोषित किया गया था और अप्रैल में दोनों शहरों ने कांग्रेस प्रत्याशी को अपने यहां से साफ कर दिया।
निष्ठा अनुश्री@nishthaanushree

इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार का भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में नामांकन वापस लेना शर्म की बात है। यह प्रमाणित करता है कि हमारी चयन प्रक्रिया में कमियां हैं। हमें प्रतिबद्ध कांग्रेसी को टिकट देना चाहिए था।
अनिल शास्त्री@anilkshastri

यह समय की मांग है कि प्रज्वल रमन्ना पर ऐसी कार्रवाई हो कि दुनिया याद रखे। साथ ही यह भी समय की मांग है कि वे तथाकथित प्रगतिशील दल, नेता, बुद्धिजीवी आदि अपनी जुबान बंद रखें, जो शाहजहां शेख को अपना माई-बाप बनाकर बैठे थे।
अभिषेक उपाध्याय@upadhyayabhii

टी-20 के अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों में रवि बिश्नोई की छठी रैंकिंग है, लेकिन इसके बावजूद उनका चयन नहीं किया गया। वहीं, भारतीय टीम के लिए रिंकू सिंह के हालिया प्रदर्शन को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए था। ये फैसले पचाना कुछ मुश्किल है।
इरफान पठान@IrfanPathan

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

# सिंधु जल बंटवारे पर पुनर्विचार की जरूरत

पाकिस्तान के संघीय कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने एक बयान में कहा है कि सिंधु जल संधि की शर्तों के मुताबिक भारत को रावी नदी के पानी के उपयोग का पूरा अधिकार है। यह संधि पाकिस्तान को कानूनी रूप से बाध्य करती है कि वह पड़ोसी देश की जल आक्रामकता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में न जाए। तरार ने पाकिस्तानी संसद में भारत द्वारा पिछले साल भेजे गए एक नोटिस के जबाव में यह बात कही है। भारत ने उसे यह नोटिस सिंधु जल संधि के तहत बन रही भारत की पनबिजली परियोजनाओं पर आपत्ति जताने के लिए भेजा था। आरंभ से ही भारत की यह कोशिश रही है कि पाकिस्तान सिंधु जल संधि के संदर्भ में जिन मुद्दों को उठाता रहा है, उन्हें उदारतापूर्वक सुलझा लिया जाए। इस विवाद की शुरुआत 2015 में हुई थी, जब पाकिस्तान ने भारत की तरफ से किशनगंगा पर निर्माणाधीन पनबिजली परियोजनाओं पर आपत्ति जताई थी। जबकि समझौते के तहत भारत बिजली उत्पादन के लिए इन नदियों के पानी का प्रयोग कर सकता है।

विश्व बैंक की मध्यस्थता में 19 सितंबर, 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इसके अंतर्गत पूर्वी क्षेत्र की तीन नदियों व्यास, रावी एवं सतलज की जल राशि पर नियंत्रण भारत के सुपुर्द किया था और पश्चिमी क्षेत्र की नदियों सिंधु, चिनाब एवं झेलम पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पाकिस्तान को सौंपी गई थी। इसके तहत भारत के ऊपरी हिस्से में बहने वाली इन छह नदियों का 80.52 यानी 167.2 अरब घन मीटर पानी पाकिस्तान को हर साल दिया जाता है। जबकि भारत के हिस्से में महज 19.48 प्रतिशत पानी ही शेष रह जाता है। नदियों की ऊपरी धारा (भारत में बहने वाले पानी) के जल बंटवारे में उदारता की ऐसी अनूठी मिसाल दुनिया के किसी भी अन्य जल समझौते में देखने में नहीं आई है। इसीलिए अमेरिका की विदेश मामलों से संबंधित समिति ने 2011 में दावा किया था कि यह संधि दुनिया की सफलतम संधियों में से एक है, लेकिन

पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को करारा जवाब देने के लिए भारत सिंधु जल संधि का कूटनीतिक अस्त्र के रूप में करे इस्तेमाल। प्रतीकात्मक

यह संधि केवल इसलिए सफल है, क्योंकि भारत संधियों की शर्तों को निभाने के प्रति अब तक उदार एवं प्रतिबद्ध बना हुआ है। जबकि जम्मू-कश्मीर को हर साल इस संधि के पालन में 60 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। भारत की भूमि पर इन नदियों का अकूत जल भंडार होने के बावजूद इस संधि के चलते इस राज्य को बिजली नहीं मिल पा रही है। यह संधि दुनिया की ऐसी इकलौती अंतर्देशीय जल संधि है, जिसमें सीमित संप्रभुता का सिद्धांत लागू होता है। और संधि की असमान शर्तों के चलते ऊपरी जलधारा वाला देश नीचे की ओर प्रवाहित होने वाली जलधारा वाले देश पाकिस्तान के लिए अपने हितों की अनदेखी करता है। इतनी पाकिस्तान हितकारी संधि होने के बावजूद पाकिस्तान ने भारत की उदारता का उत्तर पूरे जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आतंकी हमलों के रूप में दिया है।

पाकिस्तान की प्रकृति हमेशा से ही धोखा देने की रही है। भारत ने जब झेलम की सहायक नदी किशनगंगा पर बनने वाली किशनगंगा जल विद्युत परियोजना की बुनियाद रखी तो पाकिस्तान ने नीदरलैंड में स्थित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय में आपत्ति दर्ज करा दी। हालांकि न्यायालय ने भारत को परियोजना निर्माण की अनुमति तो दे दी, लेकिन भारत को बाध्य किया कि वह रन आफ द रिवर प्रणाली के तहत नदियों का प्रवाह निरंतर जारी रखे। फैसले के मुताबिक किशनगंगा नदी में पूरे साल हर समय नौ क्यूसेक मीटर प्रति सेंकेड का न्यूनतम जल प्रवाह जारी रहेगा। किशनगंगा को पाकिस्तान में नीलम नदी के नाम से जाना जाता है। न्यायालय के फैसले के परिप्रेक्ष्य में प्रश्न यह खड़ा होता है कि यदि किसी साल पानी कम बरसता है और किशनगंगा नदी बांध में पानी छोड़ने के लायक रह ही नहीं जाता है तो रन आफ द रिवर प्रणाली का सिद्धांत अमल में कैसे लाया जाएगा? इस दृष्टि से यह फैसला सिंधु जल संधि की संकीर्ण व्याख्या है। कालांतर में पाकिस्तान को यदि इस फैसले के मुताबिक पानी नहीं मिलता है तो उसे यह कहने का मौका मिलेगा कि भारत मध्यस्थता न्यायालय के आदेश का सम्मान नहीं कर रहा है। इसलिए भारत को सिंधु जल बंटवारे पर पुनर्विचार की जरूरत है।

शिमला समझौते में स्पष्ट उल्लेख है कि पाकिस्तान अपनी जमीन से भारत के खिलाफ आतंकवाद को फैलाने की इजाजत नहीं देगा। किंतु पाकिस्तान इस समझौते का खुला उल्लंघन कर रहा है। लिहाजा पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देने के नजरिये से भारत को सिंधु जल संधि को ठुकरा कर पानी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की जरूरत है। पाकिस्तान की 2.6 लाख एकड़ कृषि भूमि इन्हीं नदियों के जल से सिंचित होती है। उसके पेयजल का भी प्रमुख स्रोत ये नदियां ही हैं। यदि भारत कूटनीतिक पहल करते हुए इन नदियों का जल अवरुद्ध कर दे तो पाकिस्तान की कमर टूट जाएगी। इस संधि के चलते जम्मू-कश्मीर की जनता को पानी के उपयोग के मौलिक अधिकार से भी वंचित होना पड़ रहा है। इसलिए पाकिस्तान के आतंक को माकूल जवाब देने के लिए भारत सरकार को सिंधु जल संधि को कूटनीतिक अस्त्र के रूप में इस्तेमाल करने की जरूरत है।

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या अरविंदर सिंह लवली का दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा राजधानी में कांग्रेस की चुनावी संभावनाएं खराब करेगा?

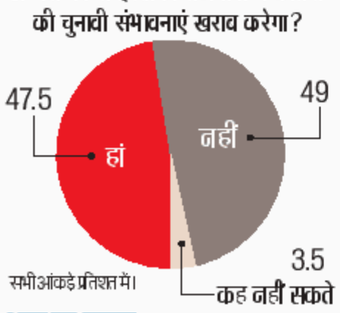


सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या टी-20 विश्व कप के लिए चयनित टीम संतुलित है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

जेडीएस पर लग गया रेवन्ना का दाग,
अब तो ऐन चुनाव में फैलेगी यह आग।
फैलेगी यह आग जलाएगी यह इज्जत,
बिगड़ा हुआ चरित्र कराए भारी हुज्जत।
देता तुरत बिगाड़ मिला जो वर्षों में यश,
भुगत रहा है आज परिस्थिति वह जेडीएस।
- ओमप्रकाश तिवारी

पंजाब डायरी

# आमजन की बढ़ती परेशानी

इन्द्रप्रीत सिंह
ब्यूरो प्रमुख, पंजाब

पिछले 15 दिनों से शंभू रेलवे ट्रैक कुछ किसानों ने बंद कर रखा है। न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने को लेकर कुछ किसान संगठनों और केंद्र सरकार के बीच हुई पांच बैठकों में भी सहमति नहीं बन पाई। अब जबकि पिछले डेढ़ महीने से देश में आचार संहिता लागू है और जून में केंद्र में नई सरकार बननी है ऐसे में भी कुछ किसान संगठन अपनी जिद नहीं छोड़ रहे हैं और वे रेल मार्ग को जाम करके बैठे हैं। चुनाव के चलते सख्ती से उन्हें उठाने की इच्छाशक्ति कोई भी पार्टी नहीं दिखा रही है, लेकिन इससे आम जन, व्यापारियों और विद्यार्थियों को कितना नुकसान हो रहा है इसका सहज ही आकलन किया जा सकता है।

हैरानी की बात यह है कि इतना सब होने के बावजूद कुछ किसानों का यह रुख चुनाव का मुद्दा नहीं बन पा रहा है। लगता है आज भी किसान और किसानी राजनीतिक पार्टियों के एजेंडे में नहीं हैं। खेती का कौन-सा माडल लागू हो इसको लेकर कोई बहस नहीं हो रही है। राजनीतिक पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो लगा रही हैं, लेकिन इन मसलों का समाधान क्या हो इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से कहा है कि आप तो हेलीकाप्टर के जरिये इधर-उधर उड़कर चले जाते हो इसलिए आपको व्यापारियों की समस्याओं का पता नहीं चल रहा है, जो दूसरे राज्यों में आने-जाने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। वे परेशान हो रहे हैं। जाखड़ ने यह भी कहा है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की जिम्मेदारी बनती है कि वह किसानों की समस्याओं का हल करें, ताकि ट्रैक क्लीयर हो सके।

भाजपा के उम्मीदवारों को भी कुछ किसान ग्रामीण हलकों में प्रचार करने से रोकने का अपराध कर रहे हैं। खासतौर पर सबसे ज्यादा परेशान फरीदकोट में भाजपा के उम्मीदवार और प्रसिद्ध गायक हंसराज हंस को कर रहे हैं। वह जहां भी प्रचार करने जाते हैं, कुछ किसान संगठन पहुंच जाते हैं। अपनी क्षमता के अनुसार वह उनके सवालों के जवाब भी देते हैं। दो बार तो उन्होंने खुद उनके पास जाकर उनके सवालों के जवाब दिए, इसके बावजूद भी कुछ अड़ियल किसान उन्हें प्रचार करने से रोक रहे हैं। उन्होंने तो यहां तक कह दिया है कि अब वह हंसराज हंस नहीं, बल्कि मिन्नत राज मिन्नत हो गए हैं। पुलिस-प्रशासन को इसका संज्ञान लेना चाहिए। कोई किसी को चुनाव प्रचार करने से कैसे रोक सकता है। हंसराज हंस का एक सवाल और भी वाजिब है कि अन्य दलों के भी उम्मीदवार चुनाव में खड़े हैं, लेकिन कुछ किसान केवल उनका ही विरोध क्यों कर रहे हैं? प्रदेश में रहीं अन्य दलों की सरकारें भी कृषि सुधार की दिशा में अपनी भूमिका नहीं निभा पाईं, पर किसान संगठन उनके उम्मीदवारों से सवाल क्यों नहीं कर रहे हैं?

हंसराज हंस की इन दलीलों का किसानों पर कोई असर नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जाना चाहते थे, लेकिन उन्हें रास्ते में रोक दिया गया। ऐसा नहीं है कि उनकी मांगों को लेकर केंद्र सरकार ने कोई प्रयास नहीं किए। केंद्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री पीयूष गोयल, कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा आदि लगातार चंडीगढ़ आते रहे, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उन बैठकों में मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होते रहे, लेकिन वह भी किसानों को मनाने में कामयाब नहीं हुए। केंद्र सरकार ने किसानों को गेहूं और धान के अलावा कपास, मक्का, तिलहन और दलहन पर भी न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा किया, लेकिन किसानों का कहना है कि सभी 23 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी दी जाए। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित कई मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

अब संयुक्त किसान मोर्चा ने एक कदम आगे बढ़कर घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगर पंजाब में रैली करेंगे तो संयुक्त किसान मोर्चा जिला एवं तहसील स्तर पर काले झंडे दिखाकर उनका विरोध करेगा। पंजाब के किसान संगठनों को ऐसे कदम उठाने से बाज आना चाहिए। अभी देश में चुनाव हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें शांति बनाए रखना चाहिए। अच्छा होगा कि नई सरकार बनने तक इंतजार करें। वे अपनी मांगें उसके समक्ष रखें।

अड़ियल रवैया छोड़ें किसान संगठन। फाइल

********

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 1 मई, 2024
www.jagran.com

## जनवरी-मार्च तिमाही में सैमसंग का लाभ 10 गुना बढ़ा

**सियोल:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) टेक्नोलाजी के विस्तार की बदौलत जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के दौरान सैमसंग इलेक्ट्रानिक्स के संचालन लाभ में 10 गुना की वृद्धि रही है। बीती तिमाही में कंपनी का संचालन लाभ 4.8 अरब डालर रहा है जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 46.5 करोड़ डालर था। इस अवधि में कंपनी का राजस्व 13 प्रतिशत बढ़कर 52 अरब डालर रहा है। (एपी)



" हमने भारत में अपने कर्मचारियों की संख्या को अगले तीन वर्षों में दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। अभी देश में हमारे कर्मचारियों की संख्या 700 है।

– ट्रेविस कोएट्स, ग्लोबल सीओओ, ट्रांसकाम

| सेंसेक्स | निफ्टी | सोना प्रति दस ग्राम | चांदी प्रतिकिलोग्राम | डालर | क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल |
|---|---|---|---|---|---|
| 74,482.78 | 22,604.85 | ₹72,600 | ₹83,750 | ₹83.43 | $ 88.59 |
| 188.50 | 38.55 | ₹150 | ₹750 | ₹0.02 | |

## एक नजर में

### सात प्रतिशत से ज्यादा रह सकती है विकास दर

**नई दिल्ली:** अनुकूल वैश्विक परिदृश्य और सामान्य से अधिक मानसून रहने की संभावनाओं के बीच चालू वित्त वर्ष के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर सात प्रतिशत से अधिक रह सकती है। आर्थिक थिंक टैंक एनसीएईआर ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा के अप्रैल अंक में कहा है कि मैन्यूफैक्चरिंग गतिविधियां 16 साल के उच्चतम स्तर हैं और यूपीआइ लेनदेन रिकार्ड स्तर पर हैं। (प्रेट्र)

### कारपोरेट बांड के अंकित मूल्य में कटौती का फैसला

**नई दिल्ली :** सेबी ने कारपोरेट बांड बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए ऐसी प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य में बड़ी कटौती करने का मंगलवार को फैसला किया। फिलहाल कंपनियों की तरफ से जारी होने वाले एक बांड का अंकित मूल्य एक लाख रुपये होता है लेकिन सेबी ने अब इसे घटाकर 10,000 रुपये करने का फैसला किया है। (प्रेट्र)

### आइपीओ के लिए फर्स्टक्राई ने फिर जमा किए दस्तावेज

**नई दिल्ली :** महिलाओं एवं बच्चों संबंधी उत्पाद बेचने वाले ई-कामर्स प्लेटफार्म फर्स्टक्राई ने एक बार फिर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा किए हैं। कंपनी आइपीओ के जरिये 1,816 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 के पहले नौ महीनों में कंपनी का घाटा 278.2 करोड़ रुपये रहा है। (आइएएनएस)

### सेंट्रल बैंक आफ इंडिया का शुद्ध लाभ 41 प्रतिशत बढ़ा

**नई दिल्ली :** सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक आफ इंडिया को जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के दौरान 807 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले वर्ष की समान अवधि के 571 करोड़ रुपये के मुकाबले इसमें 41 प्रतिशत की वृद्धि रही है। बैंक का कहना है कि बैड लोन में कमी और ब्याज से आय में वृद्धि से शुद्ध लाभ में वृद्धि रही है। बीती तिमाही में ब्याज से आय 8,337 करोड़ रही है। (प्रेट्र)

# इलेक्ट्रिक कारों का माइलेज कंपनियों के दावों से दूर

## 25 डिग्री तापमान पर एसी चलाए बिना अधिकतम 50 की स्पीड में होता है इन कारों की रेंज तय करने का परीक्षण

राजीव कुमार • जागरण

**नई दिल्ली:** इलेक्ट्रिक कार खरीदने जा रहे हैं तो इसकी पूरी पड़ताल कर लें कि उसका वास्तविक माइलेज क्या है। सच्चाई यह है कि कंपनी की टेस्ट रेंज के दावे के विपरीत सामान्य स्थिति में माइलेज 65-70 प्रतिशत ही होता है। कार की माइलेज या क्लेम्ड रेंज तय करने के लिए गाड़ी की टेस्टिंग अधिकतम 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से बिना एयरकंडीशनर चलाए 25 डिग्री तापमान पर एक समान सड़क पर की जाती है। ऐसे में अगर आप इलेक्ट्रिक कार चलाते समय 50 किलोमीटर से अधिक स्पीड रखेंगे, एसी चलाएंगे या फिर अपने अलावा कई अन्य लोगों को कार में बैठाएंगे तो ज्यादा एनर्जी लगेगी और कार वह माइलेज नहीं देगी, जिसका दावा किया गया है।

अगर ट्रैफिक अधिक है और सड़कें टूटी-फूटी हैं तो भी माइलेज का दावा फेल हो सकता है। मौसम में फर्क की वजह से राजस्थान में वह माइलेज नहीं मिलेगा जो मुंबई में मिलेगा। कार कंपनियां इस बात की जानकारी अपने विज्ञापनों में नहीं देती हैं। हालांकि वह क्लेम्ड माइलेज या रेंज के आगे स्टार जरूर लगा देती हैं ताकि उनके दावे को चुनौती नहीं दी जा सके। जानकारी के अभाव में ई-कार मालिक इस उम्मीद से 300 किलोमीटर के सफर पर निकल पड़ता है, क्योंकि कार कंपनी ने एक बार कार चार्ज करने पर 300 किलोमीटर तक चलने का दावा किया है। हालांकि 300 किलोमीटर से काफी पहले कार की बैटरी खत्म हो जाती है और और उन्हें अपनी गाड़ी को चार्जिंग स्टेशन तक ले जाने के लिए अन्य वाहन बुलाना पड़ता है।

एक खास बात यह है कि इलेक्ट्रिक कारों में एक बड़ी हिस्सेदारी कैब की है और ये कार मुख्य रूप से एक शहर के अंदर ही चलती हैं।

**40** लाख यात्री कारों की बिक्री हुई देश में पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान

**90,432** इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री हुई पिछले वित्त वर्ष में

- टेस्ट रेंज की तुलना में औसतन 60-65 प्रतिशत ही होता है वास्तविक माइलेज
- ट्रैफिक अधिक होने और सड़कें खराब होने का भी माइलेज पर पड़ता है असर

### अब 90 किमी तक की अधिकतम स्पीड से गाड़ी की रेंज तय करने की शुरू हुई है कवायद: आनंद कुलकर्णी

घरेलू ई-कार बाजार में 74 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाली टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के चीफ प्रोजेक्ट आफिसर आनंद कुलकर्णी कहते हैं, 'भारत में मोडिफाइड इंडिया ड्राइव साइकल (एमआइडीसी) के आधार पर गाड़ी का माइलेज तय होता है। ऐसे में 50 किलोमीटर प्रतिघंटा से अधिक स्पीड पर गाड़ी चलाने पर माइलेज में कमी आएगी ही। हमारे डीलर बिक्री के दौरान ग्राहकों को रेंज संबंधित पूरी जानकारी देते हैं और यह बताते हैं कि किस इलाके में कितना रेंज मिल सकता है। पेट्रोल-डीजल की गाड़ियों में भी क्लेम्ड रेंज में अंतर आता है। ई-कार सिर्फ चार साल पहले बाजार में आई है और चार्जिंग स्टेशन भी कम हैं, इसलिए लोगों को लगता है कि वे फंस जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस साल अप्रैल से 90 किमी तक की अधिकतम स्पीड से गाड़ी की रेंज तय करने की कवायद शुरू हुई है। टाटा कंपनी के अनुसार उनकी एक कार का क्लेम्ड रेंज 460 है लेकिन जब ग्राहक आते हैं तो वह 300-320 किलोमीटर माइलेज ही बताते हैं।

आनंद कुलकर्णी

### बैटरी पुरानी होने पर भी रेंज में आएगा फर्क

सोसाइटी आफ मैन्यूफैक्चरर्स आफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के महानिदेशक सोहिंदर गिल ने बताया कि इलेक्ट्रिक कार की रेंज हमेशा एक जैसी नहीं रह सकती है। बैटरी पुरानी होने के साथ ही उसकी क्षमता भी कम होती जाती है। नई बैटरी के इलेक्ट्रोड और अन्य केमिकल ताजा होते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनियों को रेंज की आदर्श स्थिति और व्यावहारिक स्थिति के बारे में लिखना चाहिए, लेकिन प्रतिस्पर्धा की वजह से ऐसा नहीं करती है। भारी उद्योग मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि क्लेम्ड रेंज और असली रेंज में अगर दिक्कत आ है तो ग्राहक उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के ग्राहक प्रकोष्ठ में इसकी शिकायत कर सकते हैं।



सोहिंदर गिल

## उद्योगों को बैंक कर्ज 8.5% बढ़ा, व्यक्तिगत ऋण वृद्धि घटी

**मुंबई, प्रेट्र:** उद्योग जगत को बैंक से मिलने वाले कर्ज में मार्च महीने में सालाना आधार पर 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि व्यक्तिगत ऋण खंड में नरमी देखी गई। एक साल पहले मार्च, 2023 में उद्योग और व्यक्तिगत ऋण खंड में ऋण वृद्धि क्रमशः 5.6 प्रतिशत और 21 प्रतिशत रही थी।

आरबीआइ ने बैंक ऋण संबंधी आंकड़े जारी करते हुए कहा, 'प्रमुख उद्योगों में, 'रसायन और रासायनिक उत्पादों', 'खाद्य प्रसंस्करण' और 'बुनियादी ढांचे' के लिए ऋण में वृद्धि मार्च, 2024 में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में बढ़ गई जबकि 'बुनियादी धातु और धातु उत्पाद' खंड में नरमी आई।' कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण वृद्धि पिछले महीने 20.1 प्रतिशत रही जबकि सालभर पहले यह दर 15.4 प्रतिशत थी। हालांकि वाहन ऋण और अन्य व्यक्तिगत ऋणों में धीमी वृद्धि होने से मार्च, 2024 में व्यक्तिगत ऋण की वृद्धि घटकर 17.7 प्रतिशत रह गई।

## बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि मार्च में बढ़कर 5.2 प्रतिशत हुई

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि मार्च में बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गई। हालांकि, इस साल फरवरी के मुकाबले विकास दर कम है। फरवरी में वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मार्च, 2023 में आठ प्रमुख क्षेत्रों (कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली) की वृद्धि 4.2 प्रतिशत थी। अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 के बीच इन क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि दर धीमी होकर 7.5 प्रतिशत हो गई जो एक साल पहले की अवधि में 7.8 प्रतिशत थी। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) में आठ प्रमुख क्षेत्रों का योगदान 40.27 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष मार्च में स्टील उत्पादन में 5.5 प्रतिशत और कोयला उत्पादन में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है।

## बीती तिमाही में सोने की मांग आठ प्रतिशत बढ़ी

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** मूल्य के रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंचने के बावजूद मजबूत आर्थिक हालात के चलते इस वर्ष मार्च तिमाही के दौरान देश में सोने की मांग में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार, जनवरी-मार्च 2024 के दौरान भारत में 136.6 टन सोने की मांग रही है। आरबीआइ की ओर से की गई आक्रामक खरीदारी का भी सोने की मांग बढ़ने में प्रमुख योगदान रहा है।

डब्ल्यूजीसी के अनुसार, बीती तिमाही में मूल्य के लिहाज से सोने की मांग 20 प्रतिशत बढ़कर 75,470 करोड़ रुपये रही है। इस दौरान सोने के औसत तिमाही मूल्य में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले वर्ष समान तिमाही में सोने की मांग 126.3 टन रही थी। इसमें ज्वेलरी और निवेश दोनों प्रकार की मांग शामिल है। डब्ल्यूजीसी इंडिया के सीईओ सचिन जैन का कहना है कि मांग में यह वृद्धि भारतीयों के सोने के साथ स्थायी रिश्ते की पुष्टि करती है। जैन ने कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान सोने की मांग 700-800 टन के बीच रहने की उम्मीद जताई है। 2023 के दौरान देश में 747.5 टन सोने की मांग रही थी। बीती तिमाही में भारत ने कुल 179.4 टन सोने का आयात किया है जो 2023 की समान अवधि के 143.4 चन से 25 प्रतिशत ज्यादा है। जनवरी-मार्च 2024 के दौरान सोने का तिमाही औसत मूल्य 55,247.20 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा है। इसमें आयात शुल्क और जीएसटी शामिल नहीं है। कुल मांग में से ज्वेलरी के लिए सोने की मांग चार प्रतिशत बढ़कर 95.5 टन रही है।

**136.6** टन रही सोने की मांग देश में जनवरी-मार्च 2024 में

**11** प्रतिशत बढ़ा सोने का औसत मूल्य बीती तिमाही में

### वैश्विक स्तर पर 1,238 टन सोने की मांग रही

जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान वैश्विक स्तर पर सोने की मांग तीन प्रतिशत बढ़कर 1,238 टन रही है। 2016 के बाद यह सबसे मजबूत तिमाही प्रदर्शन रहा है। तिमाही के दौरान वैश्विक स्तर पर सोने का भाव 2,070 डालर प्रति औंस रहा है जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले पांच प्रतिशत ज्यादा है। बीती तिमाही में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 290 टन सोने की खरीदारी की है।

## म्यूचुअल फंड में धोखाधड़ी रोकने को बदलेंगे नियम

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** मार्केट रेगुलेटर सेबी के बोर्ड ने म्यूचुअल फंड्स से जुड़े नियमों में बदलाव करने का फैसला किया है। इसके तहत एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को शेयरों में फ्रंट-रनिंग और धोखाधड़ी वाले लेनदेन सहित संभावित बाजार दुरुपयोग की पहचान और रोकथाम के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना होगा।

बोर्ड की बैठक के बाद सेबी ने एक बयान में कहा है कि इस तंत्र में उन्नत निगरानी प्रणाली, आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाएं और फ्रंट रनिंग, इनसाइडर ट्रेडिंग व संवेदनशील जानकारी के दुरुपयोग सहित विशिष्ट प्रकार के कदाचार की पहचान, निगरानी और समाधान करने की प्रक्रिया शामिल होनी चाहिए। बोर्ड ने वेंचर कैपिटल फंड्स को वैकल्पिक निवेश फंड में स्थानांतरित होने संबंधी प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। वहीं, आरबीआइ ने वित्तीय क्षेत्र के लिए संचालन जोखिम प्रबंधन के दायरे में अब गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को भी शामिल किया है।

## सरकार ने चालू सीजन में अब तक 196 लाख टन गेहूं खरीदा

- यह कल्याणकारी योजनाओं के लिए जरूरी मांग से ज्यादा
- पिछले वर्ष 219.5 लाख टन गेहूं की सरकारी खरीदारी हुई थी

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** सरकार ने चालू सीजन के दौरान अब तक 196 लाख टन गेहूं की खरीदारी कर ली है। यह राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं के लिए जरूरी वार्षिक मांग 186 लाख टन से ज्यादा है। सूत्रों के अनुसार, अब तक विभिन्न राज्यों के 16 लाख किसानों से 45 हजार करोड़ रुपये के गेहूं की खरीदारी की गई है।

सरकार ने चालू सीजन में 310-320 लाख टन गेहूं की खरीदारी का लक्ष्य रखा है। सरकार के लिए गेहूं की खरीदारी करने वाली नोडल एजेंसी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पिछले वर्ष की समान अवधि के 219.5 लाख टन के मुकाबले इस बार गेहूं की सरकारी खरीद 11 प्रतिशत कम रही है। इसका प्रमुख कारण मध्य प्रदेश और पंजाब में कम खरीदारी होना है। एफसीआइ के सीएमडी अशोक मीणा का कहना है कि गेहूं की सरकारी खरीद सुचारू रूप से चल रही है। हम अपने खरीद लक्ष्यों को प्राप्त करने की सही दिशा में है। इसका कारण यह है कि पंजाब और हरियाणा से आवक अच्छी है। अकेले इन दोनों राज्यों से 200 लाख टन गेहूं की खरीदारी की जाएगी। पिछले वर्ष सरकार ने 261.97 गेहूं की खरीदारी की थी।

# राष्ट्रीय फलक

## न्यूज गैलरी

### बिहार में राजभवन को ई मेल पर मिली उड़ाने की धमकी

**पटना :** ई-मेल के माध्यम से मंगलवार को बिहार के पटना में राजभवन को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलते ही सिटी एसपी (मध्य) चंद्र प्रकाश के नेतृत्व में एंटी-सबोटेज जांच शुरू कर दी गई। बम निरोधक दस्ता ने राजभवन के कोने-कोने की जांच की, लेकिन इस दौरान किसी प्रकार का विस्फोटक अथवा संदिग्ध पदार्थ नहीं मिला। हालांकि, राजभवन की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। (जासं)

### पायलट प्रशिक्षण में चूक के लिए विस्तारा का अधिकारी निलंबित

**नई दिल्ली :** विमानन नियामक डीजीसीए ने पायलटों के प्रशिक्षण में चूक के लिए विस्तारा के एक वरिष्ठ अधिकारी को निलंबित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन में उपाध्यक्ष (प्रशिक्षण) विक्रम मोहन दयाल को उनके पद से हटा दिया गया है। इस संबंध में विस्तारा ने किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं की है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कुछ पायलटों के प्रशिक्षण में खामियों की जांच की थी। सूत्र ने कहा कि 10 से अधिक पायलटों के प्रशिक्षण में खामियां पाई गई। (प्रेट्र)

### सेबी ने दो कंपनियों को एक साल के लिए प्रतिबंधित किया

**नई दिल्ली:** बाजार नियामक सेबी ने दो कंपनियों हनीफ कासमभाई शेख और राबर्ट रिसोर्सेज लिमिटेड को एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। दोनों कंपनियां टेलीग्राम चैनल के माध्यम से हेरफेर करने वाली व्यापारिक गतिविधियों में शामिल थीं और ग्राहकों को विशिष्ट शेयरों को खरीदने की सिफारिश करती थीं। (प्रेट्र)

### जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल पहुंचे हाई कोर्ट

**मुंबई:** जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल ने मनी लांड्रिंग मामले में चिकित्सकीय आधार पर जमानत के लिए हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कहा है कि वह और उनकी पत्नी अंतिम चरण में पहुंच चुके कैंसर से जूझ रहे हैं। न्यायमूर्ति एनजे जामदार की एकल पीठ ने मंगलवार को कहा कि वह याचिका पर तीन मई को सुनवाई करेगी। (प्रेट्र)

## देहरादून में अवैध टेलीफोन एक्सचेंज का पर्दाफाश, चीन से मिलता था कमीशन

जागरण संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड पुलिस की एसटीएफ ने देहरादून में चल रहे अवैध टेलीफोन एक्सचेंज का पर्दाफाश कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने इसके लिए बीएसएनएल से 500 नंबर लिए थे। इन नंबरों के माध्यम से विदेश से आने वाली फोन काल को लोकल काल में डायवर्ट करता था। आरोपित ने बताया कि वह विदेश से आने वाली इंटरनेट काल को लैंडलाइन व मोबाइल नंबर पर रूट कराता है। इसके एवज में उसे चीन से कमीशन मिलता है। वर्ष 2015 में उसने चीन की चाइना टेलीकाम कंपनी में वेल्यू एडेड सर्विस का कार्य किया था। आरोपित ने दिसंबर 2023 में बीएसएनएल से सबसे पहले प्राइमरी रेट इंटरफेस (पीआरआइ) लाइन और एक राउटर लिया। बता दें, कुछ समय पहले विदेश से आए एक काल को आरोपित ने लोकल में डायवर्ट किया था, जिससे उत्तर प्रदेश के बांदा जिला कारागार के जेल अधीक्षक को जान से मारने की धमकी दी गई थी। आरोपित को हवाला के माध्यम से विदेश से फंडिंग होती थी। आरोपित पूर्व में भी हरियाणा के सोनीपत जिले और बिहार में जेल जा चुका है। बता दें, उत्तर प्रदेश के बांदा जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक को इसी एक्सचेंज से काल कर जान से मारने की धमकी दी गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि 29 मार्च को बांदा जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा को देहरादून के लैंडलाइन नंबर से फोन कर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस मामले में थाना कोतवाली नगर जिला बांदा में मुकदमा दर्ज हुआ था। लैंडलाइन नंबर देहरादून का था, ऐसे में उत्तर प्रदेश पुलिस व दूरसंचार विभाग, भारत सरकार ने उत्तराखंड एसटीएफ से जानकारी साझा की। एसटीएफ ने लैंडलाइन नंबर की जांच की तो पता चला कि यह नंबर स्पेक्ट्रम इंफो वेब सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, एमएम टावर के नाम से पंजीकृत है। कंपनी के पते पर जाकर लैंडलाइन नंबर के मालिक के संबंध में जानकारी जुटाई तो पता नहीं लग पाया। इसी बीच गोपनीय जानकारी मिली कि देहरादून का वसंत विहार निवासी अनुराग गुप्ता ने स्पेक्ट्रम इंफो वेब सोल्यूशन प्राइवेट कंपनी के नाम से करीब 500 नंबर लिए हैं, जिनसे वह विदेश की काल को इंटरनेट पर मंगाकर भारतीय मोबाइल नंबरों पर डायवर्ट करता है।

▸ आरोपित ने स्पेक्ट्रम इंफो वेब सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम से लिए थे 500 नंबर



अवैध टेलीफोन एक्सचेंज संचालित करने वाला आरोपित अनुराग गुप्ता।

## मप्र में बगैर इंजन दौड़े मालगाड़ी के 15 डिब्बे, पांच बेपटरी

मालगाड़ी दुर्घटना के बाद मरम्मत कार्य में जुटे रेलवे अधिकारी व कर्मचारी। नईदुनिया

**नईदुनिया, खंडवा :** मध्य प्रदेश के खंडवा रेलवे जंक्शन पर मंगलवार सुबह खंडवा-इटारसी छोर पर खड़ी मालगाड़ी के करीब 15 डिब्बे बगैर इंजन के दौड़ पड़े। करीब 250 मीटर लुढ़कने के बाद पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। मालगाड़ी का एक डिब्बा ओएचई लाइन की पोल से टकरा गया, जिससे विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। एक घंटे बाद अप साइड के मेन ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही शुरू हो गई। मालगाडी लुढ़कने की वजह लापरवाही है या शरारत, अभी स्पष्ट नहीं है।

## सरकारी विभाग से बदतर है मेटा की कार्यप्रणाली : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

एक मामले में जवाब देने में देरी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने अमेरिकी आइटी दिग्गज कंपनी मेटा की खिंचाई करते हुए कहा कि इसकी कार्यप्रणाली सरकारी विभाग से भी बदतर प्रतीत होती है। कोर्ट ने कहा कि कृपया सावधान रहें। आपको स्थिति के प्रति सचेत रहना होगा। अदालत ने कहा कि आपकी व्यवस्था काम नहीं कर रही है, लेकिन इसे काम करना होगा। पीठ ने चेतावनी दी कि अगर मेटा ने अपनी कार्यप्रणाली को व्यवस्थित नहीं किया तो अदालत इसके विरुद्ध सख्त आदेश पारित कर सकती है। कोर्ट के रुख को देखते हुए मेटा के अधिवक्ता ने अदालत से एक दिन का समय मांगा। इस पर पीठ ने मामले की सुनवाई बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने यह टिप्पणी न्यूज चैनल टीवी टुडे की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। न्यूज चैनल के स्वामित्व वाले हार्पर बाजार इंडिया के इंस्टाग्राम पेज को तीसरे पक्ष की कापीराइट के उल्लंघन की शिकायत पर ब्लाक किए जाने के बाद हाई कोर्ट का रुख किया था। टीवी टुडे ने अदालत को बताया कि आइटी नियमों में कुछ अस्पष्टताओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह भी तर्क दिया कि उन्होंने अपनी शिकायत के साथ मेटा को तीन बार लिखा था और यहां तक कि शिकायत निवारण अधिकारी से भी संपर्क किया। मगर हर बार यही जवाब मिला कि उन्होंने उचित जगह पर पत्र नहीं लिखा है। मेटा की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता तेजस करिया ने पीठ को सूचित किया कि हार्पर बाजार का इंस्टाग्राम पेज तीन कापीराइट स्ट्राइक के बाद ब्लाक कर दिया गया था।

एक न्यूज चैनल की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने की टिप्पणी

## छत्तीसगढ़ में हनुमानजी की प्राचीन प्रतिमा तोड़ी

**नईदुनिया, कवर्धा:** छत्तीसगढ़ के कबीरधाम (कवर्धा) जिले में असामाजिक तत्वों ने प्राचीन मंदिर में स्थापित हनुमान प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों ने प्रतिमा के 481 वर्ष पुरानी होने का दावा किया है। वर्ष 2021 में झंडा विवाद के बाद हुई हिंसक घटना के बाद से यह जिला संवेदनशील माना जाता है। गांव में तनाव की आशंका को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन और ग्रामीण मौके पर पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। देर शाम ग्रामीणों ने बैठक भी की। थाना प्रभारी व्यास नारायण ने बताया कि सोमवार रात को प्रतिमा तोड़ी गई है। मंगलवार को प्रभात फेरी निकाल रहे ग्रामीणों की नजर इस पर पड़ी। ग्राम सचिव की शिकायत पर अज्ञात आरोपित के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

प्राचीन हनुमान प्रतिमा। नईदुनिया

## छात्राओं का यौन शोषण कराने वाली निर्मला देवी को दस साल की जेल

**विरुद्धनगर, प्रेट्र:** तमिलनाडु के श्रीविल्लीपुथुर की एक फास्ट ट्रैक महिला अदालत ने एक कालेज की छात्राओं पर यौन शोषण का दबाव डालकर उनका उत्पीड़न करवाने के लिए एक निलंबित महिला सहायक प्रोफेसर निर्मला देवी को दस साल कैद की सजा सुनाई है। निर्मला देवी पर एक विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए इन लड़कियों को उपलब्ध कराने का आरोप है। अदालत ने निर्मला देवी पर 2.42 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। विशेष सरकारी वकील एम. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को बताया कि यौन शोषण के मामले में मदुरई कामराज यूनिवर्सिटी के पूर्व रीसर्च स्कालर एस करुप्पासामी और बर्खास्त प्रवक्ता वी. मुरुगन को बरी किए जाने के खिलाफ सरकार अपील करेगी। उन्होंने बताया कि निर्मला देवी को मानव तस्करी के आरोप में सजा सुनाई गई है।

## विशेष श्रेणी के यात्रियों के लिए इंडिगो ने शुरू किया समर्पित डेस्क

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

विशेष श्रेणी (दिव्यांग या शारीरिक रूप से कमजोर) के यात्रियों को एयरपोर्ट पर एयरलाइंस की ओर से मिलने वाली सुविधाएं विनम्रतापूर्वक सहज व सुलभता से उपलब्ध हों, इसके लिए इंडिगो ने विशेष पहल के तहत आइजीआइ एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर एक समर्पित सेवा शुरू की है। इस सेवा का उद्देश्य एक ओर विशेष श्रेणी के अंतर्गत आने वाले यात्रियों को सहज सुविधा उपलब्ध कराना है, वहीं दूसरी ओर कार्यस्थल और अपने संचालन में विविधता, समानता और समावेशन को बढ़ावा देना है। विशेष पहल के तहत टर्मिनल-1 पर विशेष जरूरतों वाले यात्रियों के लिए चेक-इन की सुविधा के लिए नया समर्पित डेस्क शुरू किया गया है। अब आजीआइ एयरपोर्ट पर विशेष श्रेणी के अंतर्गत आने वाले 20 कर्मी तैनात हैं, जिन्हें सहायता के लिए इस डेस्क पर तैनात किया जाएगा। बतौर एयरलाइंस इंडिगो के विशेष रूप से सक्षम सहयोगियों को भी अपने कौशल और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करके सशक्त बनाएगा।

टर्मिनल 1 पर विशेष श्रेणी के अंतर्गत आने वाले यात्रियों के लिए शुरू किया गया नया डेस्क

## तेल अवीव के लिए एअर इंडिया की उड़ानें 15 मई तक निलंबित

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एअर इंडिया ने तेल अवीव के लिए अपनी उड़ानों का निलंबन 15 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। विमानन कंपनी ने 19 अप्रैल को कहा था कि तेल अवीव के लिए उसकी उड़ानें 30 अप्रैल तक निलंबित रहेंगी। यह दिल्ली और इजरायली शहर के बीच चार साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। एयरलाइन ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच तेल अवीव के लिए आने-जाने वाली उड़ानों का निलंबन 15 मई तक बढ़ा दिया है। एअर इंडिया ने कहा कि हम स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। जिन्होंने इस दौरान तेल अवीव की यात्रा के लिए टिकट ली हुई है। इन यात्रियों को नई तारीख निर्धारित करने और टिकट रद कराने को लेकर शुल्क पर एक बार की छूट दी गई है।

********

**110** करोड़ डालर का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने पाकिस्तान को कर्ज देने की मंजूरी दी है। इसके साथ ही आइएमएफ ने कहा है कि नकदी संकट से जूझ रहे देश को अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है।



# समझौता हो या नहीं रफाह पर करेंगे हमला : नेतन्याहू

## इजरायली पीएम बोले, हमास बटालियनों को करेंगे तबाह

### संघर्ष विराम को लेकर काहिरा में चल रही इजरायल-हमास वार्ता

**तेल अवीव, एपी :** हमास के साथ संघर्ष विराम पर चल रही वार्ता के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को गाजा के रफाह शहर पर हमले का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि समझौता हो या नहीं, इजरायल रफाल पर हमला करेगा और हमास की बटालियनों को तबाह करेगा। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब मिस्र की मध्यस्थता से 33 से 40 बंधकों की रिहाई को लेकर इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते पर बातचीत चल रही है। यह वार्ता मिस्र की राजधानी काहिरा में चल रही है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, बंधकों के परिवारों के साथ बैठक में नेतन्याहू ने कहा कि समझौता हो या नहीं इजरायल हमास की बटालियनों को तबाह करने के लिए रफाह में प्रवेश करेगा। उन्होंने कहा, 'युद्ध में पूरी तरह जीत हासिल करने का संकल्प लिया है और लक्ष्यों को हासिल करने से पहले संघर्ष रोकने का प्रश्न ही नहीं है। रफाह शहर हमास का अंतिम बड़ा गढ़ बचा हुआ है।'

हाल के दिनों में यह उम्मीद बढ़ी है कि संघर्ष विराम पर बात बन जाएगी और रफाह पर हमला रुक जाएगा। दक्षिण गाजा के इस शहर में करीब 23 लाख आबादी है। बंधकों को मुक्त कराने के लिए पिछले करीब सात महीने से गाजा में इजरायल और हमास के बीच संघर्ष चल रहा है। इसमें अब तक 34535 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

इधर, इजरायली सेना ने उत्तरी और मध्य गाजा में हमास की सुरंगों और राकेट लांच पोस्ट को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिका ने गाजा पट्टी में इजरायल की कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की जांच का विरोध किया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका इस तरह की जांच का समर्थन नहीं करता है। इससे पहले इजरायल के अधिकारियों ने यह आशंका जताई कि गाजा में निर्दोष लोगों को मारे जाने के मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय इजरायली नेताओं की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर सकता है।

बेंजामिन नेतन्याहू। फाइल/एपी

### संघर्ष विराम के नए प्रस्ताव को स्वीकार करे हमास : ब्लिंकन

**काहिरा, एपी :** अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हमास से संघर्ष विराम के नए प्रस्ताव को स्वीकार करने की अपील की है। उन्होंने यह अग्रह इजरायल दौरे से पहले किया है। उन्होंने कहा कि हमास को यह प्रस्ताव मान लेना चाहिए। यह उदार प्रस्ताव है। अमेरिकी विदेश मंत्री इस समय पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद इस क्षेत्र का उनका यह सातवां दौरा है।

# अमेरिका में कोलंबिया विश्वविद्यालय के भवन पर फलस्तीन समर्थक छात्रों का कब्जा

- हैमिल्टन हाल के प्रवेश द्वार पर लगाए अवरोध, लहराया फलस्तीन का झंडा
- कोलंबिया विश्वविद्यालय से निलंबित किए जा रहे हैं फलस्तीन समर्थक छात्र

**न्यूयार्क, रायटर :** अमेरिका के विश्वविद्यालयों में फलस्तीनियों के समर्थन में छात्रों का आंदोलन बढ़ता जा रहा है। न्यूयार्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक भवन पर दर्जनों प्रदर्शनकारी छात्रों ने मंगलवार को कब्जा कर लिया। उन्होंने प्रवेश द्वार पर अवरोध लगा दिए और इमारत की एक खिड़की से फलस्तीन का झंडा लहरा दिया। इस बीच विश्वविद्यालय ने फलस्तीनियों के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले छात्रों को निलंबित करना शुरू कर दिया है। एक दिन पहले विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ छात्रों की वार्ता विफल होने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई। छात्रों ने परिसर खाली करने से इन्कार कर दिया था। अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में इजरायल-हमास संघर्ष के विरुद्ध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

कोलंबिया विश्वविद्यालय मैनहटन परिसर स्थित हैमिल्टन हाल पर प्रदर्शनकारियों के कब्जे का वीडियो सामने आया है। भवन के प्रवेश द्वार को फर्नीचर और धातु के अवरोध से बाधित कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विनिवेश, वित्तीय पारदर्शिता और माफी संबंधी तीन मांगें माने जाने तक हाल पर कब्जा रखने की योजना है। इस मामले पर विश्वविद्यालय की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्रों के बीच वार्ता विफल हो गई थी। प्रदर्शनकारी छात्रों को परिसर से करीब 120 टेंट हटाने के लिए सोमवार दोपहर दो बजे तक का समय दिया गया था। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता बेन चांग ने कहा, 'परिसर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत हमने छात्रों को निलंबित करना शुरू कर दिया है। हमारे यहूदी छात्रों के लिए अप्रिय वातावरण बन गया है।' अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में फलस्तीनियों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इससे निपटने के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगहों पर बातचीत का रास्ता अपनाया जा रहा है तो कुछ जगहों पर चेतावनी दी जा रही है। नतीजन पुलिस के साथ झड़प देखने को मिल रही है। देश में बढ़ते इस तरह के आंदोलन का राष्ट्रपति जो बाइडन ने संज्ञान लिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जान किर्बी ने कहा कि राष्ट्रपति किसी भी मसले पर शांतिपूर्ण विरोध का समर्थन करते हैं।

न्यूयार्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय के हैमिल्टन हाल पर फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी छात्र। रायटर

# कनाडा में भारतीय छात्र हर हफ्ते कर सकेंगे 24 घंटे काम

- विश्वविद्यालय व कालेज कैंपस के बाहर विदेशी छात्रों को मिली छूट
- सरकार कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन में वृद्धि पर लगा रही रोक

**ओटावा, प्रेट्र :** कनाडा में भारतीय समेत अंतरराष्ट्रीय छात्रों को सितंबर से हर हफ्ते 24 घंटे विश्वविद्यालय कैंपस से बाहर काम करने की छूट होगी। कनाडा सरकार ने यह नया नियम मंगलवार से ही प्रभावी कर दिया है।

आव्रजन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि विदेशी छात्रों को कैंपस से बाहर प्रति सप्ताह 20 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति देने वाली अस्थायी नीति 30 अप्रैल, 2024 को समाप्त हो चुकी है और इसे अब आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। हमारा इरादा छात्रों द्वारा प्रति सप्ताह कैंपस से बाहर काम करने की संख्या को 24 घंटे में बदलने का है। उन्होंने कहा कि कनाडा सरकार देश भर में अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन में वृद्धि पर रोक लगा रही है।

बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश में श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए कोविड-19 की वैश्विक महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए काम के घंटों पर 20 घंटे की सीमा को अस्थायी रूप से माफ कर दिया था। कनाडा भारतीय छात्रों के लिए सबसे अधिक मांग वाला देश है। कैनेडियन ब्यूरो फार इंटरनेशनल एजुकेशन (सीबीआइई) की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा में 3,19,130 भारतीय छात्र थे।

कनाडा में स्थित कालेजों और विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बीच अधिकांश सीटों पर भारतीयों का कब्जा है।

मिलर ने कहा कि जो छात्र पढ़ाई के लिए कनाडा आते हैं उन्हें प्रति सप्ताह 24 घंटे तक काम करने की अनुमति देने से यह सुनिश्चित होगा कि वे मुख्य रूप से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करेंगे। साथ ही आवश्यक हो तो काम करने का विकल्प भी उनके पास रहेगा। कैंपस से बाहर काम करने से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को काम करने का अनुभव भी मिलेगा। साथ ही खर्चों की भरपाई करने में भी कुछ मदद मिलती है। मालूम हो कि छात्रों की दी गई ऐसी रियायत से उनका वित्तीय बोझ कम होगा और वे भावी रोजगार के लिए भी तैयार हो सकेंगे।

कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर। फाइल

## न्यूज गैलरी

### न्यूयार्क में अगले महीने भारतीय फिल्मोत्सव

**न्यूयार्क :** अगले महीने न्यूयार्क भारतीय फिल्मोत्सव में भारतीय अभिनेत्री शबाना आजमी की सिनेमा जगत में 50 वर्ष की यात्रा का जश्न मनाया जाएगा। यह फिल्मोत्सव भारतीय उपमहाद्वीप की फीचर फिल्मों व वृत्तचित्र का वार्षिक उत्सव है। फिल्मोत्सव का 24वां संस्करण 31 मई से दो जून तक चलेगा। श्याम बेनेगल की 'अंकुर' से अभिनय शुरू करने वाली शबाना फिल्मोत्सव में भाग लेंगी। (प्रेट्र)

### किसी के साथ गुप्त वार्ता नहीं कर रही पीटीआइ : गौहर

**लाहौर :** पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के चेयरमैन बैरिस्टर गौहर खान ने कहा कि उनकी पार्टी किसी के साथ गुप्त रूप से वार्ता नही कर रही है। खबरों में कहा गया है कि जेल में बंद इमरान खान ने प्रतिष्ठान और राजनीतिक बलों के साथ समझौता करने को हरी झंडी दी है। बैरिस्टर गौहर खान ने संवाददाता सम्मेलन में यह बयान दिया। (प्रेट्र)

### इंडोनेशिया का माउंट रुआंग ज्वालामुखी फिर सक्रिय

**जकार्ता :** इंडोनेशिया का माउंट रुआंग ज्वालामुखी मंगलवार को दो सप्ताह में दूसरी बार सक्रिय हुआ। इस ज्वालामुखी की राख आकाश में दो किमी तक फैल गई। ज्वालामुखी सक्रिय होने से हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा। इंडोनेशियाई भूगर्भ सर्वेक्षण ने सुलावेसी द्वीप के लिए ज्वालामुखी अलर्ट स्तर को फिर से उच्च स्तर पर रख दिया है। (एपी)

### छह महीने बाद पृथ्वी पर लौटे चीनी अंतरिक्षयात्री

**बीजिंग :** चीन का शेनझोउ-17 अंतरिक्षयान मंगलवार को धरती पर लौट आया। इस यान से तीन अंतरिक्षयात्री पृथ्वी पर लौटे हैं। तीनों देश के अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने गुजार चुके हैं। तीनों अंतरिक्षयात्री तांग होंगबो, तांग शेनगजिए और जिआंग शिनलिन को लेकर यान उत्तरी चीन के गोबी रेगिस्तान में इनर मंगोलिया स्वायत्तशासी क्षेत्र में शाम छह बजे के आसपास लैंड हुआ। (एपी)

### पाक में पोलियो टीम की सुरक्षा कर रहे पुलिसकर्मी की हत्या

**पेशावर :** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो टीम की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी की बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस प्रांत में इस वर्ष अभी तक टीकाकरण की सुरक्षा में तैनात 10 पुलिसकर्मियों की हत्या हो चुकी है। पुलिस अधिकारी दिलावर खान ने कहा कि बजाउर जिले में बंदूकधारी ने टीम पर गोलियां चलाईं जिससे पुलिस अधिकारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। (एपी)

### भारत-नेपाल के बीच बिजनेस टू बिजनेस बैठक

**काठमांडू :** आर्थिक साझेदारी मजबूत करने के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल निवेश बोर्ड, नेपाल भारत चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के साथ मिलकर मंगलवार को बिजनेस टू बिजनेस (बी टू बी) बैठक की मेजबानी की। बैठक में मिलेनियम इंडिया इंटरनेशनल चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री और एनआइसीसीआइ के 35 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एनआइसीसीआइ के अध्यक्ष श्रीजना राणा ने कहा कि हाईड्रोपावर, पर्यटन और कृषि दोनों देशों के बीच सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। इसमें दोनों देशों के संबंध् मजबूत होंगे। (प्रेट्र)

# लंदन में सिरफिरे ने तलवार से किया लोगों पर हमला, किशोर की गई जान

- हमले में दो पुलिस अधिकारियों समेत चार लोग घायल
- ब्रिटिश पीएम सुनक ने पीड़ितों के प्रति व्यक्त कीं संवेदनाएं

**लंदन, प्रेट्र :** ब्रिटेन की राजधानी लंदन के हैनाल्ट क्षेत्र में ट्यूब स्टेशन के निकट मंगलवार सुबह एक सिरफिरे ने वाहन को घर से टकराने के बाद तलवार से लोगों पर हमला कर दिया। हमले में किशोर की मौत हो गई और दो पुलिस अधिकारियों समेत चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने घटना को दुखद करार देते हुए प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और कहा कि देश की सड़कों पर इस प्रकार की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में हमलावर हाथ में तलवार लेकर हैनाल्ट इलाके में घरों के पास घूमता नजर आ रहा है।

मेट्रोपालिटन पुलिस के मुख्य अधीक्षक स्टुअर्ट बेल ने बताया कि तलवार से हमला किए जाने के बाद तत्काल 13 वर्षीय किशोर को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अन्य घायलों का उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि उन्हें मंगलवार सुबह तकरीबन सात बजे पूर्वी लंदन के थर्लो गार्डन्स में वाहन के घर में घुसने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद 22 मिनट के भीतर ही 36 वर्षीय हमलावर को हिरासत में ले लिया गया। आरोपित से पूछताछ की जा रही है। हालांकि उन्होंने इसे आतंकी घटना मानने से इन्कार कर दिया।

लंदन के हैनाल्ट क्षेत्र में इस सिरफिरे ने लोगों पर तलवार से हमला किया। इंटरनेट मीडिया

# मालदीव में भारतीयों-मालदीवियों के बीच मारपीट, दो लोग घायल

**माले, प्रेट्र :** मालदीव में सोमवार रात भारतीयों और मालदीवियों के समूहों के बीच विवाद हो गया। विवाद के बाद हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए। मामले में पुलिस ने मालदीव के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, माले से सात किमी की दूरी पर स्थित हुलहुमले के केंद्रीय पार्क में सोमवार रात तकरीबन नौ बजे भारतीय और मालदीव के नागरिकों के समूहों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। मारपीट की घटना में दो लोग घायल हो गए और उन्हें आनन-फानन हुलहुमले अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उपचार के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई। हालांकि यह जानकारी नहीं हो सकी कि मारपीट में घायल भारतीय हैं अथवा मालदीव के नागरिक। पुलिस ने बताया कि पार्क में भारतीय और मालदीव के नागरिकों के समूहों के बीच मारपीट हुई थी। ममले की जांच की जा रही है।

# पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप अवमानना के दोषी करार, नौ हजार डालर का जुर्माना

- मुंह बंद करने के लिए धन देने के मामले में कोर्ट की फटकार
- आदेशों के दोबारा उल्लंघन पर जेल में डालने की दी चेतावनी

**न्यूयार्क, एपी :** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। कई कानूनी मुकदमों का सामना कर रहे ट्रंप को मंगलवार को कोर्ट ने अवमानना का दोषी ठहराया और नौ हजार डालर का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना मुंह बंद करने के लिए धन देने के मामले में गवाहों, ज्यूरी और अन्य के संबंध में सार्वजनिक बयान देने से रोकने वाले गैग आदेश का लगातार उल्लंघन करने पर लगाया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने आदेश का दोबारा उल्लंघन करने पर उन्हें जेल में डालने की चेतावनी भी दी। अमेरिका में इस साल के अंत में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इसमें वर्तमान राष्ट्रपति बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के बीच सीधा मुकाबला है।

अभियोजकों ने ट्रंप पर 10 मामलों में उल्लंघन का आरोप लगाया था। जस्टिस जुआन एम. मर्चन ने उन्हें नौ मामलों में दोषी पाया। जस्टिस मर्चन ने आदेश में कहा कि अदालत वैध आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगी। अदालत ने जुर्माना भरने के लिए ट्रंप को शुक्रवार शाम तक का समय दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने ट्रंप को अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट 'ट्रूथ' से सात और अपनी प्रचार बेवसाइट से दो भड़काऊ पोस्ट मंगलवार दोपहर तक हटाने का आदेश दिया। यह अर्थदंड पूर्व रिपब्लिकन राष्ट्रपति के लिए कड़ी नसीहत है, क्योंकि वह कहते थे कि वह अपने स्वतंत्र भाषण के अधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल फोटो

# लंदन में पत्नी की हत्या में भारतीय को उम्रकैद

- कोर्ट में हत्या का दोष कर लिया था स्वीकार

**लंदन, प्रेट्र :** ब्रिटेन की राजधानी लंदन में अपनी 19 वर्षीया पत्नी महक शर्मा की हत्या का दोष स्वीकार करने वाले 24 वर्षीय भारतीय साहिल शर्मा को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। महक भी भारतीय नागरिक थी। गत अक्टूबर में दक्षिण लंदन के क्रोयडान में स्थित घर में महक मृत पाई गई थी। उसके शरीर पर चाकू के घाव मिले थे।

साहिल शर्मा को महक की हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। मेट्रोपोलिटन पुलिस ने कहा कि शुक्रवार को किंग्सटन क्राउन कोर्ट ने साहिल को सजा सुनाई। इसी कोर्ट में साहिल ने फरवरी में महक की हत्या का दोष स्वीकार किया था। 29 अक्टूबर 2023 को साहिल ने इमरजेंसी नंबर 999 पर काल कर पुलिस को बताया कि अपने घर में उसने पत्नी की हत्या कर दी है। 31 अक्टूबर को पोस्टमार्टम में बताया गया कि गर्दन पर चाकू के घाव के कारण महक की मौत हुई।

# आइसीजे ने इजरायल को सहायता देने से रोकने की अपील खारिज की

**द हेग, एपी :** अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आइसीजे) ने मंगलवार को निकारागुआ के अपील को खारिज कर दिया। निकारगुआ ने जर्मनी द्वारा इजरायल को उपलब्ध कराई जा रही सैन्य और अन्य सहायता देने से रोकने और गाजा में संयुक्त राष्ट्र सहायता एजेंसी को धन नवीनीकृत करने का आदेश देने की मांग की थी। आइसीजे ने कहा कि ऐसा आदेश देने के लिए कानूनी शर्तें पूरी नहीं की गईं।

संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत के अध्यक्ष ने निकारागुआ के अनुरोध पर न्यायाधीशों का फैसला सुनाने के लिए सुनवाई शुरू की। फलस्तीनियों के पुराने सहयोगी निकारागुआ ने आरोप लगाया था कि जर्मनी इजरायल को हथियार और अन्य सहायता भेजकर नरसंहार को बढ़ावा दे रहा है। हालांकि जर्मनी ने आरोपों को खारिज कर दिया। जर्मनी ने दलील दी कि गत सात अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल में घुसपैठ के बाद गाजा में शुरू हुए संघर्ष के बाद से उसने मुश्किल से कोई हथियार निर्यात किया है।

# अमेरिका में वांछित को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग, चार की मौत

अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में अवैध बंदूक रखने के एक आरोपित के इसी घर में पुलिस अधिकारी वारंट तामील कराने पहुंचे थे, जहां उन पर हुई फायरिंग में चार पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। एएफपी

**वाशिंगटन, एपी :** अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग में चार पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। ये सभी अवैध रूप से बंदूक रखने के आरोप में एक वांछित अपराधी को वारंट तामील कराने उसके घर पहुंचे थे। घटना की जानकारी पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने उत्तरी कैरोलिना के गवर्नर राय कूपर से बातचीत की और अमेरिका में बंदूक हिंसा से निपटने के लिए अतिरिक्त उपाय करने का आह्वान किया। चार्लोट-मेक्लेनबर्ग पुलिस विभाग प्रमुख जानी जेनिंग्स ने बताया कि पुलिस अधिकारियों के घर पहुंचते ही अपराधी ने फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ में वांछित अपराधी समेत चार पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। तीन घंटे के गतिरोध के बाद स्वाट टीम घर में प्रवेश करने में कामयाब रही और घर से दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया। जेनिंग्स ने बताया कि आशंका है कि हिरासत में लिए गए संदिग्धों में से एक ने अधिकारियों पर फायरिंग की। जेनिंग्स ने कहा कि हमने समाज को सुरक्षित रखने का प्रयास करने वाले कुछ नायकों को खो दिया।

# भारत 6.15 करोड़ डालर से कराएगा श्रीलंका के बंदरगाह का विकास

**कोलंबो, प्रेट्र :** श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबारने के बाद अब भारत पड़ोसी देश के कांकेसंथुराई बंदरगाह को विकसित करने का पूरा खर्च 6.15 करोड़ डालर उठाएगा। भारत द्वारा सहमति जताए जाने के बाद श्रीलंका की कैबिनेट ने बंदरगाह के नवीनीकरण कार्य को शुरू कराने का निर्णय लिया। परियोजना के लिए दो मई 2017 को श्रीलंका की कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में तकरीबन 16 एकड़ में फैला कांकेसंथुराई बंदरगाह पुडुचेरी के कराईकल बंदरगाह से महज 56 नाटिकल मील (तकरीबन 104 किमी) की दूरी पर स्थित है। श्रीलंका सरकार ने बयान जारी कर कहा कि परामर्श सेवा एजेंसियों द्वारा प्रदान की गई इक्विटी का आर्थिक मूल्य (ईवीई) अनुमानित लागत प्रासंगिक ऋण राशि से अधिक होने के कारण परियोजना के क्रियान्वयन में देरी हुई। भारत से चर्चा की गई और अब परियोजना को सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत पूरा करने की योजना है।

# अफगानिस्तान में शिया मस्जिद पर हमले में छह की मौत

अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में गुजारा जिले की एक मस्जिद पर सोमवार रात बंदूकधारियों के हमले में मारे गए लोगों के दफनाए जाने के दौरान लोगों की सुरक्षा में तैनात तालिबान सुरक्षा गार्ड के जवान। एएफपी

**काबुल, एपी :** पश्चिमी अफगानिस्तान की एक मस्जिद में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की जिससे मस्जिद के इमाम समेत वहां नमाज अदा कर रहे छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया और अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने कहा कि हमले का निशाना बनी मस्जिद देश के अल्पसंख्यक शिया समुदाय की है। करजई ने एक्स पोस्ट में हमले की निंदा की है।

तालिबान गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने कहा कि हेरात प्रांत में गुजारा जिले में सोमवार रात यह हमला हुआ। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा है कि मामले की जांच जारी है। किसी ने भी अभी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। गोलीबारी में दूसरे कई नमाजी घायल हो गए। हमले के बाद बंदूकधारी घटनास्थल से भाग निकला। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन ने हमले की निंदा करते हुए कहा है कि हमले में एक बच्चा समेत कम से कम सात लोग घायल हो गए हैं। अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट से जुड़ा समूह तालिबान का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी है और वह आए दिन स्कूलों, अस्पतालों, मस्जिदों एवं शियाओं के क्षेत्रों पर हमले करता है।

# प्लास्टिक प्रदूषण पर वैश्विक संधि के मसौदे पर हुई बात

- प्लास्टिक उत्पादन की वैश्विक सीमा तय करने पर सामने आए मतभेद
- दक्षिण कोरिया में इसी वर्ष आयोजित किया जाएगा वार्ता का पांचवा सत्र

**ओटावा,एपी :** विश्व में प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने के लिए कनाडा में चल रही वार्ता में पहली बार वैश्विक संधि के लिए संभावित मसौदे पर चर्चा हुई। हालांकि देश इस बात पर बंटे हुए थे कि क्या प्लास्टिक उत्पादन पर वैश्विक सीमा तय की जाए। इसी के साथ प्लास्टिक प्रदूषण पर चल रही चौथे दौर की वार्ता मंगलवार सुबह समाप्त हो गई। अंतर सरकारी वार्ता समिति के प्रतिनिधियों और पर्वेक्षकों ने इसे स्वागत योग्य संकेत बताते हुए कहा है कि बातचीत अब विचार के स्तर से आगे बढ़ कर इस बात पर हो रही है कि संधि में किन शब्दों को शामिल किया जाए। ओटावा,सत्र की समाप्ति पर समिति संधि पर काम जारी रखने पर सहमत हुई है। संधि पर आखिरी बैठक इसी वर्ष दक्षिण कोरिया में होनी है। वार्ता के दौरान वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक के उत्पादन को सीमित करना सबसे अहम मुद्दे के तौर पर उभरा। प्लास्टिक का उत्पादन करने वाले देशों और कंपनियों के अलावा तेल और गैस का निर्यात करने वाले देशों ने इस पर आपत्ति की। विश्व में सबसे ज्यादा प्लास्टिक जीवाश्म ईंधन और रसायन से बनाया जाता है। इंटरनेशनल काउंसिल आफ केमिकल एसोसिएशन के प्रवक्ता स्टीवर्ट हैरिस ने कहा कि सदस्य ऐसी संधि चाहते हैं जिसमें प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग और रीयूज पर फोकस किया जाए। उन्होंने कि वे नहीं चाहते हैं कि प्लास्टिक के उत्पादन को सीमित किया जाए और उनका मानना है कि इस समझौते के जरिये रसायन का नियमन नहीं किया जाना चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए पहली बैठक 2022 के दिसंबर महीने में उरुग्वे के पुंटा डेल एस्टे में हुई थी।

# भारत बनना चाहता है सुपरपावर, हम मांग रहे भीख : पाकिस्तानी विपक्ष

**इस्लामाबाद, एएनआइ :** पाकिस्तान में विपक्ष के नेता और जेयूआइ-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने भारत से देश की तुलना करते हुए कहा है जहां भारत सुपरपावर बनने का सपना देख रहा है, वहीं हम दिवालिया होने से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। आखिर कौन इसका जिम्मेदार है।

मौलाना फजलुर ने 2024 के चुनाव के बाद नेशनल असेंबली के उद्घाटन सत्र में सदन को संबोधित करते हुए इस दुर्दशा के लिए पर्दे के पीछे निर्णय लेने वाली शक्तियों को जिम्मेदार ठहराया। ऐसी ताकतों ने प्रतिनिधियों को बस कठपुतली बनाकर रख दिया है। जेयूआइ-एफ प्रमुख ने दावा किया, 'दीवारों के पीछे कुछ शक्तियां हैं जो हमें नियंत्रित कर रही हैं।' मौलाना फजलुर ने सांसदों पर लोकतंत्र को बेचने का आरोप लगाया। पाकिस्तान में प्रतिनिधित्व की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रश्न किया कि क्या वास्तव में संसद लोगों की इच्छा को प्रतिबिंबित करती है?

********

# कोरोना का पहला सिक्वेंस डिकोड करने वाले चीनी विज्ञानी को लैब से निकाला

- विषाणु विज्ञानी झांग योंगझेन विरोध जताने के लिए धरने पर बैठे
- चीन नहीं चाहता कोरोना से निपटने के तरीके की समीक्षा नहीं हो सके

**शंघाई, एपी :** चीन में कोरोना वायरस का सिक्वेंस को डिकोड करने वाले पहले विज्ञानी को उनकी लैब से बाहर निकाल दिया गया है। इसके विरोध में उन्हें धरने पर बैठना पड़ा है। विषाणु विज्ञानी झांग योंगझेन ने जनवरी 2020 में कोरोना का सिक्वेंस डिकोड किया था। यह कदम दिखाता है कि चीन की सरकार विज्ञानियों पर लगातार दबाव बना रही है ताकि कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप से निपटने के उसके तरीके की समीक्षा नहीं हो सके।

विषाणु विज्ञानी झांग योंगझेन ने सोमवार को आनलाइन पोस्ट में लिखा कि उन्हें तथा उनकी टीम को पता चला कि उन्हें उनकी प्रयोगशाला से बाहर निकाला जा रहा है। झांग ने चीनी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म 'वीबो' पर यह पोस्ट लिखा था, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया। शंघाई पब्लिक हेल्थ क्लिनिकल सेंटर ने आनलाइन बयान में कहा कि झांग की लैब को सुरक्षा कारणों से इसे बंद किया गया है। उन्हें वैकल्पिक प्रयोगशाला मुहैया कराई गई है। लेकिन झांग ने लिखा कि उनकी टीम को उनके निष्कासन की सूचना मिलने तक कोई विकल्प नहीं दिया गया था। दरअसल चीन नहीं चाहता कि कोरोना के प्रकोप के शुरुआत किस तरह हुई इस बारे में दुनिया को पता चले। उसने इस बारे में शोध कर रहे विज्ञानियों के प्रयोगशालाओं को बंद करवा दिया है। विदेशी विज्ञानियों को देश से बाहर कर दिया है। चीनी शोधकर्ताओं को देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। झांग की चुनौतियां तब शुरू हुईं जब उन्होंने और उनकी टीम ने पांच जनवरी, 2020 को वायरस को डिकोड किया और चीनी अधिकारियों को इसके फैलने की आशंका को लेकर चेताया। हालांकि वायरस के सिक्वेंस को सार्वजनिक नहीं किया। चीन के शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी ने झांग की प्रयोगशाला को अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश दिया गया। विदेशी विज्ञानियों को जल्द ही पता चला कि झांग और अन्य चीनी विज्ञानियों ने वायरस को समझ लिया है और उन्होंने चीन से सिक्वेंस जारी करने का आह्वान किया। सरकार से अनुमति न होने के बावजूद, झांग ने इसे 11 जनवरी, 2020 को प्रकाशित किया। परीक्षण, रोग नियंत्रण उपायों व टीकाकरण के लिए वायरस के सिक्वेंस का पता लगाना जरूरी होता है।

झांग योंगझेन। फाइल

# टी-20 आइपीएल

**पर्पल कैप**

| गेंदबाज | टीम | विकेट |
|---|---|---|
| बुमराह | मुंबई | 14 |
| मुस्तफिजुर | सीएसके | 14 |
| हर्षल पटेल | पंजाब | 14 |

**आरेंज कैप**

| बल्लेबाज | टीम | रन |
|---|---|---|
| विराट कोहली | आरसीबी | 500 |
| रुतुराज | सीएसके | 447 |
| साई सुदर्शन | गुजरात | 418 |

# एलएसजी की जीत में फिर नायक बने स्टोइनिस

## मुंबई को चार विकेट से हराया मार्कस ने अर्धशतक के साथ लिया अहम विकेट

विकास मिश्र ● जागरण

विकेट लेने के बाद स्टोइनिस व अन्य खिलाड़ी ● एपी

**लखनऊ :** घरेलू मैदान पर 27 अप्रैल को राजस्थान रायल्स से हार के बाद मंगलवार को लखनऊ सुपरजायंट्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद आलराउंडर मार्कस स्टोइनिस (62) की धमाकेदार पारी के दम पर मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराया। मुंबई के 145 रनों के लक्ष्य को एलएसजी ने 19.2 ओवर में छह विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही मेजबान टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान के साथ प्लेआफ का दावा भी मजबूत कर लिया है। स्टोइनिस को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

**मार्कस का आलराउंड खेल :** चेन्नई सुपरकिंग्स के विरुद्ध शानदार शतक जड़कर टीम को जीत दिलाने वाले आस्ट्रेलियाई आलराउंडर मार्कस स्टोइनिस फिर टीम के लिए जीत के नायक बनकर उभरे। पहले गेंद से कमाल दिखाया है और टी-20 के नंबर एक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आउट कर मुंबई को घुटनों पर ला दिया। इसके बाद कप्तान केएल राहुल के साथ पारी को संभाला और अर्धशतक लगाकर टीम के लिए जीत की नींव रखी।

**आसान किया लक्ष्य :** सुपरजायंट्स ने महज एक रन के स्कोर पर इंपैक्ट खिलाड़ी अर्शिन कुलकर्णी (01) का विकेट गंवा दिया। मौजूदा सत्र में अपना पहला मैच खेल रहे अर्शिन तुषारा की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। इसके बाद मार्कस स्टोइनिस ने राहुल (28) के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 58 रन और दीपक हुड्डा (18) के साथ मिलकर 41 रन जोड़कर मुंबई के जबड़े से जीत लगभग छीन ली। 59 रन के कुल स्कोर पर राहुल हार्दिक पांड्या की गेंद को फाइन-लेग के ऊपर से छक्का मारने के प्रयास किया, लेकिन मोहम्मद नबी ने शानदार कैच लपक कर उनके मंसूबे पर पानी फेर दिया। वहीं, 99 रन के कुल स्कोर पर हार्दिक ने दीपक हुड्डा का विकेट लेकर मुंबई को तीसरी सफलता दिलाई। इसी बीच, स्टोइनिस ने 39 गेंदों पर छह चौके व एक छक्के की मदद से आइपीएल का नौवां और मौजूदा सत्र का दूसरा अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने शुरुआत में जमने के बाद मुंबई के गेंदबाजों की खूब खबर ली। आस्ट्रेलिया आलराउंडर ने बुमराह के दूसरे ओवर में लांगआफ के ऊपर से शानदार छक्का जड़ा। हालांकि, एक समय 18.1 ओवर में 133 रन पर आयुष बडोनी (06) के रूप में छठा विकेट गंवाकर लखनऊ की टीम मुश्किल में थी, लेकिन दूसरे छोर पर खड़े निकोलस पूरन ने निर्धारित ओवर से चार गेंद पहले ही टीम को छठी जीत दिला दी।

**मुंबई का एक और खराब प्रदर्शन:** इससे पहले इकाना स्टेडियम में सुपरजायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने काली मिट्टी की पिच का मिजाज समझते हुए टास जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी का न्योता दिया। एलएसजी के गेंदबाजों ने अपने कप्तान के निर्णय को सही साबित भी किया। मुंबई की टीम सिर्फ 27 रन के स्कोर पर रोहित शर्मा (04), सूर्य कुमार यादव (10), तिलक वर्मा (07) और कप्तान हार्दिक पांड्या (00) जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के विकेट गंवाकर बैकफुट पर आ गई। एक समय टीम के लिए 100 रनों का आंकड़ा भी छूना मुश्किल लग रहा था, लेकिन ईशान किशन (32) ने नेहाल वढेरा (46) के साथ पांचवें विकेट के लिए 53 रनों की अहम साझेदारी कर मुंबई को संकट से बाहर निकाला। इसके बाद टिम डेविड (35) और वढेरा ने आखिरी के छह ओवरों में 64 रन जुटाकर मुंबई को 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रनों के सम्मानजक स्कोर तक पहुंचाया। लखनऊ के लिए मोहसिन खान सबसे सफल गेंदबाज रहे।

**नहीं चला हिटमैन का बल्ला:** मैच शुरू होने के एक घंटे के भीतर 50 हजार क्षमता वाले इकाना स्टेडियम की करीब 95 प्रतिशत कुर्सियां भर गईं। दरअसल, इसकी वजह रोहित शर्मा थे, लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने हिटमैन को मार्कस स्टोइनिस के हाथों कैच करा खेल प्रशंसकों को निराश कर दिया। मुंबई ने पहले ओवर में सिर्फ दो रन बनाए, लेकिन मैच के दूसरे ओवर और मार्कस स्टोइनिस के पहले ओवर में रोहित ने शानदार चौका जड़कर अच्छा संकेत दिया।

हालांकि, इसी ओवर की तीसरी गेंद पर वह अपना विकेट गंवा बैठे। इसके अलावा कप्तान हार्दिक पांड्या, सूर्य कुमार यादव और तिलक वर्मा ने भी निराश किया। लखनऊ की ओर से मोहसिन खान सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने दो विकेट हासिल किए। वहीं, स्टोइनिस, नवीन उल-हक, मयंक यादव और रवि बिश्नोई ने भी एक-एक विकेट चटकाए।

### स्कोर बोर्ड

**मुंबई इंडियंस : 144/7 (20 ओवर)**

| | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| इशान का. मयंक बो. बिश्नोई | 32 | 36 | 3/0 |
| रोहित का. स्टोइनिस बो. मोहसिन | 04 | 05 | 1/0 |
| सूर्यकुमार का. राहुल बो. स्टोइनिस | 10 | 06 | 0/1 |
| तिलक वर्मा रन आउट | 07 | 11 | 1/0 |
| हार्दिक का. राहुल बो. नवीन | 00 | 01 | 0/0 |
| नेहाल वढेरा बो. मोहसिन | 46 | 41 | 4/2 |
| टिम डेविड अविजित | 35 | 18 | 3/1 |
| नबी बो. मयंक | 01 | 02 | 0/0 |
| कोएत्जे अविजित | 01 | 02 | 0/0 |

अतिरिक्त : 8 (लेबा-2, वा-4, नोबा-2)
कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रन
विकेटपतन : 1-7 (रोहित, 1.3), 2-18 (सूर्यकुमार, 2.4), 3-27 (तिलक, 5.1), 4-27 (हार्दिक, 5.2), 5-80 (इशान, 13.6), 6-112 (नेहाल, 17.1), 7-123 (नबी, 18.1)
गेंदबाजी : स्टोइनिस 3-0-19-1, मोहसिन 4-0-36-2, नवीन 3.5-0-15-1, मयंक यादव 3.1-0-31-1, बिश्नोई 4-0-28-1, दीपक हुड्डा 2-0-13-0

**सुपरजायंट्स : 145/6 (19.2 ओवर)**

| | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| राहुल का. नबी बो. हार्दिक | 28 | 22 | 3/1 |
| कुलकर्णी एलबीडब्ल्यू बो. नुवान | 00 | 01 | 0/0 |
| स्टोइनिस का. तिलक बो. नबी | 62 | 45 | 7/2 |
| दीपक का. बुमराह बो. हार्दिक | 18 | 18 | 2/0 |
| पूरन अविजित | 14 | 14 | 1/0 |
| एश्टन टर्नर बो. कोएत्जे | 05 | 09 | 0/0 |
| आयुष बडोनी रन आउट | 06 | 06 | 1/0 |
| कुणाल पांड्या अविजित | 01 | 01 | 0/0 |

अतिरिक्त : 11 (लेबा-4, वा-7)
कुल : 19.2 ओवर में छह विकेट पर 145 रन
विकेटपतन : 1-1 (कुलकर्णी, 0.4), 2-59 (राहुल, 7.2), 3-99 (हुड्डा, 13.1), 4-115 (स्टोइनिस, 14.5), 5-123 (टर्नर, 17.1), 6-133 (बडोनी, 18.1)
गेंदबाजी : नुवान 4-0-30-1, बुमराह 4-0-17-0, कोएत्जे 3-0-29-1, पीयूष 3-0-23-0 हार्दिक 4-0-26-2, नबी 1.2-0-16-1

### अनफिट मयंक नहीं फेंक सके अपने कोटे के ओवर

शुरुआत के पांच मैचों के बाद चोट की वजह से बाहर चल रहे स्पीड स्टार मयंक यादव ने मुंबई के खिलाफ वापसी तो की, लेकिन वह लय में नहीं दिखे। वह अपने कोटे का चार ओवर भी नहीं फेंक सके। चौथे ओवर की एक गेंद फेंकने के बाद मयंक को एक बार फिर मैदान से बाहर जाना पड़ा। 21 वर्षीय गेंदबाज ने पहले ओवर में 152.8 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी। इस ओवर में उनकी रफ्तार 145-143 किलोमीटर प्रतिघंटा रही, पर दूसरे ओवर से वह असहज दिखने लगे।

# सुपरकिंग्स को पंजाब से रहना होगा सावधान

सैम कुरेन ● फाइल फोटो, एएफपी

रुतुराज गायकवाड़ ● फाइल फोटो, एएनआइ

**चेन्नई, प्रेट्र :** प्रदर्शन में निरंतरता की कमी से जूझ रही चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम बुधवार को जब पंजाब किंग्स के विरुद्ध उतरेगी तो उसकी नजरें खेल के सभी विभागों में एकजुट प्रदर्शन करने पर टिकी होंगी। पंजाब किंग्स ने पिछले मुकाबले में केकेआर के विरुद्ध 262 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। ऐसे में अंक तालिका में आठवें नंबर चल रही पंजाब के विरुद्ध चेन्नई को सावधान रहना होगा क्योंकि यहां से एक और हार उसकी प्लेआफ में पहुंचने की उम्मीदों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह मैच चेपक स्टेडियम में खेला जाएगा, जो सुपरकिंग्स का गढ़ है। यहां गेंदबाजों को पिच से मदद मिलती है और मेजबान टीम ने पिछले मैच में सनराइजर्स पर 78 रन की आसान जीत दर्ज की।

### चेपक में आज होगी भिड़ंत, किंग्स की नजरें फिर उलटफेर पर

सुपरकिंग्स के बल्लेबाजी क्रम में असली तूफान शिवम दुबे हैं जिन्होंने इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आते हुए विपक्षी गेंदबाजों को धराशायी किया है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम रिकार्ड लक्ष्य हासिल करने के बाद लय को जारी रखते हुए अंक तालिका में मौजूदा आठवें स्थान से आगे बढ़ने को बेताब होगी। इसके लिए टीम को बल्लेबाजों से एक बार फिर से एकजुट प्रदर्शन की उम्मीद है। जिम्मेदारी एक बार फिर नाइटराइडर्स के विरुद्ध शतक जड़ने वाले जानी बेयरस्टो, शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह के कंधों पर होगी। टीम हालांकि विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा से अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन चाहेगी।

| अंक तालिका | | मैच | जीत | हार | टाई | नेट रन रेट | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राजस्थान | 9 | 8 | 1 | 0 | +0.694 | 16 |
| 2 | केकेआर | 9 | 6 | 3 | 0 | +1.096 | 12 |
| 3 | लखनऊ | 10 | 6 | 4 | 0 | +0.094 | 12 |
| 4 | सीएसके | 9 | 5 | 4 | 0 | +0.810 | 10 |
| 5 | हैदराबाद | 9 | 5 | 4 | 0 | +0.075 | 10 |
| 6 | दिल्ली | 11 | 5 | 6 | 0 | -0.442 | 10 |
| 7 | गुजरात | 10 | 4 | 6 | 0 | -1.113 | 8 |
| 8 | पंजाब | 9 | 3 | 6 | 0 | -0.187 | 6 |
| 9 | मुंबई | 10 | 3 | 7 | 0 | -0.272 | 6 |
| 10 | आरसीबी | 10 | 3 | 7 | 0 | -0.415 | 6 |

# नए खिलाड़ियों को परखा, लेकिन पुराने धुरंधरों पर लगाया दांव

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

**नई दिल्ली:** नवंबर 2022 में आस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद बीसीसीआइ ने भविष्य की टी-20 टीम बनाने की प्रक्रिया शुरू की और इसके तहत रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को इस टीम का हिस्सा नहीं बनाया। हार्दिक पांड्या को टी-20 टीम की कप्तानी सौंपी गई और उनकी कप्तानी में भारत ने आयरलैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और फिर न्यूजीलैंड को टी-20 सीरीज में हराया। इस दौरान यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, रिंकू सिंह, रवि बिश्नोई जैसे कई युवा खिलाड़ियों को परखा और उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित भी किया।

2007 में भी जब भारत ने पहली बार ट्राफी जीती थी तो उस टीम में महेंद्र सिंह धौनी समेत सभी युवा खिलाड़ी थे। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में इतने खिलाड़ियों को परखना दिखाता था कि बीसीसीआइ अगले टी-20 विश्व कप में किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। रोहित और विराट के बाहर होने के बाद ओपनिंग में इशान किशन, शुभमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी और यहां तक कि रिषभ पंत को भी आजमाया गया। मध्यक्रम में तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे को अवसर दिए गए। तब लग रहा था कि बीसीसीआइ सही रास्ते पर है और युवाओं में निवेश उसे दूसरी बार टी-20 विश्व कप की ट्राफी दिला सकता है। लेकिन पिछले वर्ष वनडे विश्व कप के फाइनल में हार के बाद अफगानिस्तान सीरीज से पहले बीसीसीआइ ने यू टर्न लिया और रोहित शर्मा व विराट कोहली की वापसी ने बताया कि वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए बीसीसीआइ एक बार फिर अपने पुराने धुरंधरों पर ही दांव लगाएगा और अंततः हुआ भी ऐसा ही। भारत एक बार फिर उसी ब्लूप्रिंट के साथ खिताबी सूखे को खत्म करने की आशा कर रहा है, जिससे उसे यूएई और आस्ट्रेलिया में सफलता नहीं मिली थी।

मार्च में बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने रोहित को टी-20 विश्व कप के लिए कप्तान भी घोषित कर दिया, जबकि हार्दिक को उपकप्तान बनाया गया। हालांकि तब ये चर्चा थी कि चयनकर्ता टीम चयन से पहले आइपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेंगे, लेकिन मंगलवार को जब टीम घोषित हुई तो कोई चौंकाने वाला नाम नहीं था। चयन से पहले हार्दिक के नाम को लेकर जरूर थोड़ा विवाद था क्योंकि न तो वह बल्ले और न ही गेंद से प्रभावित कर पाए थे, लेकिन इसके बावजूद उनका चयन हुआ। इस टीम में नौ खिलाड़ी ऐसे हैं, जो 2022 में भी टी-20 विश्व कप खेले थे। बीसीसीआइ सूत्रों ने बताया कि हार्दिक भले ही खराब फार्म में हो, लेकिन वह अब भी भारत का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजी आलराउंडर हैं और उसे बाहर करना एक जोखिम होता क्योंकि वह एकमात्र व्यक्ति है जिसने गेंदबाजी की है।

### टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित (कप्तान)

| मैच | रन |
|---|---|
| 151 | 3974 |

हार्दिक (उपकप्तान)

| मैच | रन |
|---|---|
| 92 | 1348 |

यशस्वी जायसवाल

| मैच | रन |
|---|---|
| 17 | 502 |

विराट कोहली

| मैच | रन |
|---|---|
| 117 | 4037 |

पंत (विकेटकीपर)

| मैच | रन |
|---|---|
| 66 | 987 |

सूर्यकुमार यादव

| मैच | रन |
|---|---|
| 60 | 2141 |

संजू (विकेटकीपर)

| मैच | रन |
|---|---|
| 25 | 374 |

शिवम (आलराउंडर)

| मैच | रन | विकेट |
|---|---|---|
| 21 | 276 | 8 |

जडेजा (आलराउंडर)

| मैच | रन | विकेट |
|---|---|---|
| 66 | 480 | 53 |

अक्षर (आलराउंडर)

| मैच | रन | विकेट |
|---|---|---|
| 52 | 361 | 49 |

कुलदीप यादव

| मैच | विकेट |
|---|---|
| 35 | 59 |

युजवेंद्र सिंह चहल

| मैच | विकेट |
|---|---|
| 80 | 96 |

अर्शदीप सिंह

| मैच | विकेट |
|---|---|
| 44 | 62 |

जसप्रीत बुमराह

| मैच | विकेट |
|---|---|
| 62 | 74 |

मोहम्मद सिराज

| मैच | विकेट |
|---|---|
| 10 | 12 |

**रिजर्व खिलाड़ी**

शुभमन गिल

रिंकू सिंह

आवेश खान

खलील अहमद

### रिंकू को इंपैक्ट खिलाड़ी नियम का नुकसान हुआ

पिछले आइपीएल में एक ओवर में पांच छक्के जड़कर सुर्खियां बटोरने वाले अलीगढ़ के 26 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह पर शिवम दुबे को प्राथमिकता देकर टीम में जगह दी गई जबकि उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया। रिंकू को टीम में होना चाहिए था, लेकिन आइपीएल में केकेआर की तरफ से ज्यादा मौके नहीं मिले। यशस्वी, रोहित और विराट के शीर्ष तीन में उतरने से टीम इंडिया के अंतिम 11 में सूर्य कुमार और रिषभ ही बल्लेबाज के तौर पर खेल पाएंगे। इसके बाद हार्दिक और जडेजा आएंगे जिससे रिंकू की अंतिम 11 में जगह नहीं बन पाती। इस सत्र में इंपैक्ट प्लेयर नियम का भी रिंकू सिंह को नुकसान हुआ क्योंकि उन्हें इसके चलते ज्यादा बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिल पाया। उनसे पहले श्रेयस अय्यर, अंगकृष रघुवंशी व वेंकटेश अय्यर ने अधिकांश ओवर खेले।

**संजू को मिला आइपीएल में अच्छे प्रदर्शन का इनाम:** वापसी कर रहे रिषभ पंत ने अपने शानदार प्रदर्शन से विकेटकीपर की एक जगह पक्की कर ली थी और दूसरे विकेटकीपर के लिए केएल राहुल, इशान किशन व संजू सैमसन के बीच प्रतिस्पर्धा थी। यहां संजू सैमसन का आइपीएल में प्रदर्शन उनके पक्ष में गया। राजस्थान रायल्स के कप्तान संजू नौ मैचों में 342 रन बना चुके हैं। यशस्वी के लिए आइपीएल का शुरुआती चरण अच्छा नहीं बीता था, लेकिन मुंबई के विरुद्ध सही समय पर शतक लगाकर दावा मजबूत कर लिया

### 21 मई को रवाना होगा खिलाड़ियों का पहला समूह

विश्व कप के लिए भारतीय टीम का पहला समूह 21 मई को रवाना होगा। इसमें वह खिलाड़ी शामिल होंगे, जो तब आइपीएल के प्लेआफ मुकाबले नहीं खेल रहे होंगे। आइपीएल प्लेआफ मैच 21 मई से खेले जाएंगे और फाइनल 26 मई को होगा। इसमें खेल रही आइपीएल फ्रेंचाइजियों में शामिल खिलाड़ी बाद में भारतीय टीम से जुड़ेंगे।

### इंग्लैंड और द. अफ्रीका की टीम भी घोषित

**लंदन, प्रेट्र:** इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका ने भी मंगलवार को टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी। इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर को जगह मिली, जिससे उनके 14 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का रास्ता साफ हो गया है। किया गया है।' गत चैंपियन इंग्लैंड की अगुआई जोस बटलर करेंगे। उन्हीं के नेतृत्व में इंग्लैंड ने 2022 में आस्ट्रेलिया में खिताब जीता था।

**दक्षिण अफ्रीका टीम में दो नए चेहरे, नोर्त्जे की वापसी:** दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को टी-20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे चोट के कारण नौ महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। जबकि दो अनकैप्ड (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) खिलाड़ियों रेयान रिकल्टन और ओटनील बार्टमैन को भी टीम में जगह मिली।

**इंग्लैंड टीम:** जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, आर्चर, जानी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टाम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जार्डन, लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टापले और मार्क वुड।

**दक्षिण अफ्रीक टीम:** मार्करैम (कप्तान), बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जे, क्विंटन डिकाक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, जानसेन, , हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, नोर्त्जे, रबादा, रेयान रिकल्टन, शम्सी और ट्रिस्टन स्टब्स।

## एक नजर में

### स्वियातेक मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में

**मैड्रिड:** शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने मंगलवार को चल रहे मैड्रिड ओपन के क्वार्टर फाइनल मैच में बीट्रिज हदाद माइया के विरुद्ध 4-6, 6-0, 6-2 से शानदार जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अपने पहले खिताब की ओर कदम बढ़ाए। दो घंटे और 29 मिनट तक चले मैच में स्वियातेक ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरे सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की। (एएनआइ)

### दीप्ति, रेणुका ने आइसीसी टी20 रैंकिंग में लगाई छलांग

**दुबई:** भारत की स्टार आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने आइसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गई और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत को पहले मैच में बांग्लादेश पर 44 रन से जीत दिलाने में मदद की। दीप्ति एक स्थान की बढ़त के साथ 725 अंकों से दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 759 अंकों के साथ गेंदबाजी रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज है। रेणुका चार पायदान की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर आ गई हैं। वह अब तीसरे स्थान पर आने से केवल एक अंक दूर है। (एएनआइ)

### अमेरिका विश्व कप की मेजबानी की दौड़ से हटा

**न्यूयार्क:** अमेरिकी साकर महासंघ और मैक्सिको का महासंघ 2027 महिला फुटबाल विश्व कप की मेजबानी के लिए अपनी संयुक्त बोली से पीछे हट गए हैं और उन्होंने कहा है कि वे इसके बजाय 2031 टूर्नामेंट की मेजबानी की कोशिश पर ध्यान केंद्रित करेंगे। अमेरिका और मैक्सिको के इस निर्णय के बाद 2027 विश्व कप की मेजबानी की दौड़ में ब्राजील और जर्मनी-नीदरलैंड-बेल्जियम की संयुक्त दावेदारी है। (एपी)

### प्रवीण चित्रावेल, शैली सिंह का शानदार प्रदर्शन

**बेंगलुरु:** एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता त्रिकूद खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल ने इंडियन ग्रांप्रि-1 में मंगलवार को 17.12 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता, लेकिन पेरिस ओलिंपिक के लिए 17.22 मीटर का क्वालीफाइंग मार्क पार नहीं कर सके। राष्ट्रीय रिकार्डधारी तमिलनाडु के चित्रावेल ने चौथे प्रयास में 17.12 मीटर का आंकड़ा छुआ। महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश की विश्व अंडर 20 पदक विजेता शैली सिंह ने केरल की नयना जेम्स को हराकर महिलाओं की लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता। (प्रेट्र)

# उबेर कप में हारी भारतीय टीम

**चेंगदू, प्रेट्र :** युवा सनसनी अनमोल खरब को टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा जबकि भारत की कमजोर महिला टीम को मंगलवार को उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अंतिम मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके भारत ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के विरुद्ध मुकाबले में नहीं उतारा। भारत पहले ही दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। चीन के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि भारतीय खिलाड़ी पांच मैचों में एक भी गेम नहीं जीत सके।

ओलिंपिक चैंपियन और दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चेन यूफेई ने 83वें नंबर की इशारानी बरुआ के विरुद्ध पहले महिला सिंगल्स मुकाबले में 21-12 21-10 की आसान जीत दर्ज की। प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी के पास चेन किंग चेन और जिया यी फेन की चीन की गत विश्व चैंपियन जोड़ी से 21-13 21-12 से हार गईं। भारत की मुसीबत उस समय और बढ़ गई जब 17 वर्षीय अनमोल को दूसरे सिंगल्स मुकाबले के दौरान टखना मुड़ने के कारण मैच के बीच से हटना पड़ा। अनमोल ने पहला गेम 9-21 से गंवाया और दूसरे गेम में वह जब 1-4 से पीछे थीं तो एक अंक बचाने की कोशिश में उनक दायां टखना मुड़ गया। अनमोल ने कोर्ट पर ही उपचार कराया लेकिन दर्द कम नहीं हुआ। उनका टखना सूज गया और उन्हें मुकाबले के बीच से हटना पड़ा।

### टखने में चोट के कारण मैच से हटीं अनमोल खरब, चीन ने 5-0 से दर्ज की जीत

# डार्टमंड के विरुद्ध पीएसजी की निगाहें एमबापे पर

**नई दिल्ली, जेएनएन :** पीएसजी के स्टार स्ट्राइकर कायलियन एमबापे पीएसजी को अब तक चैंपियंस लीग में विजेता बनाने में कभी सफल नहीं हो सके हैं। बुधवार को डार्टमंड के विरुद्ध देर रात होने वाले चैंपियंस लीग के दूसरे सेमीफाइनल में वह एक बार फिर क्वार्टर फाइनल के प्रदर्शन को दोहराने का प्रयास करेंगे। वहीं, डार्टमंड के युवा स्ट्राइकर करीम अदेयमी घरेलू परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए टीम को एक बार फिर घर पर बढ़त दिलाने के इरादे से उतरेंगे। क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में एटलेटिको के विरुद्ध भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।

**एमबापे का यह अंतिम प्रयास:** कायलियन एमबापे इस सत्र के बाद पीएसजी का साथ छोड़ देंगे। ऐसे में टीम को विजेता बनाकर वह यादगार विदाई लेना चाहेंगे। उनकी टीम फ्रेंच लीग में अपने खिताबी सफर में लगभग सफल हो चुकी है। चैंपियंस लीग में पहली बार वह टीम को फाइनल में पहुंचाकर इस अंतिम सफर को यादगार बनाना चाहेंगे। उन्होंने बार्सिलोना के विरुद्ध पहले चरण में पिछड़ने के बाद शानदार प्रदर्शन कर टीम की वापसी कराई थी और इस महत्वपूर्ण मुकाबले में दो गोल दागे भी थे। इस सत्र में उन्होंने टीम की ओर से चैंपियंस लीग में सर्वाधिक आठ गोल दागे हैं।

**डार्टमंड को घरेलू मैदान का लाभ:** क्वार्टर फाइनल में एटलेटिको मैड्रिड के विरुद्ध घर पर शानदार वापसी कर जीत दर्ज करने वाली डार्टमंड की टीम इस बार पहले चरण में घर पर खेल रही है। ऐसे में टीम चाहेगी कि घरेलू परिस्थितियों का विशेष लाभ उठाकर वह बढ़त प्राप्त कर ले। ऐसे में टीम की जीत में अहम भूमिका स्ट्राइकरों की होगी, जिन्होंने एटलेटिको के विरुद्ध भी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

**बारुसिया डार्टमंड vs पीएसजी**
रात 12:30 बजे | स्थान: डार्टमंड
सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क

करीम अदेयमी ● फाइल फोटो, एएफपी



कायलियन एमबापे ● फाइल फोटो, एएफपी

# भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश पर बनाई बढ़त

**सिलहट, प्रेट्र:** बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव और डी हेमलता के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्षा बाधित दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को डकवर्थ लुईस तकनीक के आधार पर 19 रन से हरा दिया।

इससे पहले टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश के लिए सलामी बल्लेबाज मुर्शिदा खातून ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। राधा के तीन विकेट की मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी चुनने वाली मेजबान टीम को 119 रन पर समेट दिया।

राधा ने 19 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि दीप्ति शर्मा और श्रेयांका पाटिल को दो दो विकेट मिले। जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा (0) का विकेट जल्दी गंवा दिया। इसके बाद हेमलता ने 24 गेंद में 41 रन बनाए और भारत ने 5.2 ओवर में एक विकेट पर 47 रन बना लिए थे, जब दोबारा वर्ष शुरू हो गई। हेमलता ने अपनी अविजित पारी में पांच चौके और दो छक्के जड़े। उस समय भारत डकवर्थ लुईस प्रणाली से 19 रन आगे था और वर्ष के कारण आगे का खेल नहीं होने पर भारत को विजयी घोषित किया गया। भारत अब पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। भारत ने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 44 रन से हराया था। सीरीज का अगला मैच गुरुवार को खेला जाएगा।

- दूसरे टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को 19 रन से हराया
- राधा यादव ने चटकाए तीन विकेट हेमलता भी चमकीं

********

दैनिक जागरण
सप्तरंग
सेहत भरे जीवन का
बुधवार, 1 मई, 2024



# बच्चों को दें स्वास्थ्यवर्धक पेय

जीवनशैली

डा. सुशीला कटारिया
डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, मेदांता, गुरुग्राम

स्वास्थ्यप्रद खाद्य या पेय के नाम बिकने वाले पैकेटबंद उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, बच्चों को पोषणयुक्त खानपान देना कठिन होता है, इसलिए उन्हें सप्लीमेंट दिया जाता है। अब विज्ञापन के जरिए घर-घर पहुंच रहे ये उत्पाद कितने गुणकारी हैं, यह जानना आवश्यक है।

**अतिरिक्त चीनी का सेवन:** भोजन अंततः ग्लूकोज के रूप में टूटता है और उस ऊर्जा का शरीर प्रयोग करता है। हर खाने में कम या अधिक मात्रा में ग्लूकोज या मीठा होता ही है। बाजार में मिलने वाले पाउडर बच्चों को देते हैं तो अतिरिक्त मीठा देकर उन्हें मोटापे में धकेल रहे होते हैं।

**बन जाती है आदत:** चाकलेट, जंकफूड से बच्चे बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। आदत लगने से आगे चलकर खानपान में सुधार करने में परेशानी होती है।

**इन बातों का रखें ध्यान**

- पेय पदार्थ में शुगर के सेवन के अलावा बच्चे दिन भर में 50-60 ग्राम शुगर ले रहे होते हैं।
- पेय पदार्थ बच्चों के दांत खराब कर सकते हैं।
- बच्चों को छाछ, नींबू, नारियल पानी के लिए प्रेरित करें।
- विज्ञापन कंपनियों को चेतावनी के रूप में लिखना चाहिए कि यह बच्चों में मोटापा बढ़ा सकता है।



बातचीत : सीमा झा

अस्थमा दिवस (7 मई)



डा. एसपी राय
कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन, कोकिलाबेन अस्पताल, मुंबई

धूल, धुआं, एलर्जी, भागदौड़ जैसे कारण अस्थमा की परेशानी को बढ़ा देते हैं। इससे बचाव के साथ-साथ अगर जांच और उपचार को लेकर भी सतर्क रहें तो अस्थमा नियंत्रित रहेगा और दिनचर्या खुशहाल होगी...



फोटो : फ्रीपिक

# सतर्कता से अस्थमा रहेगा नियंत्रित

इस बार विश्व अस्थमा दिवस की थीम है-जागरूकता और सशक्तीकरण। यदि किसी को अस्थमा है तो उसे नियंत्रित करने के उपायों को लेकर जागरूक रहना चाहिए। आमतौर पर अस्थमा के लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए इनहेलर और कुछ दवाएं दी जाती हैं। लेकिन, इसे कब, कैसे और कितना लेना है, यह भी जानना आवश्यक है। इसके अलावा, अगर किसी व्यक्ति में अस्थमा के लक्षण उभर रहे हैं तो उसकी जांच और उपचार को लेकर भी जागरूक रहने की आवश्यकता है।

**किस तरह की होती है समस्या:** अस्थमा के कुछ सामान्य लक्षणों की बात करें तो सांस लेने में तकलीफ, खांसी, सांस लेते समय आवाज आती है। ऐसी समस्या हो रही है तो अस्थमा की जांच करा लेनी चाहिए। इसमें पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (पीएफटी) से सही जानकारी मिल जाती है। इसी आधार पर डाक्टर मरीज को अस्थमा को नियंत्रित करने के जरूरी उपाय निर्धारित करते हैं।

**क्यों और क्या होता है अस्थमा:** अस्थमा में सांस की नली सख्त या सिकुड़ जाती है और उसमें सूजन आ जाती है। इससे सांस लेते समय परेशानी महसूस होती है। सांस फूलने और खांसी (खासकर सूखी खांसी) की समस्या भी इसी कारण होती है। छाती में जकड़न महसूस हो सकती है और सांस लेते समय सीटी जैसी आवाज आती है। धूल, धुएं से एलर्जी है तो समस्या बढ़ जाती है, वहीं संक्रमण जैसे-सर्दी, जुकाम होने पर अस्थमा की तकलीफ अधिक हो सकती है।

**सतर्कता है जरूरी:** यदि परिवार में किसी को परेशानी हो रही है तो अस्थमा की जांच अवश्य करा लेनी चाहिए। माता-पिता से भी बच्चे को अस्थमा होने की आशंका रहती है। हालांकि, अस्थमा बच्चे या बुजुर्ग, किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है। बेहतर होगा इसकी जांच कराके जल्द उपचार शुरू करा देना चाहिए।

**इनहेलर है बेहतर उपाय:** अस्थमा नियंत्रण में इनहेलर की मुख्य भूमिका है। इसका प्रभाव टेबलेट आदि की तुलना में बेहतर होता है। इनहेलर की मेडिसिन, ओरल मेडिसिन की तुलना में 10 से 15 गुणा कम होती है। इसमें दवा दो तरह से दी जाती है, पहला प्रिवेंट्स यानी रोग प्रतिरोधी, जिसे नियमित लेना होता है और दूसरा समस्या रोकने वाली दवाएं, जिसे लंबे समय तक लेना होता है।

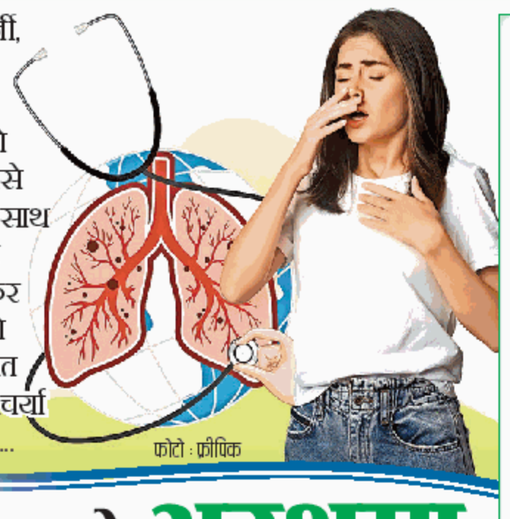



लेखविस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

बातचीत : ब्रह्मानंद मिश्र

**बढ़ाएं सावधानी**

- निर्माण स्थलों या प्रदूषित इलाकों में जाने से पहले मास्क आदि सुरक्षा उपायों को अपनाना चाहिए।
- परिवार में कोई धूम्रपान करता है तो पैसिव स्मोकिंग से अस्थमा निश्चित ही बढ़ेगा। स्वजन को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए।
- पालतू जानवरों और पक्षियों से एलर्जी है, तो उनसे दूर रहना चाहिए।
- आसपास वायरल फैला हुआ है तो बाहर निकलते समय मास्क पहनें।
- हार्ट, किडनी की बीमारी, डायबिटीज में संक्रमण गंभीर हो सकता है, ऐसे लोगों का टीकाकरण जरूरी है।
- बैक्टीरियल निमोनिया वाले वैक्सीन 65 वर्ष से ऊपर या जिन्हें बीमारी रहती है, उन्हें दी जाती है।
- फ्लू वैक्सीन (जैसे स्वाइन फ्लू) सभी को लगवानी चाहिए। हाइ रिस्क ग्रुप के लिए यह अनिवार्य है। यह बचाव का बेहतर उपाय है।

**व्यायाम-प्राणायाम भी उपयोगी**



- इन दिनों में शारीरिक व्यायाम घर के अंदर ही करें।
- प्राणायाम खासकर अनुलोम-विलोम फेफड़े को स्वस्थ रखते हैं। फेफड़े स्वस्थ रहेंगे तो बीमार होने की आशंका कम रहेगी।
- एलर्जी वाले खाद्य पदार्थों (जैसे-कुछ लोगों को मूंगफली आदि से एलर्जी होती है) से बचना चाहिए।
- सर्दी-जुकाम कराने वाले बहुत ठंडे खानपान से बचें। साथ ही तैलीय, मिर्च-मसाले वाले भोजन न करें। रात के भोजन में विशेष सतर्कता बरतें।
- सामान्य तौर पर खान-पीने की चीजों से अस्थमा की समस्या नहीं बढ़ती।

## वर्ग पहेली-2617

**बाएं से दाएं**

1 अंजन, आंखों में लगाते हैं इसे (3)। 4 मन ही मन किया जाने वाला विचार (3)। 6 मांझी, मल्लाह (3)। 8 बही खाते का हिसाब रखने वाला (4)। 9 फैलाव, संचार (3)। 11 नृपति, भूप (2)। 12 बिछाने की चादर (3)। 14 प्रारंभिक स्वरूप, अंखुआ (3)। 16 तह, स्तर (3)। 17 विमान उतरने का रास्ता (3)। 19 सहित, समेत, शक्ति (2)। 20 कसम, सौगंध (3)। 22 फकीर का मकबरा (4)। 25 महाशय, महोदय (3)। 26 भार, बोझ (3)। 27 खराब (3)।

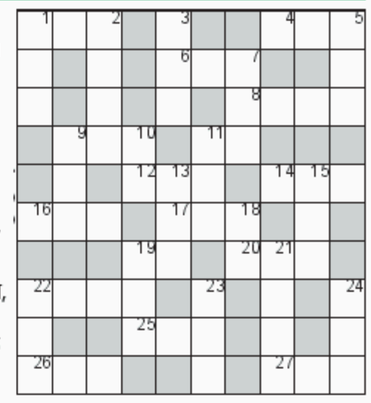



© Bird Features & Writing Agency

**ऊपर से नीचे :-**

1 वजह, साधन (3)। 2 चिपचिपा, लसीला (4)। 3 शरण, आड़ (3)। 5. निगाह, उपहार (3)। 7 दिल, हिम्मत (3)। 9 आक्रमण, वार, चोट (3)। 10 मर्जी, इच्छा (2)। 11 राजा कृष्णदेव राय का प्रसिद्ध दरबारी (3)। 13 छाती पर पहना जाने वाला लोहे का जाल (3)। 15 कुमार्ग (3)। 18 भेष (2)। 19 जन्मजात, प्राकृतिक (3)। 21 पश्चाताप करना (4)। 22 प्रभाव, दाब (3)। 23. पाठ, शिक्षा, नसीहत (3)। 24. मिथ्या संदेह (3)।

**कल का हल**



## जागरण सुडोकू-2617

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | | 1 | | | 3 | 7 | | 6 |
| | | | 7 | | 5 | | 2 | |
| | | | 9 | | | | | |
| | | 3 | 4 | | | | 7 | |
| 5 | | | | 3 | | 4 | | 2 |
| | | | | | | | 1 | |
| 3 | | | | | 8 | 1 | | 5 |
| | | 4 | 5 | | 1 | | | |
| 7 | | | | 4 | | | 8 | 9 |

**कल का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 9 | 5 | 4 | 8 | 2 | 6 | 7 | 3 |
| 8 | 4 | 6 | 9 | 3 | 7 | 1 | 2 | 5 |
| 7 | 3 | 2 | 6 | 1 | 5 | 8 | 4 | 9 |
| 3 | 8 | 4 | 7 | 9 | 6 | 5 | 1 | 2 |
| 2 | 6 | 7 | 8 | 5 | 1 | 3 | 9 | 4 |
| 9 | 5 | 1 | 3 | 2 | 4 | 7 | 8 | 6 |
| 6 | 2 | 8 | 5 | 7 | 9 | 4 | 3 | 1 |
| 5 | 7 | 9 | 1 | 4 | 3 | 2 | 6 | 8 |
| 4 | 1 | 3 | 2 | 6 | 8 | 9 | 5 | 7 |

## आज का भविष्यफल- 01 मई, 2024 बुधवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : वैशाख मास कृष्ण पक्ष सप्तमी। राहुकाल : दोपहर 12 बजे से 01 बजकर के 30 मिनट तक। आज का दिशाशूल : उत्तर। पर्व एवं त्याहार : शीतलाष्टमी। विशेष : अष्टमी तिथि क्षय, गुरु वृष राशि में एवं श्रमिक दिवस।

कल 02 मई, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : दक्षिण
पंचक : दोपहर 2:33 बजे 06 मई सायं 5:43 बजे तक।
विशेष : अष्टमी तिथि क्षय विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, वैशाख कृष्ण पक्ष नवमी तत्पश्चात दशमी धनिष्ठा तत्पश्चात शतभिषा नक्षत्र शुक्ल योग मकर में चंद्रमा।

- मेष : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
- वृष : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
- मिथुन : राजनीतिक महात्वाकांक्षा व संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
- कर्क : दांपत्य जीवन में तनाव आ सकता है। गृह वस्तुओं में वृद्धि होगी।
- सिंह : उच्च अधिकारी से सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- कन्या : अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।
- तुला : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। धनहानि की आशंका है।
- वृश्चिक : शिक्षा में अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। रोग के प्रति सचेत रहें।
- धनु : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। चल या अचल संपत्ति में वृद्धि के योग हैं।
- मकर : गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक सफलता मिलेगी।
- कुंभ : पुरुषार्थ सार्थक होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।
- मीन : गलत संगति व्यक्तित्व नष्ट कर सकती है। स्वयं पर नियंत्रण करें।

# अच्छे स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या में लाएं परिवर्तन

इन दिनों



डा. हंसाजी योगेंद्र
निदेशक, द योग इंस्टीट्यूट, मुंबई

**गर्मी लगातार बढ़ रही है। अगले 15 दिनों तक सतर्क होने की जरूरत है। इस समय प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाने से संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। दिनचर्या में धीरे-धीरे परिवर्तन करें तो किसी परेशानी से बचा जा सकता है...**

गर्मी लगने पर पंखे को बहुत तेज करने या एसी की कूलिंग बढ़ाने से दिक्कत हो सकती है। अगर सिर पर तेज पंखा या एसी चल रहा है तो कपाल, कान के नीचे और गाल के आसपास साइनस डिस्टर्ब हो जाते हैं। साथ ही सर्दी-खांसी और बुखार भी हो सकता है। इम्युनिटी कम होने से पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। ऐसे में खाने पर ध्यान नहीं देंगे तो दिक्कत हो सकती है। ऋतुसंधि को देखते हुए पैकेट बंद खाद्य से बचें। इसमें अधिक सोडियम और शुगर होता है। आर्टिफिशियल रंग और फ्लेवर गर्मी में बीमार कर सकते हैं। शीतल पेय के सेवन में भी सावधानी रखें।

**मन को रखें खुशहाल :** ऋतु परिवर्तन से मन का समत्व भी बिगड़ता है, इसलिए शब्दों पर ध्यान रखना चाहिए और मौन का पालन करना चाहिए। हमेशा हल्की-फुल्की चीजें पढ़ें। हंसने के उपाय खोजें। अध्यात्म के करीब जाएं। भगवान श्रीराम के चरित्र और व्यवहार को देखें, सुनें, पढ़ें, इससे मानसिक लाभ मिलेगा। आत्मचिंतन करना जरूरी है। कम बोलें, सही समय पर बोलें।

**कौन सा आसन करें :** सर्वांग आसन आराम देता है और तनाव कम करता है। लेटे-लेटे भद्रासन करना, पैरों को जोड़ लेना या पद्मासन करना लाभदायक है। बाहर धूप में जाने से बचें। खाना खाने के बाद थोड़ा टहलें, इससे पाचन सही रहेगा।

## 5 बातें रखेंगी सेहतमंद

**1. सोएं अधिक**



इन दिनों थोड़ा अधिक सोना चाहिए। अगर दिन में भी एक झपकी ले ली जाए तो अच्छा है। अपने शरीर की भाषा को समझें। गर्मी में सही नींद नहीं आती। इससे दिनभर आलस्य बना रहता है। अगर आधा घंटा भी नहीं सो सकते तो 10 मिनट की भी झपकी तरोताजा कर सकती है। शवासन से भी ताजा महसूस कर सकते हैं।

**अगर नींद न आए तो :** बिस्तर पर जाकर कमरे में अंधेरा करें और लेटे-लेटे अच्छे विचार करें। कुछ पुरानी बातें, कहानियां याद करें। दिमाग में प्रसन्नता आनी चाहिए, गुस्सा और तनाव नहीं। नींद और आराम पर ध्यान दें।

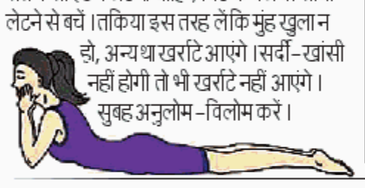

**2. शवासन, मकरासन करें**

खाने से पहले थोड़ी देर पेट के बल पांच मिनट के लिए लेट जाएं तो एसिडिटी की समस्या नहीं होगी। रात में साइड में लेटना चाहिए। पेट के बल या सीधा लेटने से बचें। तकिया इस तरह लें कि मुंह खुला न हो, अन्यथा खर्राटे आएंगे। सर्दी-खांसी नहीं होगी तो भी खर्राटे नहीं आएंगे। सुबह अनुलोम-विलोम करें।

**3. थोड़ा खाएं, बेहतर खाएं**



इन दिनों छाछ, लस्सी, पनीर (एक इंच लंबाई चौड़ाई का टुकड़ा) लें। गाय का ही दूध पीएं। मूंगफल के दाने (10-12 दाने) उबालकर ले सकते हैं। इससे काफी प्रोटीन मिल जाता है। इन दिनों अधिक भोजन नहीं करना चाहिए। थोड़ा खाएं, लेकिन बेहतर खाएं। पानी खूब पीएं। अधिक ठंडा पानी पीने से बचें। फ्रिज से निकालकर सीधे कोई चीज नहीं खानी चाहिए।

**4. जूस लेने से बचें**

इस समय नारियल पानी लेना जरूरी है। इससे पूरा न्यूट्रिशन मिल जाएगा। फलों का जूस लेने से बचना चाहिए। संतरे या मौसमी का जूस पीने के बजाय फल खाएं। इससे फाइबर भी मिलेगा। केला, दूध की बनी चीजें खाएं।



**5. मौसमी फलों-सब्जियों का सेवन**

इस समय खानपान पर विशेष तौर पर ध्यान देना चाहिए। पानी की प्रचुरता वाले मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन गुणकारी है, जैसे-तरबूज, ककड़ी, खीरा, तोरी आदि। ये सुपाच्य होती हैं। इन दिनों खिचड़ी और कढ़ी रात में खाएं। साथ ही भोजन में विविधता रखें।

बातचीत : ब्रह्मानंद मिश्र

## राष्ट्रीय फलक

# अब पाकिस्तान की ओर नहीं छोड़ना पड़ेगा रावी दरिया का पानी

- आरएसडी झील में होगा स्टोरेज, जेएंडके व पंजाब के किसानों को सिंचाई के लिए मिलेगा पानी
- बांध से पैदा होने वाली बिजली का 20 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर को मिलेगा



रावी नदी पर बना शाहकुंडी बांध। फाइल

संवाद सहयोगी, जागरण

जुगियाल (पठानकोट): रावी नदी के पानी को स्टोर करने के लिए शाहपुरकंडी में बनाए गए बांध का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब रावी नदी का पानी पाकिस्तान की ओर नहीं छोड़ना पड़ेगा। बांध में पानी को स्टोर करने के बाद इसे जम्मू-कश्मीर व पंजाब के साथ लगते इलाकों सिंचाई के लिए दिया जाएगा। दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच साल 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी। इसके मुताबिक रावी, सतलुज और ब्यास नदी के पानी पर भारत का अधिकार था। अब भारत ने अपने अधिकार का इस्तेमाल बांध बना रावी नदी का पानी रोक दिया है।

**1979 में हुई था समझौता :** वर्ष 1979 में पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सरकारों में पाकिस्तान का पानी रोकने के लिए रणजीत सागर बांध और डाउन स्ट्रीम शाहपुरकंडी बैराज बनाने के लिए समझौता हुआ था। वर्ष 1982 में इस परियोजना की शुरुआत केंद्र सरकार ने रखी थी। इसे वर्ष 1998 तक पूरा होने की उम्मीद थी।

वर्ष 2001 में रणजीत सागर बांध का निर्माण पूरा हो गया था, लेकिन शाहपुरकंडी बांध नहीं बन पाया। वर्ष 2008 में इसको राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया था। फिर इसका काम वर्ष 2013 में शुरू हुआ था। वर्ष 2014 में पंजाब और जम्मू-कश्मीर में विवाद के कारण परियोजना फिर से रोक दी गई थी। वर्ष 2018 में दोनों राज्यों में समझौता हो गया। इसके बाद केंद्र सरकार की दखलअंदाजी से काम फिर शुरू हुआ और अब वह पूरा हो गया है।

**शाहपुरकंडी बांध परियोजना संपूर्ण होने का इंतजार :** इसके पूरा होने से रावी नदी का पानी पाकिस्तान की ओर नहीं जाएगा। इस बांध के बनने से रावी नदी के पानी से जम्मू-कश्मीर के अलावा पंजाब और राजस्थान को भी फायदा होगा। जम्मू-कश्मीर के शाहपुरकंडी बांध एक बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना का हिस्सा है। इ दो प्रमुख जिलों कठुआ और सांबा को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। बांध से पैदा होने वाली बिजली का 20 प्रतिशत हिस्सा जम्मू-कश्मीर को मिलेगा। वहीं, पंजाब के पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर व तरनतारन के हजारों किसानों को भी लाभ मिलेगा। किसानों का कहना है कि इससे पानी के संकट का स्थायी तौर पर समाधान हो गया है।

6 बिजली घरों में स्थित सात हाइड्रो-जनरेटिंग सेट शामिल हैं। प्रत्येक 33 मेगावाट का और एक 8 मेगावाट का। संतुलन जलाशय का सकल भंडारण 4.23 टीएमसीएफटी है। पीक आवर्स के दौरान 600 मेगावाट बिजली घर के माध्यम से बिजली पैदा करने के बाद, अपस्ट्रीम रंजीत सागर बांध से छोड़ा गया पानी, डाउनस्ट्रीम नदी में बिना किसी अतिप्रवाह के सिंचाई नहरों को लगातार पानी की आपूर्ति करने के लिए संतुलन जलाशय में संग्रहित किया जाता है।

**रावी नदी पर बना बांध**

- **55.5** मीटर ऊंचाई पर बना है शाहपुर कंडी बाध
- **206** मेगावाट जल उत्पादन कर सकेगा पंजाब
- **32,000** हेक्टेयर से अधिक भूमि को होगा लाभ जम्मू के कठुआ और सांबा जिले में
- **2008** में शाहपुर कंडी परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया था, लेकिन निर्माण कार्य 2013 में शुरू हुआ। 2014 में फिर रुक गया था

# आठ कंकाल का डीएनए बताएगा, कहां-कहां हैं हड़प्पा के लोग

सुनील मान • जागरण

- खोदाई में मिले कंकाल से डीएनए सैंपल उठाने की चल रही कवायद, सफल हुए तो उजागर होगा मानव इतिहास और विकास का रहस्य



नारनौंद : राखी गढ़ी के टीलों पर मिले कंकालों का डीएनए सैंपल लेते हुए वैज्ञानिक। फाइल फोटो

नारनौंद : दुनिया की सबसे बड़ी हड़प्पाकालीन साइट राखीगढ़ के सभी रहस्य अब उजागर होंगे। अब इस सभ्यता के उत्थान और पतन के कारणों का पता लगाने का नया शोध शुरू होगा। ये शोध की सबसे अहम कड़ी इस बार की खोदाई से जुड़ेगी।

अब तक पांच हजार साल पुरानी मानी जा रही इस सभ्यता के आठ हजार साल पुरानी होने के प्रमाण मिल चुके हैं। वहीं पिछले तीन सालों में राखीगढ़ी की अलग-अलग साइट से मिले आठ कंकाल ऐसे हैं, जिनकी डीएनए जांच विस्तृत शोध में शामिल है। इन कंकालों से कान की हड्डी और दांत के डीएनए से वैज्ञानिक अलग-अलग पहेलियां सुलझाने के लिए शोध कर रहे हैं।

पुरातत्व विशेषज्ञों की मानें तो अगर इन डीएनए रिपोर्ट में वो सभी तथ्यों के जवाब पाने में सफल हुए तो यह मानव इतिहास और उसके विकास का एक नया और प्रामाणिक उत्तर होगा। इन कंकाल की डीएनए रिपोर्ट में जिन सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं उनमें इन कंकाल वाले मानव के पैदा होने, देश-दुनिया में भ्रमण आदि शामिल हैं। इसके अलावा उस दौर के खानपान और संस्कृति का भी प्रामाणिक उत्तर मिल पाएगा। अभी इस रिपोर्ट के लिए विभाग को कम से कम छह माह का इंतजार करना होगा। छह माह में भी केवल प्रारंभिक रिपोर्ट मिलेगी। विस्तृत रिपोर्ट में कुछ समय और लगेगा।

**राखीगढ़ी में आज भी हड़प्पन कल्चर :** हजारों वर्ष बीत गए लेकिन राखीगढ़ी के लोगों में आज भी हड़प्पन कल्चर के अंश हैं। उनका रहन-सहन और कद काठी काफी मिलती-जुलती है। राखीगढ़ी के पूर्व में मिले कंकाल और गांव से 20 अलग-अलग डीएनए लिए गए थे। उनमें हड़प्पन लोगों का डीएनए काफी हद तक अबकी आबादी से मिलता-जुलता पाया गया।

देश के अलग-अलग भागों से भी सैकड़ों लोगों के डीएनए सैंपल लिए गए थे। उनका डीएनए भी उन लोगों से मेल खाता है। जैसे आंध्र प्रदेश के एक गांव से भी दर्जनों लोगों के डीएनए सैंपल लिए थे। उनमें से भी दो लोगों का डीएनए हड़प्पन लोगों से मेल खाता हुआ मिला।

**वर्ष 2021 से कई चरण में हो रही खोदाई :** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अपर महानिदेशक डा. संजय कुमार मंजुल के नेतृत्व में 2021 से लगातार खोदाई शुरू हैं। टीला-7 से आठ कंकालों को डीएनए के लिए लखनऊ की बीरबल साहनी पूरा वैज्ञानिक संस्थान में भेजा गया है।

पहले भी इसी संस्थान में कंकालों का डीएनए किया गया था। अभी इन आठ कंकालों का डीएनए करने का काम जोर-जोर से चला हुआ है। राखीगढ़ी में टीला-7 पर पुणे की डेक्कन यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. वसंत शिंदे के नेतृत्व में वर्ष 2013 से 2016 तक खोदाई की गई थी। इसमें तब करीब 70 कंकाल पाए गए थे। इनमें से डीएनए के लिए 22 कंकालों को लिया गया था। उनमें से एक कंकाल में ही डीएनए मिला था। इस कंकाल के डीएनए से यह पता चला था कि वह साढ़े चार हजार वर्ष पुराना है।

> आठ कंकालों का डीएनए लिया गया है। कान की हड्डी और दांत के डीएनए से बड़ा खुलासा होने की उम्मीद है। रिपोर्ट आने में 6 महीने लगेंगे। उसके बाद इस रिपोर्ट को क्रास चेकिंग के लिए तीन एक्सपर्ट लोगों के पास भेजा जाएगा। अगर वह मिलान सही पाया गया तो हमारे डीएनए पर मोहर लग जाएगी।
>
> - डा. नीरज राय, वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रुप हेड डीएनए लैब, बीरबल साहनी पूरा विज्ञान संस्थान लखनऊ

## शारदा मठ व रामकृष्ण शारदा मिशन की अध्यक्ष का निधन

**राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता :** शारदा मठ व रामकृष्ण शारदा मिशन की अध्यक्ष प्रव्राजिका आनंदप्राण माताजी का मंगलवार को निधन हो गया। वह 97 वर्ष की थीं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वह काफी समय से बीमार थीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनके निधन पर गहरा शोक जताया है। पीएम ने अपने शोक संदेश में कहा-'प्रव्राजिका आनंदप्राण माताजी को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और नारी शक्ति को सशक्त करने में उनके प्रयासों को भी याद किया जाएगा। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं अनगिनत भक्तों के साथ है।'

प्रव्राजिका आनंदप्राण

# बागपत में राष्ट्रीय खिलाड़ी ने मां और पत्नी की गला रेतकर की हत्या

जागरण संवाददाता, बड़ौत (बागपत)

यूपी के बागपत के बड़ौत में युवक ने मां और पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस के सामने खुद को भी ब्लेड मारकर जख्मी कर लिया। आरोपित पावर लिफ्टिंग का खिलाड़ी है और उसका जम्मू-कश्मीर में कैंप लगा है।

एएसपी एनपी सिंह ने बताया कि सेवानिवृत्त दारोगा जितेंद्र खोखर के छोटे बेटे मनीष ने दोपहर चाकू से अपनी 25 वर्षीय पत्नी वर्षा और 58 वर्षीय मां सरोज की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को पकड़कर पूछताछ की तो उसने घटना स्वीकार कर ली। एएसपी ने बताया कि नवंबर, 2022 में मनीष की शादी हुई थी। शादी के बाद से ही मनीष की पत्नी और मां में छोटी-छोटी बातों पर विवाद होता था। आए दिन दोनों एक-दूसरे की शिकायत करती थीं जिससे वह परेशान था। मंगलवार को मनीष के पिता दिल्ली गए हुए थे। घर पर मनीष, उसकी पत्नी और मां मौजूद थे। दोपहर के समय वह चाकू लेकर छत पर बने कमरे में पहुंचा और बेड पर बैठी पत्नी की गर्दन रेतकर हत्या कर दी। उसके बाद वह नीचे के कमरे में आया। उसकी मां टीवी देख रही थी। उसने चाकू से मां की भी गर्दन रेतकर हत्या कर दी। उसके बाद दरवाजे बंद कर बाइक पर जिम से सप्लीमेंट लेने के लिए कांधला चला गया। मुहल्ले की एक महिला उनके घर पहुंचीं तो उसने सरोज का लहूलुहान शव देख शोर मचा दिया। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मनीष की चाची ने घटना की जानकारी देते हुए मनीष को घर आने के लिए कहा। इसके बाद वह घर पहुंचा तो पुलिस मौजूद थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर चाकू बरामद कर लिया।



वर्षा का फाइल फोटो। सौ स्वजन



सरोज का फाइल फोटो। सौ स्वजन

## हिमाचल में दाढ़ी-मूंछ रखने पर कंपनी ने निकाले 80 कामगार

**जागरण संवाददाता, परवाणू :** हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के परवाणू में दाढ़ी-मूंछ रखने पर एक कंपनी ने 80 कामगारों को निकाल दिया है। हालांकि, कामगारों का कहना है कि दाढ़ी-मूछ काटने के बाद भी उन्हें काम पर नहीं रखा जा रहा है। कुछ दिन पहले इन कामगारों को उद्योग में प्रवेश करने पर रोक लगा दी थी। प्रबंधन ने पहले तो बात करने से मना कर दिया, लेकिन जब कामगारों ने कंपनी के बाहर धरना दिया तो प्रबंधन बात करने को राजी हुआ। कामगारों के अनुसार प्रबंधन ने दाढ़ी-मूंछ साफ करने पर ही प्रवेश देने की शर्त रखी। हालांकि पहले तो कामगारों ने इसका विरोध किया, लेकिन बाद में शर्त मान ली।

मंगलवार को भी कामगारों ने धरना दिया व लिखित शिकायत श्रम आयुक्त, डीसी सोलन व मुख्यमंत्री को भेजी। परवाणू लेबर इंस्पेक्टर ललित ठाकुर ने कंपनी का दौरा किया तथा दोनों पक्षों को सुना। ललित ठाकुर ने बताया कि कामगारों ने शिकायत दी थी कि उन्हें बिना नोटिस के निकाला जा रहा है। दोनों पक्षों से बातचीत की गई है।

# छत्तीसगढ़ की जोया मिर्जा बनीं सेना में लेफ्टिनेंट डाक्टर

नईदुनिया, दुर्ग

- दूसरे मेडिकल कालेज में चयन होने के बाद भी आर्म्स फोर्ड मेडिकल कालेज पुणे को चुना



दुर्ग जोया मिर्जा अपने माता पिता और छोटी बहन के साथ

देश प्रेम का जज्बा देखिए। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की बेटी इसी जज्बे के चलते आज सेना में लेफ्टिनेंट डाक्टर बन गईं। दुर्ग की रहने वाली जोया मिर्जा ने वर्ष 2023-24 में आर्म्स फोर्ड मेडिकल कालेज, पुणे से एमबीबीएस किया। दो और सरकारी मेडिकल कालेज में चयन होने के बाद भी उसने एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए आर्म्स फोर्ड मेडिकल कालेज पुणे को चुना। चाचा मिर्जा रफी ने बताया कि जोया का सपना बचपन से ही देश सेवा करने का रहा है, वह सेना में जाना चाहती थी। इसी वजह से आर्म्स फोर्ड मेडिकल कालेज, पुणे को चुना। 28 अप्रैल 2024 को लेफ्टिनेंट डाक्टर के पद पर नियुक्त होते ही जोया का देश सेवा का वह सपना भी पूरा हो गया, जिसे वह बचपन से देखा करती थी।

**पिता पिच क्यूरेटर, मां शिक्षिका :** जोया का पूरा परिवार शिक्षित है। पिता मिर्जा शमीम अहमद ने इतिहास में एम फिल किया है। वह विभिन्न कालेजों में प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम रायपुर में पिच क्यूरेटर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्हें आइपीएल मैचों में दो बार बेस्ट पिच क्यूरेटर आफ इंडिया का अवार्ड भी मिल चुका है। जोया की मां परवीन मिर्जा ने एमएससी किया है। वर्तमान में वह कवर्धा ब्लाक के स्कूल में शिक्षिका के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

*********

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

# आजकल

बुधवार 1 मई, 2024

14

www.jagran.com

## अकेले उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बने नाओमी उमूरा

1978 में आज ही के दिन जापान के नाओमी उमूरा एकल अभियान में उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बने थे। उन्होंने कुत्ते द्वारा खींची जाने वाली गाड़ी की मदद से यात्रा पूरी की थी। उन्होंने माउंट मैकिनले की पहली एकल चढ़ाई और अमेजन नदी की पहली एकल राफ्टिंग भी की है।

## ब्रिटेन में जारी हुआ दुनिया का पहला चिपकने वाला डाक टिकट

1840 में आज ही ब्रिटेन में दुनिया का पहला चिपकने वाला डाक टिकट पेनी ब्लैक जारी किया गया था। रानी विक्टोरिया की तस्वीर वाली इस टिकट को सर रोलैंड हिल ने डिजाइन किया था। इसकी छह करोड़ प्रतियां वितरित की गई थीं। अनुमान है कि इसकी पांच प्रतिशत प्रतियां आज भी मौजूद हैं।

## अपनी स्वर लहरियों से किसी दायरे में नहीं बंधे मन्ना डे

एक चतुर नार करके श्रृंगार, ऐ मेरी जोहरा जबीं जैसे सदाबहार गीतों को गाने वाले मन्ना डे का जन्म 1919 में आज ही कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ था। जिस दौर में पार्श्वगायकों की पहचान कुछ अभिनेताओं के साथ जुड़ गई थी तो उस दौर में मन्ना डे ने किसी विशेष अभिनेता की आवाज बनने के बजाय अपने गीतों से चरित्र अभिनेताओं को अमर बना दिया। उनके गीत यारी है ईमान, ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे दोस्ती के अमरगीत बन गए। ऐ मेरे प्यारे वतन गीत आज भी लोगों को देशभक्ति के भाव से भर देता है।

# तेल अवीव में मिला 9 .9 करोड़ वर्ष पुराना एम्बर जीवाश्म

- इसके जरिये विज्ञानियों ने खोजी पिस्सू की प्रजाति
- जर्नल आफ एंटोमोलाजी में प्रकाशित हुआ शोध

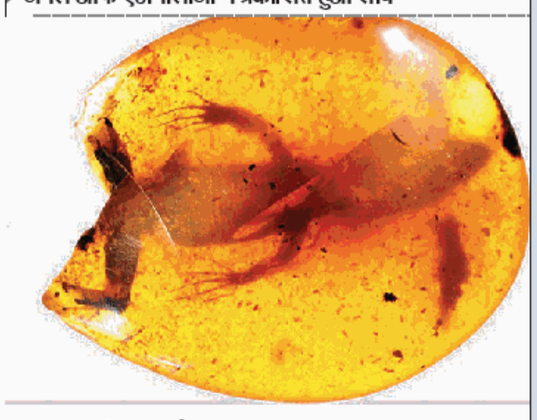

एम्बर में दफन पिस्सू का जीवाश्म। फाइल

**तेल अवीव (इजराइल) एएनआइ :** इजराइली विज्ञानियों ने एम्बर में संरक्षित पिस्सू की एक ऐसी नई प्रजाति की खोज निकाली है, जो 9.9 करोड़ वर्ष पुराना है। तेल अवीव में एक एम्बर में इसका जीवाश्म मिलता है। आसान शब्दों में इसे इस तरह से समझा जा सकता है कि यह उस समय की दुर्लभ झलक पेश करती है, जब इस धरती पर डायनासोर हुआ करते थे। वह विभिन्न प्रकार के कीड़ों के साथ पृथ्वी पर घूमते थे। जर्नल आफ एंटोमोलाजी में यह शोध प्रकाशित हुआ है।

जेरूसलम के हिब्रू विश्वविद्यालय के डोलाव फैब्रिकेंट और तेल अवीव विश्वविद्यालय के स्टीनहार्ट म्यूजियम आफ नेचुरल हिस्ट्री के तान्या नोवोसेल्स्की के नेतृत्व में यह अध्ययन किया गया। उन्होंने बताया मिरोपिक्टोपैलियम कलरएडमोनेंस नाम का यह पिस्सू अपने ज्वलंत और विशिष्ट रंग के कारण उस समय के प्रजातियों से भिन्न है। एम्बर में अब तक संरक्षित किए गए अधिकांश प्राचीन कीड़े पीले या भूरे रंग के हैं, लेकिन इसका रंग अन्य से काफी अलग है।

संभवतः अपने रंग के कारण यह प्रकृति में छिपने में माहिर रहा होगा, जिसकी वजह से शिकारियों से इसका बचाव आसान था। नोवोसेल्स्की ने कहा कि यह नया खोजा गया कीट पिस्सू विकास पर एक आकर्षक अध्याय खोलता है और मध्य-क्रेटेशियस अवधि के दौरान जीवन पर नए दृष्टिकोण प्रदान करता है।

### हर जगह नहीं पाया जाता है एम्बर

एम्बर कुछ पेड़ों, जैसे कोनिफर से निकलने वाले राल (श्राव या गोंद जैसा तरल पदार्थ) के रूप में शुरू होता है। जब पेड़ से राल बहती है, तो यह आस-पास मौजूद छोटे जीवों जैसे कीड़े, मकड़ियों या यहां तक कि छोटे कशेरुकी जीवों को भी फंसा सकती है। एक वृक्ष का राल या साव होता जो अपने अद्वितीय गुणों के कारण जीवों को संरक्षित करने के लिए एक असाधारण माध्यम प्रदान करता है।

समय के साथ राल कठोर हो जाती है और एम्बर में बदल जाती है। इस प्रक्रिया में लाखों वर्ष लग सकते हैं, क्योंकि पदार्थ के अस्थिर घटक वाष्पित हो जाते हैं और एक कठोर संरचना छोड़ जाते हैं। इसके अलावा राल में रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया और कवक के विकास को रोकते हैं जो आम तौर पर कार्बनिक पदार्थों को तोड़ते हैं। यदि एम्बर का आवरण वायुरोधी है, इसलिए इसमें आक्सीजन प्रवेश नहीं कर सकता है और क्षय को रोकता है। यही वजह है कि इसमें मौजूद जीव संरक्षित रहते हैं और समय के साथ जीवाश्म में बदल जाते हैं।

फैब्रिकेंट ने कहा, नया कीट भूमि पर जीवन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण संक्रमणकालीन युग को चिह्नित करता है। मध्य-क्रेटेशियस अवधि, जो गर्म और आर्द्र परिस्थितियों की विशेषता थी, में कीट विविधता में विस्फोट देखा गया। इस युग ने अनगिनत प्रजातियों के विकास के लिए उपजाऊ जमीन प्रदान की, जिनमें रंगीन मिरोपिक्टोपैलियम कलरएडमोनेंस भी शामिल है। हालांकि, जैसे-जैसे जलवायु बदली और प्रतिस्पर्धा तेज हुई, इनमें से कई प्रजातियां गायब हो गईं। भविष्य की पीढ़ियों के लिए एम्बर में केवल संरक्षित निशान छोड़ गए।

**म्यांमार के खदानों में बहुतायात में पाए जाते हैं एम्बर :** म्यांमार में एम्बल के खदान हैं। वहां पर बड़ी संख्या में एम्बर पाए जाते हैं। यह एम्बर भी म्यांमार से ही सार्वजनिक बाजार में आया था। वहीं से यह विज्ञानियों के हाथ लगा और पिस्सू के एक नई प्रजाति की जानकारी मिली। इससे लोगों को नई जानकारी मिलेगी।

## फिर फटा माउंट रुआंग ज्वालामुखी...

इंडोनेशिया के नार्थ सुलावेसी प्रांत में माउंट रुआंग ज्वालामुखी एक बार फिर फटा है। प्रांत की राजधानी मनाडो से लगभग 100 किमी. दूर स्थित इस ज्वालामुखी में मंगलवार को विस्फोट के साथ लगभग दो किमी. की ऊंचाई तक राख एवं धुएं का गुबार उठा है। दो सप्ताह के भीतर यह दूसरी बार है, जब इसमें विस्फोट हुआ है। माउंट रुआंग के लगभग सात किमी. के दायरे में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा गया है। दृश्यता कम होने तथा विमान के इंजन को राख से खतरे के कारण मनाडो स्थित सैम रतलुंगी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बंद करना पड़ा है। गत 17 अप्रैल को भी इस ज्वालामुखी में भीषण विस्फोट हुआ था। इसके साथ अब तक लगभग 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। एएफपी

## इधर-उधर की

### युवक ने बदला लेने के लिए किए दर्जनों खाने के आर्डर

**अंकारा, एजेंसी :** तुर्किये में कथित तौर पर एक युवक ने पूर्व प्रेमिका से बदला लेने के लिए विचित्र तरीका अपनाया। उसने कई रेस्तरां में 50 से अधिक खाने के आर्डर दिए और उन सभी को एक ही पते पर भेज दिया। जब इजमिर के एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के सामने दो दर्जन से अधिक डिलीवरी ब्वाय पहुंचने लगे तो इस असामान्य जमावड़े को राहगीरों ने वीडियो में कैद कर लिया। यह वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। युवक ने तुर्किये के फूड डिलीवरी एप येमेकसेपेटी के कैश आन डिलीवरी विकल्प का फायदा उठाते हुए फर्जी नाम और नंबर से सारे आर्डर किए थे।

खाने के सभी आर्डर कैश आन डिलीवरी थे। इंटरनेट मीडिया

# 'एल्डोस्टेरोन' अनियंत्रित बीपी का कारण !

## एम्स के रेडियोलाजी विभाग में एड्रिनल ग्लैंड की नसों से सैंपल लेकर 100 मरीजों की हुई जांच

### एड्रिनल ग्लैंड नसों से सैंपल लेने का प्रोसिजर है जटिल, दिल्ली के अन्य अस्पताल में नहीं है यह सुविधा

**राज्य ब्यूरो ● जागरण**

हाई ब्लड प्रेशर। फाइल

**नई दिल्ली :** ब्लड प्रेशर की दो-तीन दवाएं लेने के बाद भी यदि ब्लड प्रेशर नियंत्रित नहीं रहता है तो इसका एक कारण एड्रिनल ग्लैंड से एल्डोस्टेरोन हार्मोन अधिक बनना हो सकता है। हालांकि, इसकी जांच आसान नहीं है। एम्स के रेडियोलाजी विभाग के डाक्टर अब तक फ्लूरोस्कोपी की मदद से 100 मरीजों के एड्रिनल ग्लैंड की सूक्ष्म नसों से सैंपल लेकर हार्मोन की जांच कर चुके हैं। इसके उपरांत सर्जरी कर एड्रिनल ग्लैंड को निकाल देने के बाद मरीजों का ब्लड प्रेशर ठीक हो गया। मंगलवार को एम्स डाक्टरों ने यह जानकारी दी।

रेडियोलाजी विभाग के प्रोफेसर डा. देवसेनाधिपति ने बताया कि एड्रिनल ग्लैंड के नसों से सैंपल लेने का प्रोसीजर बेहद जटिल होता है। इसका कारण यह है कि किडनी से जुड़े रहने वाले दोनों एड्रिनल ग्लैंड बेहद छोटे होते हैं। इस वजह से नस ज्यादा सूक्ष्म होती हैं। इस ग्लैंड से एल्डोस्टेरोन हार्मोन बनता है, जो शरीर में सोडियम व पोटैशियम को नियंत्रित करता है। यह हार्मोन अधिक होने से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और दवा से भी ब्लड प्रेशर नियंत्रित नहीं रह पाता। यह पता लगाने के लिए मरीज का प्रोसीजर करना पड़ता है। इस प्रोसीजर में कैथेटर डालकर एड्रिनल ग्लैंड की नसों से सैंपल लिए जाते हैं। जिसे एड्रिनल ग्लैंड से हार्मोन अधिक बनता है उससे सर्जन मरीज का आपरेशन कर निकाल देते हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली के किसी अन्य सरकारी अस्पताल में इसकी जांच की सुविधा नहीं है।

### एआइ के इस्तेमाल पर हो रहा है शोध

डाक्टरों ने बताया कि एम्स में एक्सरे जांच की रिपोर्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की मदद से तैयार होती है। सीटी स्कैन व एमआरआइ जांच में भी एआइ के इस्तेमाल पर ट्रायल चल रहे हैं। ट्रामा सेंटर में हादसों में पसलियों में फ्रैक्चर से पीड़ित मरीजों पर ट्रायल किया गया है। जिसमें एआइ जांच में मददगार साबित हुआ है लेकिन अभी इस बारे में बहुत शोध की जरूरत है।

**जांच के अलावा इंटरवेंशनल रेडियोलाजी से कई गंभीर बीमारियों का इलाज :** एम्स में अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआइ जांच में वेटिंग समस्या रही है। रेडियोलाजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा. राजू शर्मा ने कहा कि एक तो विभाग में मरीजों का दबाव बहुत ज्यादा है, दूसरी बात यह कि रेडियोलाजी विभाग में मरीजों की सिर्फ जांचें ही नहीं की जाती बल्कि इंटरवेंशनल रेडियोलाजी से कई तरह के ट्यूमर व अन्य बीमारियों की बगैर किसी सर्जरी के इलाज भी किया जाता है। शोध व मेडिकल शिक्षा का भी काम होता है। फिर भी पांच वर्षों में एक्सरे, अल्ट्रासाउंट, सीटी स्कैन, एमआरआइ इत्यादि जांचें करीब 54 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले एक वर्ष में करीब छह लाख मरीजों की रेडियोलाजी जांच हो चुकी है।

## आसपास वायु प्रदूषण से बढ़ सकता है अल्जाइमर का खतरा

**अनुसंधान**

बढ़ता वायु प्रदूषण स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। इसके चलते स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं खड़ी हो रही हैं। कई अध्ययनों में यह बात साबित भी हो चुकी है। अब एक नए अध्ययन में पाया गया है कि वायु प्रदूषण वाले महौल में लंबे समय तक रहने से भूलने की बीमारी अल्जाइमर का खतरा भी बढ़ सकता है।

यह पहले से ज्ञात है कि वायु प्रदूषण के चलते श्वसन और हृदय संबंधी रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। बेल्जियम की एंटवर्प यूनिवर्सिटी और नीदरलैंड्स की ग्रोनिंगन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने ब्रेन आटोप्सी के विश्लेषण के आधार पर यह दावा किया है। उन्होंने न्यूरो संबंधी समस्या से पीड़ित चार लोगों के मस्तिष्क के विभिन्न हिस्सों को परखा और ब्लैक कार्बन पार्टिकल्स की मौजूदगी से अल्जाइमर रोग की पुष्टि की।

जेएएमए नेटवर्क ओपन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के नतीजों के अनुसार, ओलफेक्ट्री बल्ब (गंध की अनुभूति में मदद करने वाला भाग) समेत थैलेमस (मस्तिष्क का सूचना रिले स्टेशन), प्रीफ्रंटल कार्टेक्स (मानव संज्ञानात्मक क्षमताओं के लिए जिम्मेदार) और हिप्पोकैंपस (सीखने और स्मृति से जुड़ा भाग) में उच्च मात्रा में ब्लैक कार्बन पार्टिकल्स की मौजूदगी पाई गई। शोधकर्ताओं के अनुसार, अध्ययन के साक्ष्यों से यह जाहिर होता है कि वायु प्रदूषण के कण मानव मस्तिष्क में दाखिल हो सकते हैं और मस्तिष्क के महत्वपूर्ण हिस्सों में जमा हो सकते हैं। (आइएएनएस)

## स्क्रीन शाट

# चुनौतियों के बिना जीवन का मजा नहीं : दिलजीत

गायकी और अभिनय दोनों से ही है दिलजीत को प्यार। इंस्टाग्राम (@diljitdosanjh)

अपने काम से प्यार हो, तो उससे जुड़ी दिक्कतें और कठिनाइयां बड़ी नहीं लगती हैं। इस प्रतियोगिता के दौर में अभिनय और गायकी दोनों ही क्षेत्रों में दिलजीत दोसांझ अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं। वह दोनों की कलाओं से प्यार करते हैं, इसलिए वह इससे जुड़ी किसी भी चुनौती को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं। जब उनसे पूछा गया कि पहले के मुकाबले आज के गायकों की चुनौतियां कितनी अलग है? इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में दिलजीत कहते हैं कि हर दौर की अपनी चुनौतियां होती हैं। ऐसा नहीं है कि केवल आज के गायकों के लिए ही कठिन दौर है और पहले नहीं हुआ करता था। बस उन अब वह चुनौतियां पहले से अलग हो गई हैं। बदलते दौर के साथ वह कठिनाइयां भी अलग हो गई है। मेरा मानना है कि कलाकार हो या आम व्यक्ति अगर उसके जीवन में कोई चुनौती न हो, तो जीवन के सफर का मजा नहीं आएगा। इन्हें चुनौतियों की तरह नहीं देखना चाहिए, मुझे लगता है कि यह जीवन और काम का हिस्सा है, इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। आपको बता दें कि इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी बनी फिल्म अमर सिंह चमकीला में दिलजीत दोसांझ के अभिनय की चर्चा हो रही है।

## इस उद्देश्य के साथ अपनी सारी फिल्म बनाते हैं लक्ष्मण उतेकर

**हर फिल्मकार** कुछ विशेष चीजों को ध्यान में रखते हुए फिल्में बनाता है। कभी कहानी, कभी दर्शक वर्ग और कभी विषय इत्यादि। लुका छुपी, मिमी, जरा हटके जरा बचके और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया फिल्मों के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर का कहना है कि वह पारिवारिक दर्शकों को ध्यान में रखकर फिल्में बनाते हैं। फिलहाल विक्की कौशल के साथ फिल्म छावा की शूटिंग में जुटे लक्ष्मण इस विषय में दैनिक जागरण से बातचीत में कहते हैं, 'मेरी कोशिश हमेशा यही रहती है कि मेरी फिल्में पारिवारिक दर्शकों के लिए हो। ऐसी फिल्में जिन्हें पूरा परिवार साथ में बैठकर देख सके। आगे भी प्रयास यही रहेगा। मेरा उद्देश्य सिर्फ इतना है कि मैं अपनी फिल्में अपने बच्चों के साथ बैठकर देख सकूं। हालांकि, इसके लिए यह जरूरी नहीं है कि मेरी सारी फिल्मों की कहानी की पृष्ठभूमि पारिवारिक ड्रामा हो। जैसे मेरी अगली फिल्म छावा है, वो पूरी तरह से युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म है। वो न तो साइंस फिक्शन फिल्म है, न ही पारिवारिक ड्रामा पर आधारित फिल्म है। फिर भी उसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर आराम से देख सकता है।' छावा की बात करें तो यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। फिल्म को इस साल दिसंबर तक प्रदर्शित करने की योजना है।

फिलहाल फिल्म छावा को पूरी करने में लगे हैं लक्ष्मण

## रीमेक नहीं, नई होगी अहान शेट्टी की फिल्म 'सनकी' की कहानी

**वर्तमान में** कई क्षेत्रीय लोकप्रिय फिल्मों की रीमेक फिल्में बन रही हैं। अभिनेता सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने तेलुगु फिल्म आरएक्स 100 की हिंदी रीमेक तड़प से हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया था। हाल ही में फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने उनकी दूसरी फिल्म सनकी की घोषणा की, तो खबरें आई कि यह फिल्म भी तमिल फिल्म अडंगा मारू की हिंदी रीमेक होगी। हालांकि, अब खबरें हैं कि सनकी किसी भी फिल्म की रीमेक नहीं, बल्कि एक नई प्रेम कहानी होगी। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, सनकी की कहानी स्वयं निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। दरअसल, साजिद पहले अभिनेता वरुण धवन के साथ साल 2018 में प्रदर्शित हुई फिल्म अडंगा मारू की रीमेक बनाना चाहते थे। उन्हें लगा कि हिंदी में फिल्म को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया जा सकता है। इसकी हिंदी रीमेक फिल्म को भी सनकी नाम दिया गया था। हालांकि, बीच में कोरोना महामारी आ गई और फिर वरुण ने रीमेक फिल्म करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। इस तरह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई। संयोग से साजिद ने अहान के लिए जो फिल्म लिखी है, उसका शीर्षक भी सनकी तय हुआ। हालांकि, दोनों फिल्मों का एक दूसरे से कोई लेना देना नहीं है। फिलहाल अहान अपनी फिल्म की तैयारियों में जुटे हैं। वह जून में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में होंगी।

दू दिखेगा अहान का एक्शन अवतार। इंस्टाग्राम (@ahan.shetty)

## एक्शन करती दिखेंगी आलिया-शरवरी

निर्माता आदित्य चोपड़ा अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी वाघ के साथ स्पाई (जासूसी) थ्रिलर फिल्म बना रहे हैं। आदित्य के प्रोडक्शन हाउस वाईआरएफ (यशराज फिल्म्स) के अंतर्गत बनी जासूसी फिल्मों की कड़ी में जुड़ने जा रही इस फिल्म के निर्देशन की बागडोर शिव रवैल के हाथों में होगी। बाबी देओल इस फिल्म में खलनायक होंगे। फिल्म काफी बड़े स्तर की होगी एवं हिंदी सिनेमा की पहली महिला केंद्रित एक्शन फिल्म होगी। ऐसे में आदित्य इस फिल्म के एक्शन को लेकर कोई कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहते हैं। वह फिल्म में आलिया और शरवरी के एक्शन को बेहतरीन दिखाना चाहते हैं, जिससे वो स्क्रीन पर दमदार दिखे। दोनों ही अभिनेत्रियों को स्क्रीन पर भरपूर एक्शन दिखाने का मौका मिले, इसलिए फिल्म में सात एक्शन सीक्वेंस रखे गए हैं। भारत और दक्षिण कोरिया के अलग-अलग एक्शन डायरेक्टर इसके एक्शन की रूपरेखा तैयार करेंगे। फिलहाल निर्देशक शिव की योजना सितंबर तक इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की है। शूटिंग से पहले आलिया और शरवरी की एक्शन को लेकर ट्रेनिंग होगी। वैसे तो आलिया इससे पहले अपनी पहली हालीवुड फिल्म हार्ट आफ स्टोन में एक्शन करती नजर आई थीं। हालांकि, हिंदी सिनेमा में ये उनकी पहली एक्शन फिल्म होगी।

« जासूस की भूमिका में फिर दिखेंगी आलिया ● मिडडे आर्काइव

## जल्द इब्राहिम संग करीना करेंगी शूटिंग

**जैसे अभिनेत्री करीना** कपूर ने इंस्टाग्राम पर एंट्री ली थी, कुछ वैसे ही एंट्री ली है इब्राहिम खान ने भी। अभिनेता सैफ अली खान और उनकी पहली पत्नी अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम फिल्मों में अपनी पारी शुरू कर चुके हैं, लेकिन इंटरनेट मीडिया पर उनका आगमन अब हुआ है। एक स्पोर्ट्स वेयर ब्रांड के प्रमोशन से सैफ की दूसरी पत्नी करीना ने इंस्टाग्राम पर कदम रखा था, इब्राहिम ने भी ठीक वैसा ही किया है। करीना भले ही इब्राहिम की सौतेली मां हों, लेकिन दोनों के बीच बांडिंग अच्छी रही है। करीना ने इंस्टाग्राम पर इब्राहिम का स्वागत करते हुए उनसे पूछा कि जल्द साथ में शूट करें? वहीं करण जौहर ने भी इब्राहिम का स्वागत किया। इब्राहिम ने करण को उनकी फिल्म राकी और रानी की प्रेम कहानी की शूटिंग के दौरान असिस्ट किया था। बता दें कि इब्राहिम जिन 42 लोगों को इंस्टाग्राम पर फालो कर रहे हैं, उनमें उनके परिवार वालों के साथ एक खास नाम भी है। वह है उनकी कथित गर्लफ्रेंड पलक तिवारी। पलक के साथ कई बार इब्राहिम को देखा गया है। फिल्म किसी का भाई किसी की जान से पलक फिल्मों में कदम रख चुकी हैं। इसके अलावा उन्हें म्यूजिक वीडियो बिजली में भी काफी पसंद किया गया है।

इंस्टाग्राम पर आए सैफ के बेटे इब्राहिम ● मिडडे आर्काइव

## मुर्शिद में पुलिस अधिकारी की भूमिका में होंगे तनुज

**हर कलाकार के** लिए कुछ भूमिकाएं ऐसी होती है, जिनसे वह व्यक्तिगत तौर पर लगाव रखते हैं। लव यू सोनियो और योद्धा फिल्मों के अभिनेता तनुज विरवानी के लिए पुलिस अधिकारी की भूमिका कुछ ऐसी ही है। खास बात यह है कि उन्हें अपनी आगामी वेब सीरीज मुर्शिद में पुलिस अधिकारी बनने का मौका मिला है। के के मेनन अभिनीत और श्रवण तिवारी के निर्देशन में बने इस शो के बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में तनुज बताते हैं, 'मुर्शिद पिता-पुत्र के रिश्ते पर आधारित एक गैंगस्टर ड्रामा कहानी है। इसमें मैं एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहा हूं जबकि के के सर (केके मेनन) शो में डान की भूमिका में नजर आएंगे। यह बहुत ही दिलचस्प कहानी है, जिसे लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। दरअसल, मैं के के सर का बहुत बड़ा फैन हूं, तो उनके साथ काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। इस शो की शूटिंग पूरी हो चुकी है।' वहीं अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में तनुज बताते हैं, 'मेरी अगली फिल्म जानी जंपर है। यह फिल्म डिजिटल प्लेटफार्म के लिए बनी है। इसमें विजय राज, बृजेंद्र काला, जाकिर हुसैन और जरीना वहाब अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा अप्लाज प्रोडक्शन के लिए एक अनाम शो भी बन रहा है। इस क्राइम थ्रिलर शो में मेरे साथ राहुल देव और मुस्तफा बर्मावाला अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा मैं एक रोमांटिक कामेडी शो पप्पी लव भी कर रहा हूं।'

लंबी है तनुज के आगामी प्रोजेक्ट्स की सूची ● मिडडे आर्काइव

जल्द ही डिजिटल प्लेटफार्म पर कदम रखेंगी अनन्या। फाइल

## अगर अनन्या के पास होती सुपरपावर !

**सुपरपावर्स तो** सुपरहीरोज के पास होती है, जो फिल्मों में नजर आते हैं। अगर वास्तविक जिंदगी में आपको सुपरपावर्स मिल जाएं, तो आप क्या करेंगे? यकीनन सोच में पड़ जाएंगे, लेकिन अभिनेत्री अनन्या पांडे ने इसका जवाब तपाक से दिया। उनसे जब एक फोटोशूट के दौरान पूछा गया कि अगर उन्हें एक सुपरपावर मिल जाए, तो वह क्या करेंगी? इस पर जवाब देते हुए अनन्या ने कहा कि मैं जानवरों से बात करूंगी। अगर अनन्या को अपनी जिंदगी में से कुछ बदलने के लिए कहा जाए, तो वह क्या होगा? इस पर वह कहती हैं कि मैं जब भी चाहती, तब कहीं किसी एडवेंचरस जगह पर घूमने निकल जाती। अनन्या की पहली वेब सीरीज काल मी बे बनकर तैयार है। वह कहती हैं कि मैं पहली बार किसी शो का हिस्सा बनी हूं, इसलिए बेहद उत्सुक हूं। मैं इस शो की शीर्षक भूमिका में हूं, जो मेरे लिए बड़ी बात है। उम्मीद है कि लोग इसे पसंद करेंगे। इसके अलावा एक साइबर थ्रिलर फिल्म हैं, जो विक्रमादित्य मोटवाणी सर के साथ बन रही है। एक और फिल्म है, जिसकी घोषणा अब तक नहीं हुई है। मैं हारर के जानर में भी कुछ करना चाहती हूं, क्योंकि मुझे हारर फिल्में देखना बहुत पसंद है।

हीरामंडी में शर्मिन ने पहली बार मामा के निर्देशन में किया काम ● टीम शर्मिन

## संजय सर की भांजी होने के फायदे - नुकसान दोनों हैं

**सेट पर अगर** कोई अपना हो, तो काम करने में आसानी हो जाती है। हालांकि मलाल फिल्म अभिनेत्री शर्मिन सहगल के साथ ऐसा नहीं रहा। शर्मिन ने हीरामंडी वेब सीरीज में पहली बार अपने मामा संजय लीला भंसाली के निर्देशन में काम किया है। इससे पहले वह उनकी प्रोडक्शन कंपनी की फिल्म मलाल में काम कर चुकी हैं। दैनिक जागरण से बातचीत में शर्मिन कहती हैं, 'संजय सर की भांजी होने के नाते मुझे तो तीन गुना ज्यादा मेहनत करनी पड़ी ताकि उनके जुनून की बराबरी कर सकूं। मैं उनकी कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम कर चुकी हूं। इसलिए उनके नजरिये को अच्छे से समझती हूं। उन्हें सेट पर काम करते हुए देखा है। दूसरे कलाकारों रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट को उतनी मेहनत करते हुए देखा है। सिनेमा और मेरी नानी उनकी पूरी दुनिया हैं। वह सिनेमा खाते-पीते और जीते हैं। ऐसे में मैं कहीं न कहीं मुझपर दबाब था कि अगर मैं उनके विजन के अनुसार काम नहीं कर पाई, तो कहीं उन्हें निराश न कर दूं। अगर उनकी भांजी होने के फायदे हैं इसके कुछ नुकसान भी हैं। भांजी होने की वजह से मैं आसानी से लोगों की नजरों में आ सकती हूं।'

********